राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 बुमराह फिर टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच

जयशंकर बोले- यूक्रेन जंग का हल बातचीत से निकले... 12

वर्ष : 15 | अंक : 222 | नई दिल्ली, गुरुवार, 28 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मेरी तरफ से सरकार बनाने में कोई अड़चन नहीं, महायुति और मजबूत हुई, पीएम का निर्णय सर्वमान्य : एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी

मुंबई। शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे बुधवार को मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। इस प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राज्य में सीएम बनाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का फैसला सर्वमान्य होगा। बीजेपी का सीएम मुझे मंजूर होगा। इस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि सरकार बनाने के लिए मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं। पीएम जो निर्णय लेंगे वह हमें मंजूर होगा। मैं चट्टान की तरह पीएम के साथ हूं। केंद्र सरकार भी चट्टान की तरह मेरे साथ है। बीजेपी का सीएम मुझे मंजूर होगा। उन्होंने कहा, मैंने अपने आप को कभी सीएम नहीं समझा। मैंने आम आदमी बनकर कार्य किया। मैंने कभी

खुद को सीएम नहीं माना। ढाई साल में हमने खूब काम किया। मुख्यमंत्री का मतलब कॉमन मैन होता है। मैंने यही सोचकर काम किया। हमें लोगों के लिए काम करना चाहिए। मुझे पीएम मोदी का हमेशा साथ मिला। महाराष्ट्र में प्रगति की रफ्तार को हमने बढ़ाया। महाराष्ट्र की लाडली बहनों का मैं लाडला भाई हूं। हमारी सरकार में लाडली बहनें खुश हैं। हम अपने गठबंधन के साथ मिलकर काम करने वाले लोग हैं। राज्य में हमारी सरकार के बाद हमारी लोकप्रियता बढ़ी है। मैंने हमेशा महाराष्ट्र की जनता के लिए काम किया है। कुछ लोग चमचा लेकर जन्मे हैं उन्हें गरीबों का दर्द कहां समझ आएगा। एकनाथ शिंदे ने कहा- चुनाव हुए और उसकी नतीजे आए, हमारे काम की बदौलत ऐतिहासिक नतीजा आया। मैं सबका लाडला भाई हूं। बहनों ने मुझे याद रखा और मेरी रक्षा की। मुझे हर चीज का पता है। कोई नाराज है कोई कहां गया ये मत पूछिएगा। बड़ी जीत है, जो ऐतिहासिक है। हम मिलकर काम करने वाले लोग हैं, हमने जी-तोड़ मेहनत की है। हमने जो भी काम किया है, वो मन से किया है। मेरा काम महाराष्ट्र की जनता के लिए होगा।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C

न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना 80,405

चांदी 1,1000

सेंसेक्स 80,220

निफ्टी 24,472

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हादसा, 5 की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण सड़क हादसे पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया। इस दुर्घटना में सैफई मेडिकल कॉलेज के पांच डॉक्टरों की मौत हो गई। सीएम योगी ने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र उपचार के निर्देश दिए। घटना के बारे में जानकारी मिलते ही सीएम योगी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने और उनका समुचित इलाज सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए। इसके साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इसके साथ ही उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। बता दें कि कन्नौज के लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर यह हादसा बुधवार को तड़के करीब 4 बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, सैफई मेडिकल कॉलेज के पांच डॉक्टर अपनी कार से एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। इस दौरान कार एक ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद कार में चीख-पुकार मच गई, पास से गुजर रहे लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

संसद में अदाणी समूह पर आरोपों सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष का हंगामा, नहीं चले दोनों सदन

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग और संभल हिंसा सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को कार्यवाही बाधित रही तथा लोकसभा एवं राज्यसभा की बैठक एक-एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन आज विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों में शून्यकाल एवं प्रश्नकाल की कार्यवाही अवरुद्ध रही। लोकसभा की कार्यवाही बुधवार सुबह प्रारंभ होने के साथ ही कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और अदाणी समूह से जुड़े मामले को उठाने का प्रयास करने लगे, वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा की घटना को उठाने का प्रयास किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच प्रश्नकाल शुरू कराया। इस बीच, कांग्रेस और सपा के कई सदस्य आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। बिरला ने आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी कर रहे

विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सदस्य अरुण गोविल का उल्लेख करते हुए कहा कि वह पहली बार प्रश्नकाल में प्रश्न पूछ रहे हैं, ऐसे में सदन की कार्यवाही चलने दी जाए। हालांकि, हंगामा नहीं थमा और विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। लोकसभा अध्यक्ष ने नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा, प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय है, सबका समय है। आप प्रश्नकाल चलने दें, आपको हर मुद्दे पर चर्चा करने का अवसर दिया जाएगाङ्घ आप नियोजित तरीके से गतिरोध करना चाहते हैं, जो उचित नहीं है। इसके बाद उन्होंने पूर्वाह्न करीब 11 बजकर पांच मिनट पर सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे निचले सदन की बैठक फिर शुरू हुई तो वही नजारा देखने को मिला। विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपने स्थान पर बैठने और कार्यवाही चलने देने की अपील की। हालांकि, नारेबाजी जारी रही। शोर-शराबा जारी रहने पर उन्होंने करीब 12 बजकर 10 मिनट पर सदन की बैठक दिनभर के स्थगित कर दी। उधर, राज्यसभा में सदन की कार्यवाही प्रारंभ होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि उन्हें अदाणी, मणिपुर हिंसा, संभल हिंसा और दिल्ली में अपराध के बढ़ते मामलों पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत कुल 18 नोटिस मिले हैं। उन्होंने सभी नोटिस अस्वीकार कर दिए। जी सी चंद्रशेखर, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, नीरज डांगी और राजीव शुक्ला सहित कांग्रेस के कुछ अन्य सदस्यों ने अन्य प्राधिकरणों के साथ मिलीभगत से अदाणी समूह के कथित भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और वित्तीय अनियमितताओं सहित अन्य कदाचारों की जांच के लिए जेपीसी के गठन के नोटिस दिए थे। तृणमूल कांग्रेस की सुष्मिता देव, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के तिरूचि शिवा, आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के पी संदोष कुमार ने मणिपुर में जारी हिंसा के मुद्दे पर, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जॉन ब्रिटास, ए ए रहीम, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के अब्दुल वहाब ने उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा पर चर्चा के लिए नोटिस दिए थे। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने राजधानी दिल्ली में अपराध के बढ़ते मामलों पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था। सभापति धनखड़ ने सभी नोटिस अस्वीकार करते हुए कहा कि सदस्य इन मुद्दों को अन्य प्रावधानों के तहत उठा सकते हैं। इसके तत्काल बाद कांग्रेस सहित विपक्ष के अन्य सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। इससे पहले कि हंगामा और तेज होता, धनखड़ ने 11 बजकर 11 मिनट पर सदन की कार्यवाही 11 बजकर 30 मिनट तक के लिए स्थगित कर दी। दोबारा, जब सदन की कार्यवाही आरंभ हुई तो सभापति ने सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने स्थानों पर बैठे रहें और व्यवस्था बनाए रखें ताकि सूचीबद्ध कामकाज निपटाया जा सके। हालांकि, इसके बावजूद कुछ सदस्य अपने स्थानों पर खड़े होकर नारेबाजी और हंगामा करते रहे। इसके बाद धनखड़ ने सदन की कार्यवाही बृहस्पतिवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से आरंभ हुआ था और पहले ही दिन अदाणी समूह से जुड़े मामलों सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों की बैठक बाधित रही थी। मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में संसद के ऐतिहासिक केन्द्रीय कक्ष में मुख्य कार्यक्रम हुआ था और दोनों सदनों की बैठक नहीं बुलायी गयी थी।

केंद्र ने पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए खर्च किए 3,623 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। देश की केंद्र सरकार ने 2018 से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली प्रबंधन पर 3,623.45 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में यह जानकारी दी। पंजाब को सबसे अधिक 1,681.45 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसके बाद हरियाणा को 1,081.71 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। निचले सदन में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश को 763.67 करोड़ रुपये, दिल्ली को 6.05 करोड़ रुपये और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) को 83.35 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने निचले सदन को बताया कि इस राशि का उपयोग पराली प्रबंधन मशीनरी को सब्सिडी देने और पराली जलाने पर रोक लगाने और सस्टेनेबल प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) स्थापित करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि तीन लाख से अधिक मशीनें वितरित की गई हैं, जिनमें 4,500 बेलर और रेक शामिल हैं। सरकार ने प्लांट की क्षमता के आधार पर पेलेटाइजेशन (फसल अवशेषों को जैव-कोयले में परिवर्तित करना) प्लांट के लिए 1.4 करोड़ रुपये और टॉरफिकेशन प्लांट के लिए 2.8 करोड़ रुपये तक देने की जरूरत को समझा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब तक ऐसे प्लांट के लिए 17 आवेदनों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 15 से सालाना 2.70 लाख टन धान के भूसे को संसाधित करने की उम्मीद है। फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी की खरीद को समर्थन देने और दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना को लेकर कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने 2018 में एक योजना भी शुरू की थी। 2023 में, मंत्रालय ने फसल अवशेष/धान के भूसे की सप्लाई चेन स्थापित करने के लिए सहयोग बढ़ाने के लिए योजना के दिशा-निर्देशों को संशोधित किया, जिससे मशीनरी और उपकरणों की पूंजीगत लागत के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य प्राधिकरणों और इसरो, आईसीएआर और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) जैसी एजेंसियों के साथ मिलकर सरकार ने फसल अवशेष जलाने की समस्या से निपटने के लिए एक कार्य योजना शुरू की है। खेतों में सीधे फसल अवशेषों का प्रबंधन करने के लिए सरकार ने फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनरी आवंटित की है, जो धान के भूसे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक है। सरकार ने कंबाइन हार्वेस्टर के साथ सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) के उपयोग को भी अनिवार्य कर दिया है, जो भूसे को काटकर खेतों में समान रूप से फैला देता है, जिससे जलाने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। इसके अतिरिक्त, आईएआरआई द्वारा विकसित बायो-डीकंपोजर के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है ताकि धान के भूसे को प्राकृतिक रूप से विघटित किया जा सके, जिससे यह एक मूल्यवान फर्टिलाइजर में बदला जा सके।

एस जयशंकर ने इटली में जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक आउटरीच सत्र में लिया भाग

नई दिल्ली, एजेंसी

फिउगी (इटली)/नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इटली के फिउगी में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के आउटरीच सत्र में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री, सेमी कन्डक्टर और आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग की आवश्यकता सहित छह बिंदुओं पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि क्वाड का विकास एक उल्लेखनीय विकास रहा है और इंडो-पैसिफिक परिदृश्य को व्यापक सहयोगी दृष्टिकोण की आवश्यकता है और जी7 इसमें भागीदार हो सकता है। आज फिउग्गी में हिन्द प्रशांत भागीदारों के साथ जी 7 एफएमएम आउटरीच सत्र में भाग लेने की खुशी है। स्वागत और आतिथ्य के लिए इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी को धन्यवाद। ध्यान दें कि हिन्द प्रशान्त क्षेत्र नए अभिसरण और साझेदारी के साथ-साथ चिंताओं, घर्षण और तनाव सहित महत्वपूर्ण परिवर्तनों का अनुभव कर रहा है। क्वाड का विकास एक उल्लेखनीय विकास रहा है और इंडो-पैसिफिक परिदृश्य आज व्यापक सहयोगात्मक दृष्टिकोण के लिए एक सम्मोहक तर्क पैदा करता है। भारत-प्रशांत क्षेत्र में आवश्यक छह प्रमुख प्रतिक्रियाओं पर प्रकाश डाला गया। स्थिर ऋण से बचने के साथ साथ उधारी से बचने के लिए समुद्री, सेमीकन्डक्टर, आपूर्ति श्रृंखला आदि जैसे क्षेत्रों में अधिक सहयोग, अधिक संसाधन, बड़ी गतिविधियों और परियोजनाओं का समर्थन। शासन, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, आपदा लचीलापन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में अधिक क्षमताएं। वैश्विक आम लोगों की सेवा करने और वैश्विक भलाई में योगदान करने के लिए अधिक अंतर-संचालन और बोझ साझा करना। अंतर्राष्ट्रीय कानून के साथ-साथ लाभों की पारस्परिकता का सम्मान। अधिक विकल्प ताकि हिन्द प्रशांत नीति निमार्ता सही विकल्प चुनने में सक्षम हों। सहयोगी प्रयासों के युग में, इंडो-पैसिफिक को व्यावहारिक समाधान, चतुर कूटनीति, अधिक समायोजन और अधिक खुली बातचीत की आवश्यकता होगी। जी7 ऐसा ही एक भागीदार हो सकता है।

लंबित रेल परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण में तेजी लाए केरल सरकार: रेल मंत्री वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को एक पत्र लिखकर राज्य में लंबित रेल परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया है। वैष्णव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इसके लिए 2,100 करोड़ रुपये का भुगतान करने के बावजूद केरल सरकार ने आवश्यक 470 हेक्टेयर भूमि के मुकाबले केवल 64 हेक्टेयर का अधिग्रहण किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने अंगमाली-सबरीमला नई रेलवे लाइन परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए केरल सरकार को 282 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मंत्री के अनुसार, परियोजना के लिए कुल 416 हेक्टेयर भूमि आवश्यक है, जबकि राज्य सरकार ने केवल 24 हेक्टेयर का अधिग्रहण किया। वैष्णव ने विजयन को लिखे पत्र में कहा, मैं आपसे भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को उचित निर्देश जारी करने का अनुरोध करता हूं ताकि उपरोक्त परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया जा सके।

संभल के पत्थरबाजों-उपद्रवियों पर योगी सरकार सख्त, लगेंगे पोस्टर, होगी वसूली

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के संभल में हुए बवाल के बाद योगी सरकार अपराधियों और उपद्रवियों के खिलाफ कड़ा कदम उठा सकती है। अब प्रदेश में पत्थरबाजों और उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, प्रदेश की योगी सरकार सार्वजनिक स्थानों पर पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर लगाएगी और उनसे वसूली भी करेगी। यूपी की योगी सरकार पूर्व में उपद्रवियों और अपराधियों के खिलाफ नुकसान की वसूली और पोस्टर का अध्यादेश जारी कर चुकी है। यानि स्पष्ट है कि उपद्रवियों से सरकार को हुए नुकसान की वसूली की जाएगी। अपराधियों की वजह से किसी भी सार्वजनिक संपत्ति को हुए की भरपाई कराई जाएगी। इसके अलावा, सरकार ने यह भी कहा है कि इन अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में मदद करने वालों को इनाम भी दिया जाएगा। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पहले ही उपद्रवियों और अपराधियों के खिलाफ नुकसान की वसूली और उनके पोस्टर सार्वजनिक स्थानों पर लगाने के लिए अध्यादेश जारी किया था। इस फैसले के तहत, उन अपराधियों की पहचान सार्वजनिक की जाएगी, जिन्होंने राज्य में हिंसा या उपद्रव किया हो, ताकि उन्हें समाज से बहिष्कृत किया जा सके और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके। बता दें कि बीते दिनों उत्तर प्रदेश के संभल में स्थित मस्जिद में सर्वे के दौरान हुए पथराव किया गया था। पत्थरबाजी का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि कई युवक पुलिस पर पथराव कर रहे हैं। युवकों ने अपना मुंह कपड़े से ढक रखा है, ताकि पुलिस में उनकी पहचान न हो सके। वीडियो में कई लोग हाथों में पत्थर लिए दिख रहे हैं। ये पत्थर वे लोग पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर फेंक रहे हैं। यह लोग एक के बाद एक लगातार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर ईंट, पत्थर सहित तमाम चीजें बरसाते दिख रहे हैं। संभल हिंसा मामले में 20 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

राष्ट्रपति ध्वज जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने युद्ध और शांतिकाल में मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री की व्यावसायिकता को सराहा........

सेना प्रमुख ने मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री की चार बटालियनों को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किए

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री की चार बटालियनों को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किए। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री सेंटर एंड स्कूल में एक भव्य समारोह के दौरान इन बटालियनों को राष्ट्र के प्रति उनकी अनुकरणीय और सराहनीय सेवा के लिए मान्यता दी गई। राष्ट्रपति ध्वज से सम्मानित होने वालों में मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री रेजिमेंट की 26वीं और 27वीं और ब्रिगेड ऑफ द गाड्‌र्स की 20वीं और 22वीं बटालियन हैं। सेना प्रमुख ने कलर प्रेजेंटेशन परेड की समीक्षा की और चार मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री बटालियनों के मार्चिंग और घुड़सवार दस्तों के बेदाग मानकों की सराहना की। राष्ट्रपति की ओर से उन्होंने बटालियनों को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति ध्वज प्रदान करने के बाद सभी रैंकों, विशेष रूप से सम्मानित बटालियनों को बधाई दी और युद्ध और शांतिकाल में मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री की व्यावसायिकता को सराहा। भारतीय सेना के सबसे युवा और सबसे बहुमुखी लड़ाकू हथियारों के रूप में मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री अपनी वीरता और कौशल के लिए प्रसिद्ध है, जिनकी बटालियनें सभी थिएटरों और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में तैनात हैं। अपने संबोधन में थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि 1979 में अपनी स्थापना के बाद से मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री आर्म ने भारतीय सेना

में आधुनिक और पेशेवर बल के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जिसने ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन विजय, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन स्नो लेपर्ड जैसे प्रमुख अभियानों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में असाधारण साहस, अनुशासन और परिचालन दक्षता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे युद्ध स्वरूपों के बीच मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री का फ्यूचरिस्टिक इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल्स, नाग मिसाइल सिस्टम, कैनिस्टर लॉन्च्ड एंटी-आर्मर सिस्टम, मिनी रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट और इंटीग्रेटेड सर्विलांस एंड टारगेट सिस्टम जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ आधुनिकीकरण किया जा रहा है। सेना प्रमुख ने कहा कि मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री भविष्य के संघर्षों में निर्णायक बल के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत कर रही है। आधुनिकीकरण के ये प्रयास आत्मनिर्भरता की नींव पर आगे बढ़ रहे हैं। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने पूर्व सैनिक समुदाय और समाज की भलाई के लिए उनके योगदान के लिए चार अनुभवी अचीवर्स को सम्मानित भी किया। उन्होंने सभी रैंकों और परिवारों को अपनी शुभकामनाएं दीं और सेना के सभी रैंकों से भारतीय सेना के मूल मूल्यों और लोकाचार को ध्यान में रखते हुए राष्ट्र की सेवा करते हुए उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। क्या है राष्ट्रपति ध्वज का महत्वराष्ट्रपति ध्वज भारतीय सेना में सैन्य इकाई को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। यह सैन्य ध्वज सैनिकों के बीच मनोबल, प्रेरणा और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देना जारी रखते हैं। यह औपचारिक ध्वज है, जिस पर इकाई का प्रतीक चिह्न और आदर्श वाक्य अंकित होता है। यह प्रतिष्ठित सम्मान भव्य औपचारिक परेड के दौरान प्रदान किया जाता है, जिसमें अक्सर राष्ट्रपति या सेना प्रमुख जैसे वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीएस-4 पर रोक से रोजाना एक लाख का हो रहा नुकसान

रुद्रपुर, एजेंसी। बीएस-4 बसों के दिल्ली में प्रवेश पर लगी रोक से डिपो को हर रोज एक लाख रुपये से अधिक का नुकसान हो रहा है। ऐसे में अब कौशांबी, नोएडा और कानपुर के लिए बसें चलाई जा रहीं हैं। दिल्ली सरकार ने उत्तराखंड परिवहन निगम की बीएस-3 और बीएस-4 मॉडल की बसों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। दिल्ली में केवल सीएनजी और बीएस-6 मॉडल की बसों को प्रवेश दिया जा रहा है। बीएस-4 मॉडल की बसों पर दिल्ली में रोक का तोड़ निकालते हुए डिपो प्रबंधन ने पांच बसें नोएडा के सेक्टर 62 और कौशांबी बस अड्डे तक चलाकर भरपाई की कोशिश की है। दो बसें कानपुर के लिए शुरू की है, लेकिन इसका बेहतर परिणाम आता नहीं दिखाई दे रहा है। डिपो से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली की रोक से पहले हर रोज एक बस से 30,000 से 32,000 रुपये की आय होती थी। कौशांबी और नोएडा के सेक्टर 62 तक चलने वाली बसें औसतन 15,000 रुपये की आमदनी कर रही हैं। इस लिहाज से हर रोज कम से कम 15,000 रुपये का नुकसान एक बस से डिपो को हो रहा है। ऐसे में हर दिन एक लाख पांच हजार रुपये का नुकसान डिपो को हो रहा है। डिपो के पास परिवहन निगम की 32 बसें हैं। 47 अनुबंधित बस डिपो से संचालित होती हैं। डिपो के बेड़े में शामिल बसों में से नौ बस सीएनजी तो सात बस बीएस-4 मॉडल की हैं। डिपो के पास एक भी बीएस-6 मॉडल की बस नहीं है।

प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष बने कमान सिंह

खटीमा, एजेंसी। प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक ईकाई के नए अध्यक्ष कमान सिंह सामंत चुने गए। सोमवार शाम तक बीआरसी कार्यालय में हुए चुनाव में उन्होंने प्रतिद्वंद्वी मदन सिंह अधिकारी को 10 मतों से पराजित किया। कमान को 162 व मदन को 152 मत मिले। चुनाव में कुल 330 मतदाताओं में से 316 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। छविराज सिंह कफलिया मंत्री चुने गए। उन्होंने राजेश गंगवार को हराया। जितेंद्र यादव कोषाध्यक्ष बने। उन्होंने ताजवर खत्री को हराया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर मुकेश राना ने रमेश भट्ट को पराजित किया। संयुक्त मंत्री पद पर भुवन उप्रेती ने ज्ञान प्रकाश गंगवार को शिकस्त दी। लेखाकार पद पर राजेंद्र पाठक ने कृपाल सिंह को हराया। महिला उपाध्यक्ष पद पर रंजना ठकुराठी ने गता उपाध्याय को पराजित किया। प्रचार मंत्री महिला पद पर रेनू टम्टा ने प्रवीन राना को शिकस्त दी। महिला संगठन मंत्री पद पर रजनी गंगवार ने विजय प्राप्त की। उपाध्यक्ष पद पर नितिन चौहान निर्वाचित हुए। संगठन मंत्री अशोक कुमार चुने गए। उप मंत्री पद पर राकेश राना ने विजय प्राप्त की। प्रचार मंत्री अफजल हुसैन बने। नव नियुक्त पदाधिकारियों ने पद व गोपनीयता की शपथ ली। वहां पर चंदन कुमार, अरविंद गोस्वामी, राम शर्मा, हेम जोशी, रवि जोशी, राजेश जोशी, नितिन चौहान आदि थे।

राजस्व वसूली को त्वरित गति से निपटाएं : डीएम

रुद्रपुर, एजेंसी। डीएम उदयराज सिंह ने मासिक स्टाफ की बैठक में राजस्व वसूली को त्वरित गति से करते हुए मार्च तक लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के सभी एसडीएम को निर्देश दिए। मंगलवार को कलक्ट्रेट में डीएम ने तहसीलदार, एसडीएम और एडीएम न्यायालय में तीन वर्ष से अधिक के राजस्व वसूली के मामले प्राथमिकता के आधार पर नियमित कोर्ट लगाकर सुनवाई करते हुए निस्तारित करने को कहा। बैठक में एएसपी निहारिका तोमर, संयुक्त मजिस्ट्रेट गदरपुर आसिमा गोयल, एसडीएम मनीष बिष्ट, रविंद्र बिष्ट, राकेश तिवारी, गौरव चटवाल आदि रहे।

स्मैक के साथ महिला गिरफ्तार

किच्छा, एजेंसी। पुलिस ने एक महिला को 3.85 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी महिला नशा तस्करी में एक महीने पहले ही जेल से बाहर आई है। उसका पति भी नशे की तस्करी में जेल में बंद है। कोतवाली से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को एसआई राजेंद्र पंत, जगमोहन सिह, विजय कुमार, दीपक बोरा और गीता आर्या सत्यापन करने निकले थे। वार्ड 16 बीस फीटा रोड पर जब ये लोग सत्यापन कार्रवाई में हरिशंकर के घर के पास थे तो झोपड़ी के पीछे की तरफ रोड से एक औरत तेज कदमों से भागी। शक होने पर सभी ने उसका पीछा किया तो महिला ने एक छोटी फेंकी। हालांकि पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपन नाम पप्पी (33) र्ष निवासी वार्ड 16 विकास कॉलोनी बताया।

पीएमजीएसवाई के ईई सहित दो अभियंताओं का वेतन रोका

पिथौरागढ़, एजेंसी। सीमांत जिले में विभागीय अधिकारी डीएम के आदेश की अनदेखी कर रहे हैं। ताजा मामला पीएमजीएसवाई से जुड़ा है। डीएम विनोद गोस्वामी ने पीएमजीएसवाई को ऐंचोली-बड़ाबे सड़क पर जीआईसी शिलिंग के पास आपदा से क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का निर्माण करने के निर्देश दिए थे। 23 दिन बाद भी काम शुरू नहीं हुआ तो डीएम ने पीएमजीएसवाई के ईई सहित दो अभियंताओं का वेतन रोकने के निर्देश जारी किए हैं। ऐंचोली-बड़ाबे सड़क पर जीआईसी शिलिंग के पास आपदा से क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार का निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त होने से मार्ग संकरा हो गया है इससे आवाजाही में दिक्कत हो रही है। फेज तीन के तहत सड़क के लोनिवि से हस्तांतरित होने की कार्यवाही शुरू होने पर डीएम ने पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को जल्द सुरक्षा दीवार का निर्माण करने के निर्देश दिए। 25 नवंबर को सीडीओ डॉ. दीपक सैनी ने निरीक्षण किया तो सुरक्षा दीवार निर्माण का काम शुरू ही नहीं किया गया। उन्होंने डीएम को इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि सुरक्षा दीवार के और धंसने से आवाजाही प्रभावित होने की पूरी संभावना है इससे क्षेत्र की तीन हजार से अधिक की आबादी की दिक्कत बढ़ सकती है।

हत्या-आत्महत्या के बाद बंद घर में ही दफन राज, बेसबॉल बैट से मारा फिर चलाई गोली

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार के रानीपुर कोतवाली क्षेत्र की टिहरी विस्थापित कॉलोनी में पति ने अपनी पत्नी और सास की हत्या कर गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। पत्नी पर बेसबॉल से वार करने के बाद सास के सिर में पिस्तौल से गोली मारकर फिर खुद को गोली से उड़ा लिया।

बंद घर के अंदर पहले कहासुनी और फिर गोली मारकर तीन जिंदगियां खत्म हो गईं, लेकिन हत्या और आत्महत्या का सही कारण भी बंद घर में ही दफन होकर रह गया। तीनों में से अगर किसी की जिंदगी बची होती तो तस्वीर साफ हो सकती थी। इतने बड़े आत्मघाती कदम उठाने के पीछे आखिर क्या वजह रही होगी।

पुलिस प्रथम दृष्टया गृह क्लेश के साथ ही संपत्ति विवाद को भी जोड़कर देख रही है। परिजनों से भी बातचीत की गई, लेकिन कोई

ठोस वजह सामने नहीं पाई है। पुलिस के मुताबिक, करीब 30 साल पहले भेल कर्मी जगदीश चंद्र दीपक की बेटी सुनीता से आर्यनगर ज्वालापुर निवासी राजीव अरोड़ा ने प्रेम विवाह कर दिल्ली में बसकर नौकरी की शुरुआत की थी। सुनीता भी एक कंपनी में काम करने लगी। सुनीता के पिता जगदीश चंद्र दीपक की साल 1973 में मौत के बाद उसकी मां शकुंतला दीपक को बीएचईएल में नौकरी मिली थी। 78 वर्षीय शकुंतला को दिल की बीमारी के साथ ही अन्य रोग भी ग्रस्त थे। दिल्ली के अपोलो अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। एक साल से बेटी और दामाद के साथ ही दिल्ली में रह रही थी। इससे पहले अपने टिहरी विस्थापित वाले मकान में ही रहती थी, जबकि कुछ समय देहरादून में अपने भाई के यहां भी रहीं। रविवार को इलाज के लिए शकुंतला अपनी बेटी सुनीता के साथ देहरादून में दंत के उपचार के लिए आईं फिर हरिद्वार आ गई थीं।

पुलिस की जांच में सामने आया कि सोमवार को राजीव कार से दिन में पहुंचा था। इसके बाद पत्नी से उसका झगड़ा हुआ था। फिर शाम करीब साढ़े चार से पांच बजे के बीच घर के अंदर दरवाजा बंद कर लिया। जहां फिर से विवाद हुआ और तीनों जिंदगियां एक साथ खत्म हो गईं।

जांच में सामने आया कि सुनीता के सिर पर बेसबॉल बैट से भी राजीव ने वार किए फिर पिस्तौल से भी सिर में गोली मारी थी। सास के लेटते हुए ही उसके सिर से पिस्तौल सटाकर गोली मार दी गई थी। फिर कनपटी पर पिस्तौल सटाकर जीवन लीला समाप्त की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही ये भी साफ हो सकेगा कि सिर में बेसबॉल बैट के वार से किसी तरह की चोटें आई थी।

मांगें पूरी न होने से नाराज आशा कार्यकर्ताओं का धरना

अल्मोड़ा, एजेंसी। नियमितीकरण सहित अन्य मांगें पूरी न होने से नाराज आशा कार्यकर्ताओं ने सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) के बैनर तले चौघानपाटा स्थित गांधी पार्क में धरना दिया। उन्होंने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। उन्होंने कहा कि आशाओं का मानदेय 26 हजार रुपये किया जाना चाहिए। यदि मांगे शीघ्र पूरी न हुईं तो 29 नवंबर को दिल्ली में प्रदर्शन किया जाएगा। सभी आशाओं से दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन में शिरकत करने की अपील की। धरने पर विजयलक्ष्मी, मीना जोशी, आनंदी मेहरा, भगवती, कमला बिष्ट, रूपा देवी, पदमा पांडे, हेमा रानी, आयशा बेगम, गीता जोशी, इंदिरा भंडारी, पुष्पा देवी, सरोजिनी, किरण शाह, ममता वर्मा, ममता भट्ट, अंजलि, ममता आर्य, कविता, सीटू के जिला सचिव आरपी जोशी आदि बैठे।

पुस्तकालय से गांव में बनेगा पढ़ने-लिखने का माहौल

ऋषिकेश, एजेंसी। माजरी ग्रांट के सामुदायिक केंद्र में मंगलवार से आमजन के लिए पुस्तकालय शुरू कर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि पुस्तकालय गांव में पठन-पाठन का वातावरण बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। मंगलवार से माजरी ग्रांट ग्राम पंचायत के सामुदायिक केंद्र में ग्राम प्रधान अनिल पाल और अन्य प्रबुद्ध लोगों की पहल पर पुस्तकालय सभी के लिए खोल दिया गया है। मुख्य वक्ता लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रो. सुमेरचंद रवि ने कहा कि पुस्तकालय से खास तैयारी कर रहे युवाओं को लाभ मिलेगा। डीएवी महाविद्यालय के मुख्य नियंता डॉ. राजेश पाल ने कहा कि किसी भी गांव और शहर का पुस्तकालय उसकी शान बढ़ाने का काम करता है। आमजन को इसका लाभ उठाना चाहिए। ग्राम प्रधान अनिल पाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की जरूरत को देखते हुए पुस्तकालय की शुरुआत कर दी गई है। सामूहिक सहयोग से इसको और बेहतर बनाने की दिशा में काम होगा। फिक्की फ्लो संस्था की अध्यक्ष चारू चौहान ने कहा कि विभिन्न तरह का साहित्य और प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें पुस्तकालय में दी गई है। जैसी जरूरतें होगी उसी के अनुरूप बढ़ोतरी की जाएगी। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख भगवान सिंह पोखरियाल, कनिष्ठ प्रमुख विनोद राणा, सेवानिवृत्त मेजर अनीता एम जैन, फूल सिंह पाल, हरिकिशन, स्वतंत्र बिष्ट, मोहित उनियाल, गौरव चौधरी, राजेन्द्र गुसाईं आदि मौजूद रहे। माजरी ग्रांट ग्राम पंचायत में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

डीजीसी के मुर्गी फार्म से इनवर्टर और बैटरी चोरी

रूड़की, एजेंसी। चोरों ने सेवानिवृत्त डीजीसी जिला सरकारी वकील (आपराधिक) के मुर्गी फार्म से इनवर्टर और बैटरी चोरी कर ली है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो युवकों पर केस दर्ज कर लिया है। साथ ही उनकी तलाश शुरू कर दी है।

गंगनहर कोतवाली क्षेत्र स्थित गांव पनियाला चंदापुर निवासी अनिल कुमार राणा ने पुलिस को बताया कि वह सेवानिवृत्त डीजीसी हैं। उन्होंने गांव के पास ही आम के बाग में मुर्गी फार्म खोल रखा है। 22 नवंबर की रात चोरों ने फार्म के इनवर्टर और बैटरी चोरी कर ली। उन्होंने आसपास के लोगों से जानकारी ली तो पता चला कि घटना वाली रात मुस्तकीम और एक अन्य को बाइक पर इनवर्टर व बैटरी ले जाते देखा गया था। डीजीसी ने आरोप लगाया कि उक्त युवकों ने बैटरी और इनवर्टर चोरी किया है। कोतवाली प्रभारी ऐश्वर्य पाल ने बताया कि तहरीर के आधार दोनों पर केस दर्ज कर लिया गया है। साथ ही दोनों युवकों की तलाश की जा रही है। जल्द ही दोनों की गिरफ्तारी भी की जाएगी।

हाई कोर्ट के पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बीसी कांडपाल का निधन, 76 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

नैनीताल, एजेंसी। हाई कोर्ट के पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बीसी कांडपाल का मंगलवार को 76 साल की उम्र में निधन हो गया। अंतिम संस्कार बुधवार को हरिद्वार में होगा। जस्टिस कांडपाल नौ फरवरी 2009 से आठ मार्च 2009 तक, 10 अगस्त 2009 से 16 अगस्त 2009 तक तथा 10 सितंबर 2009 से 25 सितंबर 2009 तक हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रहे। 16 अगस्त 2010 को वह सेवानिवृत्त हुए थे।

मूल रूप से बागेश्वर जिले के कौसानी के समीप काटली और वर्तमान में 117 राजेश्वर नगर फेज-1 देहरादून निवासी न्यायमूर्ति कांडपाल के निधन से न्यायिक जगत में शोक है। अंतिम संस्कार बुधवार को हरिद्वार के करकरी घाट पर होगा।

17 अगस्त 1948 को जन्मे जस्टिस कांडपाल की प्रारंभिक शिक्षा देहरादून में हुई। आगरा विश्वविद्यालय से विधि स्नातक के बाद 1976 में वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन में शामिल हुए। 1982 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्याय क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के सहायक शासकीय अधिवक्ता

बने।

1986 में उच्च न्यायिक सेवा में शामिल हुए तथा मिर्जापुर, वाराणसी, रामपुर और कानपुर आदि स्थानों पर तैनात रहे। उत्तराखंड बनने के बाद सितंबर 2001 में देहरादून में जिला न्यायाधीश के रूप में तैनात हुई। 26 जून 2004 को नैनीताल हाईकोर्ट में अपर न्यायाधीश तथा 21 मार्च 2006 को न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत हुए।

जस्टिस कांडपाल 2018 में उत्तराखंड बार काउंसिल के मुख्य चुनाव अधिकारी बने थे। वह राज्य में स्टर्जिया आदि घोटालों की जांच आयोग के भी चेयरमैन रहे। उनके बड़े पुत्र हिमांशु कर्नल हैं। जबकि छोटे पुत्र भूपेश नैनीताल हाई कोर्ट में अधिवक्ता। बेटी दीप्ति व दामाद भारत सरकार के पेयजल विभाग में निदेशक हैं। उनके सबसे छोटे भाई एमसी कांडपाल नैनीताल हाईकोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। सबसे छोटे भाई आरसी कांडपाल का 2010 में निधन हो गया था।

निधन पर महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर, मुख्य स्थायी अधिवक्ता चंद्रशेखर रावत, शासकीय अधिवक्ता अमित भट्ट, उत्तराखंड बार काउंसिल के चेयरमैन महेंद्र पाल, सदस्य अर्जुन सिंह भंडारी, हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गा सिंह मेहता, महासचिव वीरेंद्र सिंह रावत,पूर्व अध्यक्ष एमसी पंत, विनोद तिवारी, संदीप तिवारी, भुवनेश जोशी, ललित बेलवाल, नदीम मून, जयवर्धन कांडपाल, कुर्बान अली, संजय भट्ट, पूरन सिंह बिष्ट, डीके शर्मा, वीबीएस नेगी आदि ने शोक जताया है।

लालपुल-कारगी मार्ग पर चौड़ीकरण के बाद दोबारा हुआ अतिक्रमण

देहरादून, एजेंसी। लालपुल-कारगी मार्ग पर जाम से निजात दिलाने के लिए इस मार्ग का चौड़ीकरण किया गया, लेकिन इस मार्ग का चौड़ीकरण होते ही दोबारा अतिक्रमण हो गया। हालत यह है कि श्री महंत इंदिरेश अस्पताल के पास स्थिति बदहाल हो गई है। अस्पताल के सामने रोज जाम लगने से लोगों को फिर परेशानी होने लगी हैं। वहीं पुलिस की ओर से सड़क पर पार्क दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

लालपुल-कारगी मार्ग का काम लगभग पूरा हो चुका है। अब पुलिया भी बनकर तैयार हो चुकी है, लेकिन मार्ग चौड़ीकरण के बाद भी यहां यातायात अवरुद्ध रहने लगा है। दरअसल, पीडब्ल्यूडी ने मार्ग का चौड़ीकरण करने के बाद इसका निर्माण करा दिया और सड़क किनारे अतिक्रमण न हो इसके लिए पिलर भी लगा दिए। बावजूद इसके उस पिलर के आगे ही वाहनों की पार्किंग शुरू हो गई। स्थिति यह है कि आधी सड़क पर पार्क वाहनों का कब्जा है। जिस कारण महंत इंदिरेश अस्पताल के पहले गेट से लेकर नाले की पुलिया तक जाम लगा रहता है। सबसे पुरा हाल श्री महंत इन्दिरेश अस्पातल के सामने का है। अस्पताल की तरफ तो सुरक्षा गार्ड रहते हैं और वो वहां पर वाहनों को पार्क नहीं होने देते, लेकिन दूसरी तरफ योगा सेंटर, ऑटो स्टैंड, वाहन के शोरूम के बाहर रोड पर बड़ी संख्या में दुपहिया वाहनों को पार्क किया जाता है। यह एक-दो दिन का नहीं रोजाना का काम है। जिसका खामियाजा कई बार अस्पताल में आने वाली एंबुलेंस में मौजूद मरीज को झेलना पड़ता है। पीडब्ल्यूडी ने अभी हाल ही में श्री महंत इंदिरेश अस्पताल के पास पुलिया का भी चौड़ीकरण कर दिया। पुलिया चौड़ीकरण किए जाने के बाद यहां यातायात तो सुगम हुआ, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने इसको भी नहीं बख्शा। एबुलेंस चालकों ने अपनी एंबुलेंस को पुलिया पर सड़क किनारे पार्क करना शुरू कर दिया।

कूड़े को लेकर विवाद में फेंका केमिकल, किशोरी और तीन महिलाएं झुलसीं

रूड़की, एजेंसी। सड़क पर कूड़ा एकत्रित करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष की महिलाओं पर केमिकल फेंक दिया। इसमें एक किशोरी और तीन महिलाएं झुलस गईं। आरोपी पुलिस के पहुंचने से पहले ही फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी में उपचार दिलाया। पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है।

मंगलवार की दोपहर बाद कस्बे के मोहल्ला कटहेड़ा निवासी एक किशोरी अपने घर के बाहर से कूड़ा एकत्रित कर रही थी। इसी दौरान पड़ोस के ही कुछ लोगों ने कूड़ा उनके घर के बाहर फेंकने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान उक्त लोगों ने महिलाओं के साथ मारपीट भी की। बताया जा रहा कि मौके पर मौजूद महिलाओं पर मारपीट करने वाले लोगों ने केमिकल फेंक दिया।

इसमें किशोरी इलमा और तीन महिलाएं झुलस गईं। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और झुलसी किशोरी व महिलाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार दिलाया। मामले की तहरीर पुलिस को दे दी गई है। उधर, सीओ विवेक कुमार ने बताया कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की महिलाओं पर दूध की डेयरी में इस्तेमाल होने वाला केमिकल फेंका है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मामले में केस दर्ज किया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

जैव विज्ञान में है रोजगार की अपार संभावनाएं : वीसी

ऋषिकेश, एजेंसी। श्रीदेव सुमन विवि के पं. ललित मोहन शर्मा परिसर में जैव विज्ञान पर एकीकृत तकनीक विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू हुआ। विषय विशेषज्ञों ने कहा कि जैव विज्ञान में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

मंगलवार को पं. ललित मोहन शर्मा परिसर के एमएलटी विभाग में यूसर्क व एम्स बायो केमिस्ट्री विभाग के सहयोग से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो. एनके जोशी ने कहा कि छात्रों में कौशल विकास का होना अति आवश्यक है। ऐसी कार्यशालाएं प्रतिभागियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रसार करती हैं। प्रो. जोशी ने कहा कि जैव विज्ञान में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं, जिसमें छात्र-छात्राएं अनुसंधान कर अपना रोजगार तलाश सकते हैं। प्रो. अनीता रावत ने कहा कि जैव विज्ञान पर एकीकृत तकनीक एक व्यापक क्षेत्र है।

व्हाट्सएप ग्रुप पर फोटो डालते ही होगा कूड़े का निस्तारण

अल्मोड़ा, एजेंसी। नगर को स्वच्छ बनाने के लिए नगर निगम ने नई पहल की है। वैसे तो कूड़ा निस्तारण के लिए अलग-अलग वार्डों में पर्यावरण मित्र तैनात किए गए हैं लेकिन अब चार नए मोबाइल दस्ते भी बनाए गए हैं, जो स्कूटी लेकर तैनात रहेंगे। व्हाट्सएप ग्रुप बना दिए गए हैं। जिस क्षेत्र में कूड़ा दिखाई देगा व्हाट्सएप पर उसका फोटो और लोकेशन बताते ही टीमें मौके पर पहुंचेंगी और कूड़े को तत्काल निस्तारित किया जाएगा।

नगर आयुक्त, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी और अधिशासी अधिकारी भरत त्रिपाठी ने नगर निगम के अधिकारियों के साथ मंगलवार को बैठक कर सफाई व्यवस्था के लिए नई कार्य योजना तैयार की। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम के सभी 40 वार्ड में जहां-जहां भी कूड़ेदान लगाए गए हैं और वे क्षतिग्रस्त हैं उन्हें दुरुस्त करने और सभी को ढकने के लिए अभियान शुरू किया गया है। साथ ही स्कूटी और स्मार्टफोन से सुसज्जित चार दस्ते तैनात किए गए हैं। व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। किसी क्षेत्र में अगर कूड़ा नहीं उठाया गया है तो वह फोटो खींचकर व्हाट्सएप ग्रुप में डाल दें। सफाई दस्ता तत्काल मौके पर पहुंचेगा और तुरंत कूड़े का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रुप की निगरानी नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी खुद करेंगे। साथ ही जिलाधिकारी सहित अन्य लोग भी इसमें जुड़े रहेंगे। कहीं भी लापरवाही पाए जाने पर पर्यावरण मित्र और सफाई नायकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि नगर को साफ सुथरा बनाने के लिए यह नई योजना बनाई गई है।

नगर में लावारिस पशुओं की इन दिनों भारी तादाद है। इनकी वजह से कई बार जाम लग जाता है और हादसे भी हो जाते हैं। कई लोग इससे टकराकर चोटिल भी हो चुके हैं। नगर निगम ने ऐसे लावारिस पशुओं को अब पकड़कर बाजपुर गोशाला भिजवाने का निर्णय लिया है।

हादसे के बाद कई चौराहों पर बढ़ी सतर्कता-सुरक्षा, कई जगह अभी भी बैरियर नहीं

देहरादून, एजेंसी। ओएनजीसी चौक पर हुए भीषण हादसे में छह युवकों की जान चली गई थी। हादसे के बाद कई तरह के सवाल उठने लगे। पुलिस ने भी अब रात्रि में सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के लिए अभियान चलाया।

देहरादून ओएनजीसी चौक पर हादसे के बाद सतर्कता और सुरक्षा के स्तर पर काफी बदलाव आया है। वाहन चलाने वाले जागरूक हुए हैं, तो पुलिस महकमे ने भी अपनी सतर्कता बढ़ाई है। हालांकि अभी कई चौराहों-तिराहों पर रात्रि में चेकिंग बढ़ाने की जरूरत है।

कई चौराहों पर पुलिस पूरी रात सघन जांच अभियान चला रही है। शराब पीकर वाहन चलाने वालों को चिह्नित करने के लिए जांच की जा रही है। जुर्माने के साथ ही अन्य कार्रवाई भी अमल में लाई जा रही है। लेकिन, कई चौराहों पर देर रात तक पुलिस के बैरियर नहीं लगते और जांच तक

सहारनपुर चौक पर पुलिस का बैरियर लगा मिला। तीन पुलिसकर्मी वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। आईएसबीटी व कांवली रोड की ओर से आने जाने वाले वाहनों की सघन चेकिंग चल रही थी।

दर्शन लाल चौक पर कोई पुलिस बैरियर नहीं लगा था। यहां पर कोई पुलिसकर्मी भी चेकिंग करता नहीं मिला। परेड ग्राउंड की तरफ से तेज गति गाड़ियां यहां से होकर फर्राटा भर रही थीं। दर्शन लाल चौक को पार करने के बाद दून अस्पताल चौक पर भी कोई बैरियर और पुलिस नजर नहीं आई।

प्रिंस चौक पर कोई पुलिसकर्मी नहीं दिखा। यहां पर पुलिस की ओर से बैरियर भी नहीं लगाया गया था। गाड़ियों की रफ्तार भी यहां पर तेज थी। यहां पर पुलिस

बल्लूपुर की ओर से आने वाले रास्ते पर 11:00 बजे पुलिस के बैरियर लगे हुए थे। वाहनों की चेकिंग की जा रही थी, चार पुलिसकर्मी आने जाने वाले वाहनों को चेक कर रहे थे। बैरिकेड कर गाड़ियों की डिग्गी आदि भी चेक की जा रही थी। हालांकि राजपुर रोड से घंटा घर होते हुए प्रिंस चौक की तरफ जाने वाले रास्ते पर कोई चेकिंग नहीं दिखी, जबकि इसी रास्ते से उस रात हादसे का शिकार हुई इनोवा गई थी, प्रिंस चौक की तरफ जाने वाली गाड़ियों की गति भी तेज दिखी।

बल्लीवाला चौक पर शिमला बाईपास की तरफ से आने वाली गाड़ियों की जांच की जा रही थी, हालांकि कांवली व बसंत विहार की तरफ से आने-जाने वाले वाहनों की किसी प्रकार की कोई जांच नहीं हो रही थी। वाहन चालकों की एल्कोमीटर की जांच भी पुलिस कर रही थी। पुलिस ने मौके पर कुछ युवकों को रोका। इनके पास न गाड़ी के कागज थे, न ही लाइसेंस व हेलमेट। इन पर कार्रवाई की गई।

गोलीकांड के एक और आरोपी ने किया सरेंडर

रुद्रपुर, एजेंसी। जाफरपुर में हुए गोलीकांड मामले में एक और आरोपी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

12 अक्तूबर की रात जाफरपुर में दो पक्षों ने एक-दूसरे पर 50 राउंड से अधिक फायर किए थे। पुलिस ने दोनों पक्षों के 13 लोगों पर केस दर्ज किया था। चार आरोपियों करन सिंह, सतेंद्र सिंह, बलराम विश्वास और पुष्पराज सिंह उर्फ प्रिंस को गिरफ्तार कर लिया था।

पुलिस ने फरार चल रहे आठ आरोपी हरेंद्र सिंह विर्क, जसवीर सिंह, हरमन सिंह, गुरप्रीत उर्फ गोपी, मनमोहन सिंह, कांवल सिंह, बलजीत उर्फ बल्ली और साहब सिंह उर्फ साबी के विरुद्ध एनबीडब्ल्यू लिया था। एसएसपी ने जसवीर सिंह, मनमोहन सिंह और साहब सिंह पर पांच-पांच रुपये का इनाम घोषित किया था। इस बीच पांच रुपये के इनामी एक आरोपित मनमोहन सिंह के अलावा गुरप्रीत ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था।

मामले में एक और आरोपी हरमन सिंह ने भी न्यायालय में सरेंडर कर दिया है। अब पुलिस फरार पांच आरोपियों की तलाश कर रही है। इसमें दो पांच रुपये शामिल हैं। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि एक और आरोपी हरमन सिंह ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है।

आप सांसद संजय सिंह का राज्यसभा में शून्यकाल में उत्तर प्रदेश के संभल दंगे पर नोटिस

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य व उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने बुधवार को राज्यसभा के शून्यकाल में उत्तर प्रदेश के संभल दंगे से संबंधित गंभीर मुद्दे को उठाने के लिए नोटिस दिया है। इस नोटिस में उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश में हाल के दिनों में बढ़ती नफरत, हिंसा और दंगों की घटनाएं राज्य की पहचान बन गई हैं, और इससे एक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना के रूप में संभल दंगा सामने आया है। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में हिंसा और दंगों के मामलों को नियंत्रित करने के पूरी तरह विफल रही है। पुलिस की गोली से कई निदोर्षों की जान चली गई, लेकिन भाजपा सरकार मामले को दबाने और जनता को गुमराह करने में लगी है।

संजय सिंह ने नोटिस में कहा कि इस दंगे में पुलिस की गोली से कई निर्दोष लोगों की जान चली गई, और प्रशासन की ओर से इस घटना को लेकर लगातार झूठ बोलने और लीपापोती करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार हिंसा और दंगों को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है और इसके बजाय, वह ऐसे मामलों को दबाने और जनता को गुमराह करने में लगी हुई है। संजय सिंह ने इस गंभीर विषय को शून्यकाल में उठाने की अनुमति मांगी और मांग की कि राज्य सरकार को तत्काल इस दंगे की निष्पक्ष जांच करवानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को दंगों की रोकथाम के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो सकें और राज्य में शांति और सुरक्षा बहाल हो सके।

बता दे, कि उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश का गरीब नौजवान बेरोजगार नौजवान जो दर-दर की ठोकर खाएगा नौकरी के लिए और अमित शाह का लड़का या बीजेपी के नेताओं का लड़का हो, वह दुबई के शेखों के साथ हजारों करोड़ का धंधा करेंगे। तुम धंधा करो हम धर्म के नाम पर झगड़ा करें, यह व्यवस्था नहीं चलेगी. इसको लेकर चर्चा चाहते हैं, इसलिए शून्यकाल का नोटिस दिया है.

दिल्ली में 23 दानिक्स अफसरों का तबादला होगा, बदले जाएँगे विभाग

- नेशनल कैपिटल सिविल सर्विस अथॉरिटी की सहमति के बाद फाइल अनुशंसा के लिए उपराज्यपाल को भेजी जाएगी
- अंडमान निकोबार और लक्षदीप से तबादला हुए 7 दानिक्स अधिकारियों को दिल्ली सरकार के विभागों में पोस्टिंग मिलेगी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली में 23 दानिक्स अफसरों का तबादला होगा। नेशनल कैपिटल सिविल सर्विस अथॉरिटी द्वारा 23 अफसरों के तबादले को सीएम आतिशी से मंजूरी मिल गई है।

इस तबादले के अंतर्गत दिल्ली सरकार में मौजूदा कई अधिकारियों के विभाग बदले गए है, कुछ को अतिरिक्त चार्ज दिया गया है और अंडमान निकोबार और लक्षदीप से तबादला हुए 7 दानिक्स अधिकारियों को दिल्ली सरकार के विभागों में पोस्टिंग मिलेगी। नेशनल कैपिटल सिविल सर्विस अथॉरिटी की सहमति के बाद अब फाइल अनुशंसा के लिए उपराज्यपाल को भेजी जाएगी।

बता दे कि, नेशनल कैपिटल सिविल सर्विस अथॉरिटी की संयुक्त सहमति के बाद इन 23 अधिकारियों के तबादले किए जाएँगे, जिसपर सीएम आतिशी ने भी अपनी मंजूरी दी है। इन 23 अधिकारियों में से 7 वो अधिकारी है जिनकी अंडमान निकोबार व लक्षदीप से दिल्ली में तबादला हुआ है और उन्हें दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों में पोस्टिंग दी जाएगी। साथ ही कई मौजूदा दानिक्स अधिकारियों के विभागों में भी बदलाव किए गए है।

सफाई कर्मचारियों को केजरीवाल ने चाय पर घर बुलाया

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को अपने इलाके के सफाई कर्मचारियों को अपने निवास पर चाय पर बुलाकर उन्हें सम्मान दिया। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों के योगदान की सराहना की और उनकी जिंदगी को और आसान बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की मेहनत का आदर करना हम सबका कर्तव्य है। दिल्ली की जनता से अपील है कि आप सब भी अपने घर के आसपास के सफाईकर्मी को छुट्टी वाले दिन अपने घर चाय पर बुलाएं, उनसे सुख-दुख की बात करें। उन्हें बहुत अच्छा लगेगा। हम सब मिलकर इन्हें सम्मान दें और अपनी दिल्ली को साफ-स्वच्छ और सुंदर बनाने में अपना योगदान दें। वहीं, अरविंद केजरीवाल से मिले सम्मान से सफाई कर्मचारी भाव-विभोर हो उठे। कर्मचारियों ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी नेता ने उनको अपने निवास पर चाय पर बुलाया है। इससे पहले कभी किसी ने हमें नहीं पूछा था।

मैंने आप लोगों को आम आदमी पार्टी के तौर नहीं, बल्कि एक आम आदमी के तौर पर अपने निवास पर बुलाया है- केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सभी सफाईकर्मियों का अपने घर पर स्वागत करते हुए कहा कि आप आज यहां आए हैं, मुझे बहुत अच्छा लगा। आप सबसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। आप लोगों के साथ बैठकर बहुत अच्छा लगा। मैं जब भी घर से बाहर निकलता था, कहीं जाता था और आप लोगों को सफाई करते हुए देखता था तो मन करता था कि आपके साथ एक बार आमने-सामने बैठकर बातचीत करूं और आपकी समस्याओं को सुनूं। बाकी राजनीति तो चलती रहती है। कोई किसी पार्टी से है तो कोई किसी पार्टी से है। पार्टीबाजी और नेताबाजी भी चलती रहती है। लेकिन इंसान तो इंसान है। तो आज मैंने एक इंसान के तौर पर आप सबको बुलाया है। कोई आम आदमी पार्टी के तौर पर नहीं बुलाया। हम भी आप ही की तरह हैं। आज से 10-15 साल पहले केजरीवाल को कौन जानता था? कोई नहीं जानता था। ये तो पता नहीं आप लोगों को मुझमें क्या अच्छा लगा कि आपने मुझे इतनी बड़ी दिल्ली की जिम्मेदारी दे दी और मुझे मुख्यमंत्री बना दिया। आज घर चलाना एक आम आम की सबसे बड़ी समस्या है, इसलिए हमने महंगाई से राहत दिलाई- केजरीवाल ने कहा कि मैं भी आम परिवार से आता हूं, इसलिए मुझे पता है कि एक आम आदमी के घर में सबसे बड़ी समस्या क्या होती है। सबसे बड़ी समस्या है, घर चलाना। आमदनी है नहीं और खर्चे बढ़ते जा रहे हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है। इसलिए हमने सरकार बनते ही सबसे पहले सोचा कि लोगों को महंगाई से कैसे छुटकारा दिलाएं। तो हमने बिजली फ्री कर दी। इन्होंने मुझे खूब गालियां दीं कि केजरीवाल तो खूब पैसे लूटा रहा है। केवल गरीबों की सोचता रहता है। लेकिन गरीबों की सोचेंगे, तभी तो आशीर्वाद मिलेगा। हमने बिजली फ्री कर दी, पानी फ्री कर दिया। बाबा साहब ने शिक्षा पर सबसे ज्यादा जोर दिया और आप की सरकार भी शिक्षा पर सबसे ज्यादा जोर दे रही- केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर भी बहुत गरीब परिवार में पैदा हुए थे। उस समय छुआ-छूत भी बहुत होती थी। वह जिस स्कूल में जाते थे, वहां उन्हें क्लास के बाहर बैठाते थे। बाबा साहब एक बोरी लेकर जाते थे और क्लास के बाहर बिछाकर बैठ जाते थे और उनसे कहा जाता था कि अंदर मास्टर जो पढ़ा रहा है, बाहर उसकी आवाज आ रही होगी, उससे पढ़ लेना। उन्होंने 10वीं तक इसी तरह पढ़ाई की। लेकिन वह पढ़ने में इतने तेज थे कि उन्हें अमेरिका और लंदन में स्कॉलरशिप मिल गई और बाबा साहब वहां से दो पीएचडी करके आए। आज की तारीख में भी किसी का वहां से पढ़ाई करना बहुत मुश्किल है, लेकिन उस जमाने में बाबा साहब ने वहां से पढ़ाई की। बाबा साहब अंबेडकर ने अपनी जिंदगी में सबसे बड़ा यही संदेश दिया था कि अगर हमें अपने बच्चों को आगे बढ़ाना है और अपने समाज को आगे बढ़ाना है तो पढ़ाई पर सबसे ज्यादा जोर देना होगा। मैंने भी सबसे ज्यादा जोर पढ़ाई पर दिया।

संक्षिप्त खबरें

डेढ़ दर्जन से अधिक जगहों पर बहुत खराब श्रेणी में हवा

नई दिल्ली। राजधानी में बुधवार को प्रदूषण का स्तर बहुत खराब श्रेणी में बना रहा। हालांकि, वायु गुणवत्ता सूचकांक में पूर्व की अपेक्षा कमी दर्ज की गई है। सुबह आठ बजे यह सूचकांक 302 था, लेकिन शाम चार बजे मानक सूचकांक 303 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मंगलवार को सुबह नौ बजे 343 था। इसकी अपेक्षा बुधवार का सूचकांक कम है। बुधवार को भी राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की मोटी परत छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक पिछले चार दिनों में सबसे कम दर्ज किया गया। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, वायु गुणवत्ता आंकड़ा दर्ज करने वाले 38 निगरानी केंद्रों में से किसी में भी एक्यूआई का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज नहीं किया गया। शाम चार बजे 19 जगहों पर एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। बुधवार की सुबह राजधानी में धुंध के बाद आसमान साफ हो गया। खिली धूप और हवा के कारण भी प्रदूषण के स्तर में कमी देखी गई।

डीटीसी बस चालक ने बाइक सवार को कुचला

नई दिल्ली। अंबेडकर नगर इलाके में महरौली-बदरपुर मार्ग पर दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक सवार के सड़क पर गिरने के बाद बस ने उसके सिर को कुचल दिया। पुलिस ने शख्स को एम्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से बस चालक फरार है। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, हादसा 24 नवंबर की रात करीब नौ बजे का है। मृतक की पहचान देवली खानपुर निवासी 27 वर्षीय शोभा कांत के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद शकील ने पुलिस को बताया कि वह शाहपुर जाट इलाके से सब्जी बेचकर अपने घर संगम विहार जा रहे थे। जैसे ही वह एमबी रोड, खानपुर के पास पहुंचे तो देखा कि बाइक सवार आगे-आगे जा रहा है। पीछे से डीटीसी बस चालक लापरवाही और तेज रफ्तार में बाइक सवार को टक्कर मार दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

राजधानी में स्वास्थ्य सेवाएं बेहाल : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को दिल्ली सरकार की ओर से केंद्र द्वारा वित्तपोषित स्वास्थ्य योजना के तहत कथित तौर पर वित्तीय सहायता स्वीकार न करने पर आश्चर्य व्यक्त किया। मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि यह अजीब है कि दिल्ली सरकार केंद्र की सहायता स्वीकार नहीं कर रही है, जबकि दिल्ली सरकार के पास अपनी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए कोई पैसा नहीं है। पीठ ने कहा कि आपकी राय अलग हो सकती है, लेकिन इस मामले में आप सहायता से इनकार कर रहे हैं। अदालत ने कहा कि अस्पतालों में मशीनें काम नहीं कर रही हैं। आपके पास वास्तव में कोई पैसा नहीं है। आप नागरिकों के लिए पांच लाख रुपये देने से इनकार कर रहे हैं। अदालत हैरान है। सात भाजपा सांसदों ने आप सरकार को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) को लागू करने का निर्देश देने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया है। जनहित याचिका में कहा गया कि दिल्ली एकमात्र केंद्र शासित प्रदेश है, जहां वंचितों के लिए लाभकारी स्वास्थ्य सेवा योजना अभी तक लागू नहीं हुई है। इसलिए वे पांच लाख रुपये के आवश्यक स्वास्थ्य कवरेज से वंचित हैं। सीजे मनमोहन ने आगे टिप्पणी करते हुए कहा कि मैं अदालत में खुलेआम कह रहा हूं कि आप वस्तुतः दिवालिया हो चुके हैं। आपके स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य सचिव एक-दूसरे से बात नहीं कर रहे हैं। इस तरह की गड़बड़ी में आप केंद्रीय सहायता स्वीकार नहीं कर रहे हैं। अदालत ने मामले को 28 नवंबर के लिए सूचीबद्ध किया है।

सातों सांसद ने लगाई थी याचिका

दिल्ली के सभी सात सांसदों द्वारा दाखिल याचिका में कहा गया कि 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 33 ने इस योजना को लागू किया है और वर्तमान में ओडिशा सरकार इस योजना के कार्यान्वयन पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है। हालांकि, इस योजना को दिल्ली के एनसीटी में विशिष्ट और मनमाने ढंग से लागू नहीं किया गया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली के पूर्व वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने वित्त वर्ष 2020-2021 के अपने बजट भाषण में योजना के कार्यान्वयन के संबंध में प्रतिबद्धता जताई थी, लेकिन मनमाने ढंग से और अनुचित रूप से इसे अप्रभावी बना दिया गया।

दिल्ली में जल्द लागू होगी आयुष्मान योजना : भाजपा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के सांसदों की आयुष्मान भारत मामले पर याचिका को उच्च न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली में जल्दी आयुष्मान भारत योजना लागू हो सकेगी। आप सरकार के पास इस योजना को लागू नहीं करने का कोई जवाब नहीं है। सचदेवा ने कहा कि भाजपा सांसदों ने आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू करने के लिए उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर की थी। इसे स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि राजधानी में स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई है। दिल्ली सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। अब हमें उम्मीद है कि सांसदों के प्रयास से यह योजना जल्दी लागू की जाएगी। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के दौरान स्पष्ट किया था कि आयुष्मान योजना को दिल्ली में लागू करवाने का प्रयास करेंगे। अगर दिल्ली सरकार नहीं मानी तो न्यायालय जाएंगे।

रत्न और आभूषणों का निर्यात कैसे शुरू करें प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू : अशोक सेठ

नई दिल्ली। दिल्ली में रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के क्षेत्रीय कार्यालय ने रत्न और आभूषणों का निर्यात कैसे शुरू करें पर अपना पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक शुरू किया। नौकरी और व्यवसाय-उन्मुख पहल के रूप में डिजाइन किया गया, कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए लचीलापन प्रदान करते हुए, हाइब्रिड मोड में एक दिवसीय और तीन दिवसीय सत्र प्रदान करता है। उद्घाटन समारोह में उत्तर के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक सेठ ने भाग लिया, जिन्होंने अनुभवी शिक्षक रंजन उप्रेती को फूलों का गुलदस्ता भेंट करके गर्मजोशी से स्वागत किया। एमएसएमई और अन्य संस्थानों के साथ एक अनुभवी विशेषज्ञ और शिक्षक सदस्य श्री उप्रेती, पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे। अपने उद्घाटन भाषण में, संजीव भाटिया, क्षेत्रीय निदेशक-उत्तर, ने कार्यक्रम के व्यापक पाठ्यक्रम पर प्रकाश डाला, जिसमें निर्यात और आयात प्रक्रियाओं के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया है। अशोक सेठ ने निर्यात में लगभग पांच दशकों के अपने व्यापक अनुभव को दशार्ते हुए, अपनी तरह के पहले कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया और आने वाले महीनों में इस तरह के सत्रों को जारी रखने की योजना की घोषणा की। एमएसएमई के संयुक्त निदेशक और डीएफओ के प्रमुख डॉ. आरके भारती ने भी जूम के माध्यम से समारोह में भाग लिया। उम्मीदवारों को संबोधित करते हुए, डॉ. भारती ने शिक्षक की विशेषज्ञता की सराहना की और प्रतिभागियों को उत्साह और ध्यान के साथ कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने चार डी सिद्धांत - इच्छा, दृढ़ संकल्प, अनुशासन और समर्पण - को इन जैसे उपक्रमों में सफलता प्राप्त करने के लिए एक रोडमैप के रूप में साझा किया। अशोक सेठ और डॉ. आर. के. भारती दोनों ने प्रतिभागियों को उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना की, और विश्वास व्यक्त किया कि यह कार्यक्रम उन्हें रत्न और आभूषण निर्यात क्षेत्र में सफल करियर बनाने के लिए सशक्त करेगा।

सर्दी के मौसम में हार्ट रोगी बरतें सावधानी : डॉ. कालरा

नई दिल्ली। दिल्ली में सुबह-शाम की सर्दी में हार्ट रोगी सावधान रहें। जरा सी लापरवाही घातक हो सकती है। ये जानकारी आज एक कार्यक्रम में कालरा अस्पताल के हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. आर एन कालरा ने दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अब सुबह शाम की सर्दी में तेजी देखी जा रही है। ऐसे में उच्च रक्त चाप से पीड़ित मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहना चाहिए और नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच कराते रहना चाहिए। मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर के साथ साथ वाये हाथ मे दर्द हो तो उसे अनदेखा न करें। उन्होंने कहा कि भागम-भाग व तनाव भरी जिन्दगी में लोग स्वस्थ्य के प्रति लापरवाह होते जिसके कारण वे मधुमेह व हाईपरटेंशन के शिकार हो जाते हैं। इसलिए हाईपरटेंशन से बचने के लिये नियमित 40 मिनट का व्यायाम करें। तलीय पदार्थों का सेवन कम से कम करे। बिना डाक्टरों की सलाह बिना दवा का सेवन नहीं करे। सीने में दर्द और घवराहट हो तो उसे नजरअंदाज न करे।

संविधान हमें मानवता व बंधुत्व का संदेश देता है : प्रोफेसर शक्ति सिंह

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज ने संविधान दिवस धूमधाम से मनाया

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज द्वारा संचालित डॉ. बी. आर. अंबेडकर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को संविधान दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय ॠभारत के निर्माण में संविधान की भूमिकाॠ था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जेएनयू में प्रोफेसर शक्ति सिंह, विषय परिवर्तन कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर नरेन्द्र सिंह, संयोजक डॉ. मनीष कुमार व अध्यक्षता आइक्यूएसी के अध्यक्ष प्रोफेसर पी.के. सिसोदिया ने की। मुख्य अतिथि प्रोफेसर शक्ति सिंह ने बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उसके बाद प्रोफेसर शक्ति सिंह को कॉलेज के प्राचार्य व प्रोफेसर सिसोदिया ने सम्मान स्वरूप अंग वस्त्रम व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर सैंकड़ों छात्रों, कर्मचारियों व शिक्षकों ने भाग लिया। इसमें डॉ. सज्जन कुमार, श्रीमति वाणी कनोजिया, श्री इतेन्द्र, श्री दशरत मीणा, डॉ. चन्द्रकला, डॉ.त्रिपता, डॉ. सरिता, डॉ. इमरान, डॉ. साहना, डॉ. मुसतमीर आदि भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि प्रोफेसर शक्ति सिंह ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान निमार्ता, विधिवेता, सामाजिक न्याय के पक्षधर डॉ.भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान में समाज के उपेक्षित वर्गों को अधिकार व कर्तव्यों के माध्यम से बराबरी का हक दिया है। उन्होंने कहा कि संविधान हमें मानवता व बंधुत्व का संदेश देता है। संविधान ही व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। डॉ.अम्बेडकर के विचारों को आज की युवा पीढ़ी को पढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब का योगदान हमारे देश व समाज के लिए अमृत देने का काम किया है, जो कई पीढ़ियों से शोषित व वंचित थे जिन्हें अमृत के रूप में भारत का संविधान मिला है। संविधान सभा का अध्यक्ष किसे बनाया जाये , उस पर प्रकाश डालते हुए प्रोफेसर सिंह ने आगे कहा कि भारत से लेकर विश्वभर के विद्वानों की तलाश हो रहीं थीं तब विजय लक्ष्मी ने पंडित जवाहर लाल नेहरू, गांधी व पटेल के सामने प्रस्ताव रखा कि बाबा साहेब डॉ.अम्बेडकर आपके पास है तो कहीं ओर विद्वानों को क्यों ढूंढ रहे हो। प्रोफेसर सिंह ने कबीर साहेब की वाणी को उद्धरित करते हुए कहा था--मौकों कहाँ ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में। इसके बाद उन्हें संविधान बनाने का दायित्व सौंपा गया और उन्हें अध्यक्ष बनाने के बाद जो दूसरे सदस्य थे उनका सहयोग न मिलने पर अपने लक्ष्य पर अडिग होकर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की और भारत को ऐसा संविधान दिया जिसकी सम्पूर्ण विश्व में चर्चा हुई। प्रोफेसर सिंह ने आगे कहा कि यदि मुझे राष्ट्र व समुदाय में से किसी एक को चुनना पड़े तो तो मैं समुदाय के साथ रहूंगा। यह समुदाय कौन है, ये लोग है, दलित, आदिवासी, स्त्री, किसान, मजदूर आदि है और इन लोगों की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसलिए राष्ट्र के उत्थान में इन समुदायों के साथ रहूंगा।

झुग्गियों में प्रवास मील का पत्थर साबित होगा : विपिन जैन

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में संविधान दिवस की रात भाजपा नेताओं ने झुग्गी बस्ती वालों के साथ बिताई। इस कड़ी में पार्टी के शाहदरा जिले के कुछ कार्यकताओं ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शाहदरा जिलाध्यक्ष विपिन जैन, पूर्व महापौर निर्मल जैन व झुग्गी पालक आदित्य झा के साथ शाहदरा विधानसभा क्षेत्र के झिलमिल वार्ड अंतर्गत अम्बेडकर कैंप के झुग्गीवासियों के साथ बिताई। झुग्गी बस्ती में रात्रि प्रवास से पूर्व पार्टी के सभी नेताओं व कार्यकताओं द्वारा बस्ती में स्थापित बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि कर उन्हें याद किया गया। पार्टी के सभी कार्यकताओं द्वारा रात्रि के खाना झुग्गी बस्ती वालों के साथ सहभोज किया। इस दौरान दिल्ली की समस्याओं को लेकर बस्ती वालों के साथ चिंतन भी किया गया। झुग्गी बस्ती में रात्रि प्रवास के बाद अगली सुबह भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा शाहदरा जिलाध्यक्ष विपिन जैन ने बताया कि आज का प्रवास दिल्ली में भाजपा की जीत की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में मील का पत्थर साबित होगा। इस मौके पर 15 वर्ष तक की आयु के बच्चों के साथ ज्ञानवर्धक खेल भी खेले गए तथा इसके साथ ही झुग्गी प्रधानों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों व जहां झुग्गी वहीं मकान की योजना के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष विपिन जैन ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भाजपा के आज के रात्रि प्रवास को टूरिज्म का नाम देने पर आड़े हाथ लेते हुए कहा कि यदि केजरीवाल की सरकार दस साल के शासनकाल में झुग्गीवासियों की दशा सुधार देते, उन्हें पीने का स्वच्छ जल व स्वच्छ शौचालय उपलब्ध करा देते तो भाजपा कार्यकताओं को आज झुग्गी वालों की समस्याओं को समझने के लिए रात्रि प्रवास नही करना पडता। विभिन्न चचाओं व कार्यक्रमों मे जिला कार्यक्रम संयोजक सुशील उपाध्याय, जिला प्रकोष्ठ प्रमुख निमेश कुमार, नरेश चोपड़ा, अशोक यादव, मंडल अध्यक्ष विजय गुप्ता, महामंत्री विकास शर्मा, विशाल सिंघल, रविन्द्र कुमार, खुशबू, देवेन्द्र बांदिल, मनोज गुप्ता, लाल बाबू, मनोज, सुरेंद्र कुमार, मनोज प्रजापति, सावित्री व संतोष कुमार आदि भी शामिल रहे। ज्ञात रहे आज भी झुग्गीवासी अनेकों समस्याओं से जूझ रहे हैं जिसकी वजह से उनमें वर्तमान दिल्ली सरकार के प्रति बेहद आक्रोश है।

रेलवे भर्ती की परीक्षा 13.5 लाख छात्रों ने दी

नई दिल्ली। रेलवे में असिस्टेंट लोको पायलट की भर्ती के लिए 13.5 लाख अभ्यर्थियों ने तीन दिनों के भीतर परीक्षा दी है। इसमें कुल 18, 799 पदों पर भर्ती होनी है। तीन दिनों के भीतर 15 शिफ्ट में यह परीक्षा आयोजित की गई है। सूत्रों ने बताया कि रेलवे बोर्ड की तरफ से भर्ती परीक्षा के लिए इस वर्ष कैलेंडर जारी किया गया था। इसके अनुसार ही 13.5 लाख अभ्यर्थियों ने असिस्टेंट लोको पायलट पद के लिए आवेदन किया था। 346 केंद्रों पर परीक्षा हुई है।

केजरीवाल के खिलाफ चेहरा नहीं...सत्ता विरोधी लहर और मुददों पर ध्यान केंद्रित करेगी भाजपा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली में विधानसभा चुनाव बेहद नजदीक है। तारीखों के ऐलान से पहले ही आम आदमी पार्टी (आप) उम्मीदवारों की घोषणा से लेकर प्रचार में जुट चुकी है। दूसरी तरफ आप से सत्ता छीनने को बेकरार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसपर मंथन में जुटी है कि दिल्ली चुनाव में मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा घोषित करके उतरा जाए या राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र जैसे राज्यों की तर्ज पर जीत हासिल करके सेहरा बांधा जाए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस बात को लेकर करीब सहमति बन चुकी है कि केजरीवाल के खिलाफ कोई चेहरा दिए बिना सामूहिक नेतृत्व के साथ उतरा जाए।

पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंशा है कि दिल्ली में चुनाव से पहले कोई चेहरा घोषित करने की आवश्यकता नहीं है। जिस तरह पार्टी ने हाल के समय में एक के बाद एक कई राज्यों में सीएम उम्मीदवार की घोषणा किए बिना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़कर जीत भी हासिल की है, उसी फॉमूर्ले को दिल्ली में भी आजमाने की तैयारी है। पार्टी का मानना है कि केजरीवाल के खिलाफ 10 साल की सत्ता विरोधी लहर में चेहरे से ज्यादा मुददे अहमियत रखते है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दिल्ली में सड़कों की खराब हालत, वायु और यमुना का प्रदूषण, मुख्यमंत्री आवास में सुख सुविधा पर भारी खर्च और आप सरकार, बड़े नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप जैसे मुद्दों को केंद्र में रखकर चुनाव लड़ने से सफलता मिल सकती है। पार्टी सूत्र ने बताया कि आवश्यकता इसकी है कि पूरी पार्टी एकजुट होकर आप सरकार की विफलताओं और अधूरे वादों को जनता के बीच पहुंचाए। पार्टी के एक नेता ने कहा कि चेहरा घोषित करने पर गुटबाजी की गुंजाइश भी होती है, इससे नुकसान हो सकता है। वह यह भी तर्क देते हैं कि इससे पहले 2015 में पार्टी ने किरण बेदी को उम्मीदवार बनाया लेकिन महज 3 सीटों पर जीत मिली।

इसके पहले अटकलें थीं कि भाजपा दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कोई चेहरा उतार सकती है। चर्चा थी कि स्मृति ईरानी जैसी तेज तर्रार महिला नेता को भी आगे किया जा सकता है। हालांकि, इससे लोकल लीडरशिप में असंतोष पनपने की भी आशंका थी। पार्टी ने इस बात पर भी गौर किया है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों में पार्टी ने मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए बिना चुनाव लड़ा और बड़ी जीत हासिल की है। अब इसी फॉमूर्ले को दिल्ली में भी आजमाया जा सकता है।

उत्तरांचल भ्रात्री सेवा संस्थान ने मनाया 7वां स्थापना वार्षिक महोत्सव

नई दिल्ली। आईटीओ स्थित प्यारे लाल भवन सभागार में निःस्वार्थ सेवाभाव, सद्भाव, सहयोग तथा संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की मानवीय जन सेवाओ के बल निरंतर ख्याति के शिखर पर अग्रसर सामाजिक संस्था उत्तरांचल भ्रात्रि सेवा संस्थानॠ द्वारा सातवां स्थापना वार्षिक समारोह बड़े धूमधाम से खचाखच भरे सभागार में मनाया गया। स्थापना दिवस के इस पुनीत अवसर पर वर्ष 2024 के पंच विभूति सम्मान तथा उत्तराखंड गौरव सम्मान मुख्य व विशिष्ट अतिथियों के द्वारा प्रदान किए गए। उत्तराखंड के लोकगीतों व नृत्यों की मनोहारी प्रस्तुतियां संस्थान से जुडे सैकड़ों सेवा मित्रों, दिल्ली एनसीआर की अनेकों सामाजिक संस्थाओं से जुड़े प्रबुद्ध समाजसेवियों, संस्कृति कर्मियों, व्यवसाइयों तथा पत्रकारों की उपस्थिति में मंचित किए गए। समारोह की शुरूआत समारोह स्थल के प्रांगढ़ में झोड़ा चाचरी एवं मां नंदा देवी की डोली यात्रा से की गई। लोकगायक व सेवा मित्रों में बिशन हरियाला, प्रकाश बिष्ट, भुवन रावत, शरद असवाल, बासवा नंद रिखाड़ी, दिवान महरा, जाय मठपाल, गोबिंद सिंह बिष्ट, हेमंत रावत तथा दीपेश देवतल्ला द्वारा संगीतकार नरेंद्र अजनबी के संगीत निर्देशन में लोकगीतों का गायन कर स्थापना दिवस को यादगार बनाया गया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना
(ई–टेंडरिंग द्वारा)

निविदा संख्याः 558-सिगनल-16-टेली-ओपन टेंडर-1010 — दिनांक : 27.11.2024

कार्य का नाम तथा स्थान	आनंद विहार, दिल्ली डिवीजन में कोचिंग रखरखाव कॉम्प्लेक्स में हाई–स्पीड ट्रेन के रखरखाव की सुविधा के लिए वॉशिंग कम पिट–लाइनों पर कवर शेड के प्रावधान सहित रखरखाव सुविधाओं के उन्नयन के लिए दूरसंचार सुविधाओं का प्रावधान।
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 2,17,62,158.51/- मात्र
धरोहर राशि (₹)	₹ 2,58,800/- मात्र
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता–C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र जमा अपलोड करने का समय 23.12.2024 15:00 बजे तक।
वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है	उत्तर रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें या देखें नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055

3659/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक दिन में 24,000 नियुक्ति पत्रः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद 24,000 युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह फैसला हरियाणा की युवा शक्ति को मजबूत करने और राज्य में पारदर्शी, भ्रष्टाचार-मुक्त रोजगार प्रक्रिया को सुनिश्चित करने वाला है। यह भाजपा सरकार का बिना पर्ची, बिना खर्ची वादे के अनुरूप है। इतने बड़े पैमाने पर नौकरियों का वितरण राज्य के रोजगार इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में नौकरियां देने का रिकॉर्ड अब तक रेलवे जैसे राष्ट्रीय स्तर के विभागों में ही देखा जाता था। परंतु हरियाणा जैसे छोटे राज्य ने यह कदम वास्तव में अनोखा है। अगर राज्यों की बात करें तो उत्तर प्रदेश ने अपनी सबसे बड़ी भर्ती योजना में, 2018 में, 41,000 सिपाहियों को नौकरी दी थी लेकिन यूपी की 23 करोड़ आबादी के मुकाबले हरियाणा की आबादी केवल 2.89 करोड़ है। ऐसे में हरियाणा में एक दिन में 24,000 नौकरियों का दिया जाना एक असाधारण उपलब्धि है। पिछले कार्यकाल में भाजपा सरकार ने हरियाणा में 85,000 से अधिक नौकरियां दी थीं, जिनमें प्रमुख रूप से पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग की भर्तियां शामिल थीं। इस बार सरकार का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में 1 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां देने का है, जिसमें पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य प्रमुख विभागों में बड़ी संख्या में नौकरियां दी जाएंगी।

मुख्यमंत्री सैनी का यह निर्णय न सिर्फ रोजगार सृजन की दिशा में बड़ा कदम है, बल्कि यह हरियाणा के आर्थिक विकास और सामाजिक स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा। कांग्रेस का भर्ती रोको प्रकोष्ठः सपनों पर ब्रेक, भाजपा की बिना पर्ची, बिना खर्ची से राहत हरियाणा में कांग्रेस पार्टी भले ही दशकों से संगठन का चेहरा खोज रही हो, लेकिन एक प्रकोष्ठ उसकी रीढ़ बना रहा है–भर्ती रोको प्रकोष्ठ। दीपेन्द्र हुड्डा की अगुवाई में यह विशेष समिति दिन-रात इस कोशिश में लगी रहती है कि कैसे सरकारी नौकरियों पर ब्रेक लगाया जाए। हाल ही में, हुड्डा जी की प्रेरणा से जयराम रमेश चुनाव आयोग तक दौड़ गए–मिशनः भर्ती रुकवाओ। कांग्रेस की इतनी ह्यकर्मठताह्न अगर विकास में होती, तो शायद हालात कुछ और होते।

आज जिन युवाओं के हाथ में नियुक्ति पत्र हैं, वे कांग्रेस की बदौलत अब तक दो महीने की सैलरी कमा चुके होते। लेकिन, कहते हैं न कि दीवाली से पहले दरिद्रता को बाहर करने की परंपरा होती है। हरियाणा की जनता ने 8 अक्टूबर को ही इस दरिद्रता का सफाया कर दिया।

कांग्रेसियों को भर्तियां रुकवाने और विकास में अड़ंगा डालने में विशेष संतोष मिलता है। उन्हें लगता है कि जब तक युवा परेशान ना हों, तब तक राजनीति का मजा नहीं आता। लेकिन सत्य परेशान हो सकता है, पर पराजित नहीं! मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शपथ ग्रहण करते ही 24,000 युवाओं का रिजल्ट जारी कर दिया। कांग्रेसियों के भर्ती रोको झूमे को धता बताते हुए भाजपा सरकार ने बता दिया कि भाजपा विकास का दूसरा नाम है। अब इन 24,000 युवाओं को चाहिए कि कांग्रेसियों को अपनी पहली सैलरी से जलेबी भिजवाएं। आखिर, जलेबी की बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां खोलने का सपना तो कांग्रेस ने ही दिखाया था। वैसे जलेबी से ज्यादा इन्हें शायद लॉलीपॉप पसंद आए, क्योंकि कांग्रेस का असली स्वाद तो यही है–वादे दिखाकर लॉलीपॉप पकड़ाओ!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव के समय साफ कहा था–हरियाणा को चाहिए ह्यबिना पर्ची, बिना खर्चीह्न वाली सरकार। और भाजपा ने इस वादे को निभाकर दिखाया। भाजपा सरकार का हर निर्णय ईमानदारी और पारदर्शिता से भरा हुआ है। भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं! और अगर कांग्रेस की बात करें, तो उसकी हर सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों की दलदल में फंसी रही है। राहुल गांधी तो खुद अग्रिम जमानत पर हैं। अब ऐसे भविष्य के प्रधानमंत्री के भविष्य पर पहले से ही भ्रष्टाचार का ग्रहण लगा हुआ है! कांग्रेस के भ्रष्टाचार पुराण की इतनी लंबी लिस्ट है कि उसके लिए एक अलग खास संस्करण छापना पड़ेगा।

दूसरी ओर, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को देखिए। जमीन से जुड़े इस नेता ने अपनी पहली ही पारी में 24,000 युवाओं का भविष्य सुनिश्चित किया। जिनके सपने कांग्रेसियों की नौटंकी में कहीं खोने वाले थे, भाजपा सरकार ने उन्हें साकार कर दिया।

भाजपा की पहचान है–ईमानदारी, पारदर्शिता और जनता के लिए काम। और कांग्रेस की पहचान? भ्रष्टाचार, झूठे वादे और युवाओं के सपनों का अपहरण। जब तक कांग्रेस सत्ता में रही, उसने हरियाणा के युवाओं को हाशिए पर रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आज, हरियाणा के युवाओं को कांग्रेस के नेताओं का आभार मानना चाहिए। आखिर, उन्होंने समझा दिया कि किस पार्टी को चुनने की गलती नहीं करनी चाहिए।

मोटी अमाउंट देख कलेक्शन एजेंट को आया मन में लालच

संवाददाता

लगभग एक साल से एक कंपनी में कलेक्शन ऐजेंट का काम कर रहे संजय को मोटी रकम देखकर लालच आने लगा था। वह उस दिन का इंतजार कर रहा था, जिस दिन कलेक्शन किया अमाउंट ज्यादा हो। इसमें उसने अपने साला को प्लान में शामिल किया। और 26 नवंबर को जब कलेक्शन का अमाउंट 5 लाख पहुंच गया तो उसने प्लानिंग करके लूट की झूठी कॉल पुलिस को कर दी। बताया कि दो बदमाशों ने उससे कैश लूट लिया है। डाबड़ी फ्लाई ओवर के पास दिनदहाड़े लूट की इस कॉल से सनसनी फैल गई। जनकपुरी पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। मौके पर जाकर मुआयना किया, साथ ही सीसीटीवी फुटेज से भी जानकारी इकठ्ठा की। टेक्निकल सर्विलांस की मदद से भी पता लगाना शुरू किया। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि इंस्पेक्टर मुकेश कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर दिनेश यादव, सब इंस्पेक्टर अवंत, हेड कांस्टेबल राजेंद्र की टीम ने जब इस मामले में जांच शुरू की तो शक की सूई लूट की कॉल करने वाले संजय के ईर्द-गिर्द ही घूमने लगी। पुलिस टीम ने जब उससे सवाल जवाब शुरू किया तो वह टूट गया और बताया कि उससे लूट नहीं हुई है। बल्कि उसने अपने साला मोनू के साथ मिलकर इस रकम को हड़पने का प्लान बनाया था। डाबड़ी फ्लाई ओवर के पास साला को बुलाकर रुपए से भरा बैग उसे दे दिया और उसके बाद उसने झूठी कॉल पुलिस को कर दी। इसकी पुष्टि होते ही पुलिस ने संजय की निशानदेही पर पूरा कैश बरामद कर लिया। आरोपी संजय दिल्ली के वीरेंद्र नगर का रहने वाला है और इस कंपनी में एक साल से वह काम कर रहा था। दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में जाकर वहां से कैश कलेक्शन करके रोजाना जमा करता था। इसी बीच में उसे आइडिया आया की मोटी रकम हड़प करके वह लखपति बन सकता है और इसके लिए उसने प्लान कर लिया।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में मनाया गया असम दिवस, राज्य की सांस्कृतिक धरोहर का प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 43वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में असम दिवस समारोह मनाया गया और इस दौरान राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर एवं विविधता का प्रदर्शन करते हुए शतरिया, बिहू, करबी और तिवा जैसी विभिन्न लोक नृत्यों की प्रस्तुति दी गयी।

राज्य सरकार के एक बयान के अनुसार असम के उद्योग एवं वाणिज्य तथा संस्कृति मामलों के मंत्री बिमल बोरा ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके पूर्ववर्ती सर्बानंद सोनोवाल के शासन में राज्य में तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने कहा, राज्य में कई लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है, जिसमें जगीरोड पर 27,000 करोड़ रुपये की सेमी कंडक्टर इकाई शामिल है, कई प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ 13,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसमें 7,000 करोड़ रुपये की ग्रीनफील्ड परियोजना भी शामिल है। मंत्री ने कहा कि अगले साल फरवरी में गुवाहाटी में अंतरराष्ट्रीय निवेशक सम्मेलन होगा। बयान के मुताबिक सांस्कृतिक नृत्यों के अलावा असमी गायक माधव रंजन गोगोई ने अपने गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले राज्य के सांसद दिलीप सैकिया ने कहा कि राज्य तेज गति से प्रगति कर रहा है तथा वह शीघ्र ही देश के पांच विकसित राज्यों के समूह में शामिल हो जाएगा। सैकिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप असम भी विकसित असम की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी से अधिक किसी भी प्रधानमंत्री ने असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र को इतना महत्व नहीं दिया। इस साल के व्यापार मेला का समापन बुधवार को हो रहा है।

दिल्ली में खराब हेल्थ सिस्टम पर आतिशी सरकार को फटकार

- आयुष्मान भारत योजना लागू करने पर सुनवाई कल

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली में रहने वाले बुजुर्गों को केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना ह्यआयुष्मान भारत योजनाह्न को लागू करने की मांग पर सुनवाई करते हुए राजधानी में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर नाराजगी जताई. चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली बीजेपी सांसदों की याचिका पर 28 नवंबर को सुनवाई करने का आदेश दिया. आज सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली के हेल्थ सिस्टम को अपर्याप्त बताया.

हाईकोर्ट ने कहा कि अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों की कमी है. वहीं, जो उपकरण हैं वे भी काम नहीं कर रहे हैं. जरूरतमंद रोगियों के लिए सीटी स्कैन की सुविधा भी पर्याप्त नहीं है. सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि उन्हें याचिका की प्रति उपलब्ध नहीं कराई है. तब कोर्ट ने याचिकाकर्ता और नई दिल्ली से बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज को दिल्ली सरकार के वकील को याचिका की प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. याचिका दायर करने वालों में दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद रामबीर सिंह बिधूड़ी, सांसद बांसुरी स्वराज, सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता समेत दिल्ली के दूसरे सांसद शामिल हैं. याचिका में केन्द्र सरकार की ओर से 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों के लिए पांच लाख तक का फ्री इलाज की योजना को दिल्ली में लागू कराए जाने का निर्देश देने की मांग की है.

याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार की इस स्वास्थ्य योजना को दिल्ली सरकार ने लागू नहीं किया है. आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल निजी हितों के लिए केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाएं दिल्ली में लागू नहीं होने दे रहे हैं. दिल्ली के लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलना चाहिए. केवल दिल्ली ही एक ऐसा राज्य है, जहां लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ नहीं मिल रहा है. दिल्ली सरकार 2021 में आयुष्मान योजना लागू करने पर सहमत थी, लेकिन बाद में इससे इनकार कर दिया.

बता दें कि 29 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना का विस्तार करते हुए बुजुर्गों को भी इसमें शामिल करने की घोषणा की. लेकिन केंद्र की ये योजना दिल्ली में लागू नहीं होने पर प्रधानमंत्री ने चिंता जताई थी. सनातन धर्म रक्षा बोर्ड गठन मामलाः दिल्ली हाईकोर्ट ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन धर्म रक्षा बोर्ड के गठन का निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया. चीफ जस्टिस मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अदालत के पास नीतिगत निर्णय लेने का अधिकार नहीं है. याचिका में कहा गया था कि सनातन धर्म के अधिकारों और रीति-रिवाजों की सुरक्षा के लिए कोई बोर्ड नहीं है. याचिका सनातन हिन्दू सेवा संघ ट्रस्ट ने दायर किया था.

याचिका में कहा गया था कि सनातन धर्म मानने वालों पर दूसरे धर्मावलंबियों की ओर से हमले किए जाते हैं. सनातन धर्म के अधिकारों, उसकी परंपरा और रीति-रिवाजों की रक्षा के लिए कोई धार्मिक संस्था नहीं है. ऐसी स्थिति में सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन धर्म रक्षा बोर्ड के गठन की जरूरत है. याचिकाकर्ता ने सरकार से सनातन धर्म रक्षा बोर्ड के गठन के लिए प्रतिवेदन भी दिया था, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं आया, जिसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर किया गया.

विज्ञान और आध्यात्म में कोई विरोध नहीं : मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने दिल्ली विश्वविद्यालय में पुस्तक का लोकार्पण किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि अध्यात्म एवं विज्ञान में कोई विरोध नहीं है. विज्ञान में भी और अध्यात्म में भी श्रद्धायुक्त व्यक्ति को ही न्याय मिलता है. अपने साधन एवं ज्ञान का अहंकार जिसके पास होता है, उसे न्याय नहीं मिलता है. श्रद्धा में अंधत्व का कोई स्थान नहीं है. जानो और मानो यही श्रद्धा है. डॉ. मोहन भागवत मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में मुकुल कानिटकर द्वारा लिखित एवं आई व्यू एंटरप्रायजेस द्वारा प्रकाशित जीवन मूल्यों पर आधारित पुस्तक ह्यबनाएं जीवन प्राणवानह्न के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे. दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में आयोजित इस पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में पंचदशनाम जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि गत 2000 वर्षों से विश्व अहंकार के प्रभाव में चला है. मैं अपने ज्ञानेन्द्रिय से जो ज्ञान प्राप्त करता हूं वही सही है. उसके ऊपर कुछ भी नहीं है. इस सोच के साथ मानव तब से चला है जब से विज्ञान का प्रचलन हुआ है. परंतु यही सब कुछ नहीं है. विज्ञान का भी एक दायरा है, एक मर्यादा है.

उन्होंने कहा कि यह भारतीय सनातन संस्कृति की विशेषता है कि हमने बाहर देखने के साथ-साथ अंदर देखना भी प्रारंभ किया. हमने अंदर तह तक जाकर जीवन के सत्य को जान लिया. इसका और विज्ञान का विरोध होने का कोई कारण नहीं है. जानो तब मानो. अध्यात्म में भी यही पद्धति है. साधन अलग है. अध्यात्म में साधन मन है. मन की ऊर्जा प्राण से आती है. यह प्राण की शक्ति जितनी प्रबल होती है उतना ही उस पथ पर आगे जाने के लिए आदमी समर्थ होता है.

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पंचदशनाम जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि प्राण का आधार परमात्मा है जो सर्वत्र है. प्राण की सत्ता परमात्मा से ही है, उसमें स्पंदन है. उसी से चेतना है. उसी से अभिव्यक्ति है. उसी से रस संचार है और वही जीवन है. प्राण चैतन्य होता है. स्वामी अवधेशानंद ने दिल्ली विश्वविद्यालय में आकर रोमांचित अनुभव करते हुए कहा कि 70 के दशक में उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने का सपना देखा था, लेकिन उन्हें राजस्थान जाना पड़ गया. उन्होंने कहा कि यहां आने का विचार उनके मन में 50 वर्ष पहले आया था और वह आज यहां पहुंच पाए हैं. पुस्तक को लेकर उन्होंने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि परमात्मा की सहज अभिव्यक्ति प्राण है और उसकी व्याख्या इस पुस्तक में है. तर्क एक सीमा तक ही सही दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत किया. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 100 वर्ष पुराने इस विश्वविद्यालय में मोहन भागवत जी का आना हमारे लिए अविस्मरणीय पल है. कुलपति ने कहा कि आज की पीढ़ी तर्क प्रधान पीढ़ी है. लेकिन, अंग्रेजी में लिखी हर बात को सही मान लेना और हिन्दी व संस्कृत में लिखी बातों पर अधिक तर्क उचित नहीं है. तर्क एक सीमा तक ही सही है. पुस्तक पर चर्चा करते हुए कुलपति ने कहा कि जब हम इस पुस्तक को पढ़ेंगे तो जीवन से संबंधित लाइफ स्टाइल को समझने का मौका मिलेगा. इस पुस्तक में सबको कुछ न कुछ नया मिलेगा. जैसे पत्थर में भी प्राण हैं, ये नई बात है. इस पर बहुत तर्क करना सही नहीं, क्योंकि ज्यादा तर्क से श्रद्धा कम हो जाती है.भारतीय संस्कृति में सब कुछ वैज्ञानिक है पुस्तक के लेखक मुकुल कानिटकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सब कुछ वैज्ञानिक है. आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, स्थापत्य के साथ ही दिनचर्या और ऋतुचर्या के सभी नियम भी बिना कारण के नहीं हैं. हजार वर्षों के संघर्ष काल में इस शास्त्र का मूल तत्व विस्मृत हो गया. वही प्राण विद्या है. सारी सृष्टि में प्राण आप्लावित है. उसकी मात्रा और सत्व-रज-तम गुणों के अनुसार ही भारत में जीवन चलता है. मुकुल कानिटकर द्वारा लिखित पुस्तक बनाएं जीवन प्राणवान हिन्दू जीवन मूल्यों को समर्पित है. यह पुस्तक भारतीयता के गूढ़ रहस्यों और हिंदुत्व के सनातन दर्शन पर आधारित है, जिसमें प्राचीन ऋषियों के सिद्धांतों और उनके व्यावहारिक उपयोग को प्रस्तुत किया गया है.

काला जठेड़ी और अनिल छेपी गैंग के 6 बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

द्वारका जिले के जाफरपुर कला थाना पुलिस टीम ने काला जठेड़ी और अनिल छेपी गैंग के छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन पर जबरन घर पर कब्जा करने का आरोप है। इनमें से गिरफ्तार मोहित पहले से हत्या, डकैती और लूट इत्यादि के 13 मामलों में शामिल है। इसका साथी योगेश भी हत्या के मामलों में संलिप्त रहा है। बाकी आरोपितों में से दीपक हत्या के मामले में शामिल रहा है। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली थी, जिसमें बताया गया कि चार-पांच लोग उसके प्लॉट का ताला तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची। शिकायत करने वाले मनीष ने पूरी जानकारी पुलिस को दी। उसके बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। एसएचओ अशोक गिरी की देखरेख में पुलिस टीम ने जांच शुरू की। मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला। फुटेज में गाड़ी का पता लगाया, जिससे आरोपित पहुंचे थे।

पुलिस ने एक-एक कर सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया। इनके पास से तीन हथियार 11 जिंदा कारतूस बरामद किए गए और जाफरपुर कला थाने में मामला दर्ज किया गया। आगे की पूछताछ हुई तो पता चला कि जिस प्लॉट पर ये लोग ताला तोड़ने आए थे, उसका विवाद चल रहा था। पहली पार्टी नरेश और दूसरी पार्टी परविंदर के बीच यह विवाद था। विकास भी इस प्लॉट को लेकर दावा कर रहा था। डीसीपी के अनुसार उसने योगेश के साथ मिलकर प्लॉट का कब्जा लेने की कोशिश की और फिर योगेश ने बाकी आरोपितों दीपक, सत्येंद्र, रोहित, मोहित और राहुल इत्यादि को इसमें शामिल किया। सभी हरियाणा के सोनीपत में इकट्ठा हुए। पुलिस के अनुसार योगेश और दीपक जाफरपुर कला इलाके में 11 सितंबर को हुई फायरिंग के मामले में भी शामिल है।

बुजुर्ग की चाकू घोपकर हत्या

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के पंचशील इलाके में 64 वर्षीय बुजुर्ग की चाकू घोपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रोहित कुमार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मृतक के बेटे ने पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बुधवार को बताया कि मामले की जांच की जा रही है। अब तक की पूछताछ में कोई पुरानी दुश्मनी या व्यक्तिगत विवाद सामने नहीं आया है। फिलहाल मालवीय नगर थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक 25 नवंबर की देर रात पुलिस को सूचना मिली कि पंचशील इलाके में एक बुजुर्ग को किसी ने चाकू मार दिया है। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बुजुर्ग को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बारे में पूछे जाने पर पुलिस के एक वरिष्ठअधिकारी ने बताया कि उक्त मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर मामले कीजांच कर रही है।

केजरीवाल ने केंद्र सरकार से चिन्मय कृष्ण दास मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की

नई दिल्ली। बांग्लादेश में संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी का भारत में भी विरोध हो रहा है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रतिष्ठित संत और बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सम्मान के लिए सक्रिय रूप से आवाज उठाने वाले चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने केंद्र सरकार से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मैं केंद्र सरकार से अपील करता हूं कि इस मामले में हस्तक्षेप करके चिन्मयदास को जल्द से जल्द मुक्त कराएं। केजरीवाल ने कहा कि बांग्लादेश में अन्यायपूर्ण तरीके से गिरफ्तार किए गए संत चिन्मय कृष्ण दास के साथ पूरा देश एकजुटता के साथ खड़ा है।

संजय सिंह ने संभल हिंसा का मामला राज्यसभा में उठाने की मांग की

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने बुधवार को राज्यसभा के शून्यकाल में संभल हिंसा से संबंधित गंभीर मुद्दे को उठाने की मांग की. उन्होंने इस हिंसा के मामले में योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि उत्तर प्रदेश में बढ़ती नफरत और हिंसा की घटनाएं राज्य की पहचान बन चुकी है. इससे पहले भी संजय सिंह संभल दंगे पर उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोलते आए हैं.

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने अपने नोटिस में कहा कि हाल के दिनों में प्रदेश में लगातार हिंसा और दंगों के मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें से सबसे गंभीर घटना संभल में हुई थी. इस दंगे में पुलिस की गोली से कई निर्दोष लोगों की जान गई थी. उनका आरोप है कि राज्य सरकार इस मामले को दबाने और जनता को गुमराह करने में लगी हुई है. संजय सिंह ने कहा कि प्रशासन ने इस घटना के बारे में झूठ बोला और इसे छुपाने की कोशिश की, जबकि वास्तविकता कुछ और ही है. संजय सिंह ने योगी आदित्यनाथ की सरकार को निशाना बनाते हुए कहा कि सरकार हिंसा और दंगों को नियंत्रित करने में पूरी तरह से नाकाम रही है. उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि इस दंगे की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें. धर्म और नफरत के नाम पर राजनीति का आरोपः संजय सिंह ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को दंगों की रोकथाम के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों. आम आदमी पार्टी के नेता ने भाजपा पर भी तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि भाजपा के नेता राज्य की जनता की समस्याओं की बजाय धर्म और नफरत के नाम पर राजनीति कर रहे हैं. जबकि उत्तर प्रदेश का नौजवान बेरोजगारी और गरीबी से जूझ रहा है. दंगे की निष्पक्ष जांच की मांगः संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के नेता अपने परिवारों के लिए अरबों रुपये का कारोबार चला रहे हैं. उन्होंने इस मुद्दे को शून्यकाल में उठाने के लिए नोटिस दिया और राज्य सरकार से जवाबदेही की मांग की. उनका कहना है कि अगर सरकार सच में न्याय की बात करती है, तो इस दंगे की निष्पक्ष जांच करवाई जानी चाहिए.

सीआईएसएफ ने लॉन्च की ई-सर्विस बुक, अब रिटायर्ड कर्मचारियों को टाइम पर मिलेगी पेंशन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय डिजिटल इंडिया पहल के हिस्से के रूप में सीआईएसएफ ने अपने ई-सर्विस बुक पोर्टल को लॉन्च किया है। इसका फायदा फोर्स में सभी को होगा। इस नई पहल को अपने रिटायर्ड कर्मचारियों की पेंशन प्रक्रिया प्रणाली को सुव्यवस्थित और तेजी लाने के लिए किया है। अब तक सेवा पुस्तिका के जरिए भुगतान किया जाता था जिसमें अक्सर काफी समय लगता था लेकिन, अब बिना देरी के कर्मचारी को अपनी पेंशन मिल जाएगी। हजारों कर्मचारियों को मिलेगा फायदा ई-सर्विस बुक की प्रमुख विशेषताओं में से एक इसकी त्वरित समय ट्रैक किए जा सकने की क्षमता है। हितधारक अब त्वरित समय में पेंशन फाइलों की स्थिति देखकर, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर सकते हैं। यह निरंतर फॉलो- अप की आवश्यकता को समाप्त कर सभी संबंधित पक्षों को समय पर अद्यतन प्रदान करता है। इसका सीधा लाभ प्रतिवर्ष सेवानृवित्त होने वाले लगभग 2400 कर्मियों को मिलेगा। वर्तमान प्रणाली में सेवा पुस्तकों का कई कार्यालयों के मध्य भौतिक अंतरण होता है, जिससे परिणामस्वरूप अधिकतर विलंब और त्रुटियां होती है। यह दूर-दराज क्षेत्रों में स्थित इकाइयों के लिए अधिक समस्याजनक है, क्योंकि इस प्रक्रिया में समय की अधिकता और गलतियों की संभावना बन जाती है।

केजरीवाल ने राजधानी की कानून व्यवस्था के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते आपराधिक मामलों पर केंद्र से सवाल करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज कहा कि केंद्र सरकार ने राजधानी में कानून व्यवस्था का मजाक बना दिया है। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि दिल्ली में हर तरफ डर और असुरक्षा का माहौल है। गली-मोहल्लों में गोलियां चल रही हैं, व्यापारियों को धमकियां दी जा रही हैं, सरेआम हत्याएं हो रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली की कानून व्यवस्था का मजाक बनाकर रख दिया है। केजरीवाल ने कहा कि आज शाम को नांगलोई में ऐसे दो परिवारों से मिलने जा रहा हूं, जिनको इस प्रकार की दिक्कत का सामना करना पड़ा था। एक परिवार की दुकान पर दिन-दहाड़े गोलियां चली थीं। दूसरे परिवार से फोन पर करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी गई। उन्होंने कहा कि ये सब पूरी दिल्ली में हो रहा है, रोज अखबारों में खबरें छप रही हैं। क्या किसी ने ये सोचा था कि दिल्ली एक दिन देश में अपराधों की राजधानी बन जाएगी? केजरीवाल ने कहा कि ये सब केंद्रीय गृह मंत्री के घर के कुछ किलोमीटर दूरी पर ही हो रहा है। दिल्ली के लोग दहशत में जी रहे हैं और ये लोग हाथ पर हाथ रखे बैठे हैं।

टाटा पावर-डीडीएल ने लॉन्च किया ग्रीन वॉरियर्स 3.0 कैम्पेन

जिसके तहत इंडस्ट्री से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले लेने वाले पक्षों को उनके सस्टेनेबल ट्रांजिशन के अनुभवों को साझा करने के लिए किया गया है आमंत्रित

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नॉर्थ दिल्ली में 9 मिलियन से अधिक की आबादी के लिए बिजली सप्लाई करने वाली अग्रणी पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल ने अपनी सस्टेनेबिलिटी जागरूकता पहल के अंतर्गत अपने कैम्पेन ग्रीन वॉरियर्स 3.0 को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस कैम्पेन के तहत, महत्वपूर्ण फैसले लेने वाले पक्षों, ब्रैंड्स और व्यक्तयों को सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में उनके अनोखे अनुभवों को साझा करने के लिए आमंत्रित कया गया है। इस कैम्पेन के माध्यम से, डिस्कॉम ने जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के संवेदनशील मुद्दों को संबोधित करने के लिए सस्टेनेबल प्रथाओं को अपनाने की जरूरत पर जोर दिया।

यह कैम्पेन टाटा पावर-डीडीएल की ऊर्जा अर्पण पहल से मेल खाता है जिसका मकसद एनर्जी एफिशिएंट प्रोडक्ट्स एवं सर्विसेज के जरिए व्यक्तिगत यूजर्स और संगठनों को बिजली की जिम्मेदारी के साथ ऑप्टिमल खपत को प्रोत्साहित करना है। यह अधिक हरे-भरे भविष्य के लिए सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को अपनाने को प्रोत्साहित और प्रेरित करने के लिए बिजनेस लीडर्स के वास्ते प्लेटफार्म तैयार करने के लिए भी प्रयत्नशील है।

ग्रीन वॉरियर्स 3.0 कैम्पेन को दो श्रेणियों में बांटा गया है झ बी2बी तथा बी2सी। इसमें बी2बी श्रेणी के प्रतिभागियों को 2-मिनट के वीडियो के जरिए, सस्टेनेबिलिटी के अपने अनुभवों तथा इसके प्रभावों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रत्येक वीडियो एंट्री में तीन हिस्से होने चाहिएः कंपनी का परिचय, कंपनी द्वारा लागू की गई प्रमुख सस्टेनेबल पहल तथा इसका प्रभाव।

बी2सी प्रतिभागी टाटा पावर-डीडीएल के सोशल मीडिया पेज पर साप्ताहिक सस्टेनेबिलिटी चैलेंज में हिस्सा ले सकते हैं। एंट्री जमा कराने की अंतिक तारीख दिसंबर 2024 (नियम एवं शर्तें लागू) है।

बी2बी वर्ग में, टॉप 5 वीडियो को पुरस्कृत किया जाएगा जबकि बी2सी श्रेणी में टॉप 10 एंट्रीज को आकर्षक उपहार मिलेंगे। सभी एंट्री टाटा पावर-डीडीएल के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी प्रदर्शित की जाएंगी। विजेताओं को एक्सीलेंस सर्टिफिकेट भी प्रदान किए जाएंगे जबकि सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

प्रविष्टियों (एंट्री) का मूल्यांकन टाटा पावर-डीडीएल के सीनियर अधिकारियों की जूरी द्वारा किया जाएगा। इस पहल के बारे में, श्री गजानन एस काले, चीफ एग्जीक्युटिव ऑफिसर, टाटा पावर-डीडीएल ने कहा, टाटा पावर-डीडीएल सस्टेनेबिलिटी के अग्रिम मोर्चे पर है, और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने और सामुदायिक स्तर पर सभी के लिए स्वास्थ्य को बढ़ावा के लिए जिम्मेदारी के साथ एनर्जी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की दिशा में कार्यरत है। ग्रीन वॉरियर्स 3.0 कैम्पेन इस कड़ी में तीसरा अध्याय है, जिसका आयोजन हमारी पिछली दो कड़ियों को मिले जबर्दस्त रिसपॉन्स को देखते हुए किया गया। हम अन्य संगठनों से भी यह आशा करते हैं कि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक हरे-भरे भविष्य के वास्ते इस रिकग्निशन का पूरा फायदा उठाएं।

बच्ची के यौन उत्पीड़न के दोषी व्यक्ति को 12 साल की जेल

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2016 में छह साल की बच्ची के कथित तौर पर बार-बार यौन उत्पीड़न मामले में एक व्यक्ति को 12 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रोहित गुलिया 27 वर्षीय दोषी के खिलाफ सजा पर बहस सुन रहे थे, जिसे यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 6 (गंभीर यौन हमला) के तहत दोषी ठहराया गया था।

विशेष लोक अभियोजक चंद्रजीत यादव ने कहा कि दोषी को किसी भी तरह की रियायत नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि उसने जघन्य अपराध किया है। अदालत ने 6 नवंबर को पारित आदेश में उसे 12 साल के सश्रम कारावास और 2,000 रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई थी। इसके अलावा पीड़िता को उसके द्वारा झेले गए भावनात्मक आघात के लिए 10.5 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया था। सितंबर में आरोपी को दोषी ठहराते हुए अदालत ने साक्ष्यों पर विचार किया और कहा कि यह स्थापित हो चुका है कि बच्ची के पड़ोस में रहने वाले आरोपी ने लड़की को कई बार अपने घर बुलाया, खेलने के लिए अपना मोबाइल फोन दिया और उसका यौन उत्पीड़न किया। अदालत ने अधिक महत्वपूर्ण बात यह कही कि यदि किसी बच्चे के साथ एक से अधिक बार या 12 वर्ष से कम आयु के बच्चे के साथ यौन उत्पीड़न किया जाता है, तो यह गंभीर यौन उत्पीड़न है।

संक्षिप्त खबरें

अध्यक्ष पद के लिए प्रवीण कुमार चौधरी और सत्यानंद सिंह निर्विरोध निर्वाचित

संग्रामपुर (मुंगेर) । बुधवार को प्राथमिक कृषि साख सहयोग समिति पैक्स के चुनाव के मतदान मतगणना प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांति पुर्ण संपन्न हुआ। विदित हो कि प्रखंड के 4 पैक्स का चुनाव कराया गया हैं। जिसमें रामपुर पैक्स के अध्यक्ष पद के लिए प्रवीण कुमार चौधरी एवं नवगाई से सत्यानंद सिंह निर्विरोध निर्वाचित किए गए है। कटियारी, ददरी जाला पैक्स का चुनाव में मतगणना के प्रथम दौर में कटियारी पैक्स की मतगणना कराई गई जिसमें प्रताप यादव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रंजीत कुमार को 133 मतों से पराजित कर पहली बार पैक्स अध्यक्ष निर्वाचित हुए। जानकारी के अनुसार प्रताप यादव को 536 मत मिला जबकि प्रतिद्वंद्वी रंजीत कुमार को 403 मत आया और इस प्रकार प्रताप यादव ने रंजीत कुमार को 133 मतों से पराजित किया।

तीन उच्चकों ने मोबाइल छीनकर युवक को किया घायल

जमुई [झाझा] सोनो झाझा मुख्य मार्ग स्थित पचपहड़ी के पास मंगलवार की शाम को घर जा रहे 17 साल के एक युवक से तीन उच्चकों ने मोबाइल छिनतई करने के बाद युवक के सिर पर पिस्तौल के बट से मारकर घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान सोनो थानाक्षेत्र के कुरकुटा गांव के रहने वाले अंकित कुमार के रूप में हुई। घायल युवक घटना स्थल से दो किलोमीटर दूर अपने घर किसी तरह पहुंचकर घरवालों को पूरे मामले की जानकारी दी जिसके बाद परिजनों की मदद सेघायल युवक को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल झाझा लाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा उसका इलाज किया गया। घायल युवक ने बताया कि मैं भीठरा से अपने घर मुख्य मार्ग के रास्ते जा रहा था कि तभी तीनों युवक बाइक से अचानक मेरे पास आकर मेरा मोबाइल छीनने लगा जिसका विरोध किया तो पिस्तौल के बट से मेरे सिर पर वार कर मुझे घायल कर मोबाइल छीनकर लोहा गांव की ओर भाग गया।

डीएम और एसपी ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत लोगों को शपथ दिलाई और दिये आवश्यक निर्देश

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई जिला समाहरणालय परिसर स्थित संवाद कक्ष में जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा तथा पुलिस अधीक्षक चंद्रप्रकाश के द्वारा संयुक्त रूप से बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया तथा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई गई।

जिलाधिकारी महोदया ने बाल विवाह के खिलाफ अपने अधिकारियों और कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है और कानून का उल्लंघन है, जो बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और विकास में बाधा है, तथा उनके सपनों को साकार होने से रोकता है। इसलिए हम सभी शपथ लेते हैं कि मैं बाल विवाह के खिलाफ हर संभव प्रयास करेंगे।

शपथ - मैं सुनिश्चित करूंगा कि मेरे परिवार पड़ोस और समुदाय में किसी बालिका का बाल विवाह न हो। मैं बाल विवाह के किसी भी प्रयास की सूचना पंचायत और सरकार को दूंगा। मैं सभी बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा के लिए भी अपनी आवाज बुलंद करूंगा और बाल विवाह मुक्त भारत का निर्माण करूंगा।

इस दौरान अपर समाहर्ता सुभाषचंद्र मंडल, अपर समाहर्ता जिङ्गलोङ्गशिङ्गनिङ्ग रामदुलार राम, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस श्रीमती रश्मि रंजन के अलावा कई अधिकारी मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 86 केवाल मुसहरी पर लटका ताला

प्रात: किरण, संवाददाता

गिद्धौर। प्रखंड क्षेत्र के पूर्वी गुगुलडीह पंचायत अंतर्गत पड़ने वाले वार्ड नंबर एक केवाल महादलित टोले में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 86 के बंद रहने को लेकर बुधवार को पोषक क्षेत्र के नैनिहाल व ग्रामीणों ने विभाग के खिलाफ विरोध जताया है। आक्रोशित नैनिहाल व महादलित महिलाएं आंगनबाड़ी केंद्र को चालू करने की मांग कर रहे थे।बताया जाता है की केवाल गांव के वार्ड नंबर एक महादलित टोले में बने सामुदायिक भवन में चलने वाला आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 86 दो वर्ष पूर्व सुचारू था।दो वर्ष पूर्व उक्त केंद्र की सेविका के सेवा निवृत हो जाने के बाद से हमेशा उक्त केंद्र पर ताला ही लटका रहता है। जिसकी वजह से महादलित टोले के नैनिहाल व गर्भवती महिलाएं कुपोषण का शिकार हो रहे है। प्रदर्शन कर रही पोषक क्षेत्र की महादलित महिलाएं भासों देवी,रमनी देवी,कविता देवी,मीना देवी,उर्मिला देवी, डोमनी देवी,मुंगिया देवी ,मुन्नी देवी,कोमली देवी सहित उक्त केंद्र की सहायिका बबिता देवी ने आक्रोशित हो बताया कि इस आंगनबाड़ी केंद्र पर हमेशा ताला ही लटका रहता है।महीनों पूर्व से विभाग द्वारा न तो टीएचआर का वितरण किया जा रहा है और न ही गर्भवती महिलाओं को ही किसी प्रकार कि कोई सुविधा दी जा रही है। विभाग द्वारा सेविका की बहाली आज तक जान बूझकर नहीं किए जाने के कारण महादलित टोला वासी आईसीडीएस विभाग द्वारा मिलने वाली हर सुविधा से वंचित ही है। ग्रामीणों ने बताया कि केंद्र संख्या 86 को वार्ड नंबर दो केवाल गांव में चलने वाले आंगनबाड़ी केंद्र में टैग कर उक्त केंद्र की सेविका और विभागीय एलएस द्वारा हम महादलितों को मिलने वाली सुविधाओं को हजम कर लिया जा रहा है।जबकि इसकी शिकायत कई बार हम महादलितों द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर आईसीडीएस कार्यालय में की गई है।मगर आज तक विभाग द्वारा सामुदायिक भवन में चलने वाले केंद्र का ताला तक नहीं खोला गया है। अंजन मांझी,वार्ड सदस्य,वार्ड नबर:01 महादलित टोला,केवाल महीनो से महादलित टोले के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 86 पर ताला लटका हुआ है,जबकि इस केंद्र को वार्ड नंबर दो में टैग कर विभागीय फाइलों में सुचारू कर सरकारी राशि कि बंदरबांट की जा रही है। महादलित टोला केवाल मुसहरी के छोटे छोटे बच्चे व गर्भवती महिलाएं कुपोषित हो गंभीर बीमारी की चपेट में आ रहे है। सोनी कुमारी,एलएस,पूर्वी गुगुलडीह पंचायत ग्रामीणों का आरोप निराधार है,टैग कर केंद्र का संचालन किया जा रहा है।मेरे पास प्रति दिन केंद्र संचालन का तस्वीर उपलब्ध है।

विद्युत विभाग ने बिजली चोरी के आरोप में दस लोगों पर दर्ज करायी प्राथमिकी

प्रात: किरण, संवाददाता

गिद्धौर। विद्युत विभाग अपने निर्धारित राजस्व के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लगातार अभियान चला रहा है। इसे लेकर क्षेत्र में राजस्व वसूली एवं बिजली चोरी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। विद्युत चोरी पर लगाम लगाने को लेकर विभाग द्वारा छापेमारी दल का गठन किया गया। जिसमें कनीय अभियंता धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में विभाग की टीम ने प्रखंड के कई क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान छापेमारी दल ने रतनपुर पंचायत के भौराटांड़ गांव में बिशुनदेव यादव ,महेश यादव, जितेन्द्र यादव, विजय यादव, वही पुर्वी गुगुलडीह पंचायत के केबाल गांव से मोहन प्रसाद केसरी,नरेश तांती, सदानंद तांती सरजू यादव, तुलसी पंडित को बिजली चोरी करते पकड़ा है। कनीय अभियंता धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि इन दस लोगों के खिलाफ बिजली चोरी के आरोप में गिद्धौर थाना को लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करते हुए विभागीय कारवाई करने का अनुरोध किया। वहीं कनीय अभियंता श्री धीरेन्द्र ने क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं से बिजली चोरी नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर बिजली चोरी करते पकड़े गये तो आपके ऊपर विभागीय कारवाई की जायेगी। इस मौके पर छापेमारी दल में कनीय अभियंता धीरेन्द्र कुमार के साथ विभाग के मानव बल कर्मी धर्मेंद्र मेहता,,रवि कुमार, सुशील सिंह, राकेश कुमार साथ चल रहे थे।

तारापुर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कराया गया पैक्स अध्यक्ष पद का मतगणना

प्रात: किरण, संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। बुधवार के दिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पैक्स अध्यक्ष पद का मतगणना प्रखंड कार्यालय भवन तारापुर के सभागार में बिना किसी हो हंगामा के बीच शांतिपूर्ण तरीके से मतगणना का काम संपन्न कराया गया। गौरतलब है कि 26 नवंबर के दिन खैरा , अफजलनगर ,एवं धोबई, पंचायत के पैक्स अध्यक्ष पद के लिए महमदपुर, अफजलनगर, एवं धोबय पैक्स गोदाम पर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था । जिनका मतगणना पुरी चाक चौबंद व्यवस्था के बीच कराया गया । खैरा पैक्स अध्यक्ष पद के लिए मात्र दो उम्मीदवार मैदान में थें । जिसमें बिहारी लाल कुशवाहा एवं दिगंबर सिंह थे । बता दें कि लगातार तीसरी बार बिहारी लाल कुशवाहा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी दिगंबर सिंह को 1056 वोट से हराकर शानदार जीत हासिल किया । दिगंबर सिंह मात्र 124 वोट पर सिमट गए । तो वहीं अफजलनगर से कूल तीन उम्मीदवार मैदान में थे। जिसमें रवि रंजन कुमार , तरुण कुमार एवं सुधीर कुमार सुमन थें । जहां रविरंजन कुमार ने चौथी बार 537 वोट से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी तरुण कुमार को हराकर शानदार जीत हासिल किया । वहीं धोबय पैक्स से दूसरी बार संजीव कुमार यादव 295 वोट से विजय घोषित किए गए । इनके निकटतम प्रतिद्वंदी पूर्व मुखिया गोपाल कुमार बुरी तरह पराजित हुए । नवनिर्वाचित सभी तीनों पैक्स अध्यक्षों को निर्वाचन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने जीत का सर्टिफिकेट देकर विजय घोषित किया । इस मौके पर सर्टिफिकेट लेकर मतगणना केंद्र से बाहर निकलते ही नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष को उनके समर्थकों ने फुल माला अबीर लगाकर जोरदार स्वागत किया ।

अवैध बालू खनन, दूसरे घाट का चालान काटकर सरकार को लगा रहे हैं करोड़ों रुपए का चुना

प्रात: किरण, संवाददाता

गिद्धौर(जमुई): गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत नयागांव रेलवे फाटक के समीप बने बालू डंप यार्ड के संचालक द्वारा उलाई नदी के रतनपुर बालू घाट से अवैध बालू खनन कर इसकी परिवहन करने में लगे हुए है। बताया जाता है कि कटहरा नदी के गेनाडीह रामाकुराब बालू घाट संचालक चंदन कुमार को खनन विभाग द्वारा नयागांव रेलवे फाटक के समीप बालू डंप कर बिक्री की अनुमति दी गई है।बालू यार्ड संचालक डंप पर रखे बालू को 31 दिसंबर तक बेच सकते है।लेकिन उक्त डंप यार्ड के संचालक द्वारा एक महीने पूर्व ही जमा बालू की बिक्री कर ली गई।लेकिन लाइसेंस धारी चंदन कुमार को विभाग द्वारा निर्गत ई चालान के बच जाने का भरपूर लाभ उठाया जा रहा है।स्टाकिस्ट द्वारा बचे हुए ई चालान के आढ़ पर गिद्धौर थाना क्षेत्र होकर बहने वाली उलाई नदी व कटहरा नदी के आधा दर्जन से अधिक बालू घाटों से दर्जनों ट्रैक्टर लगा अवैध बालू खनन कर परिवहन करने में लगे हुए है।जिससे विभाग व जिला प्रशासन को हर रोज हजारों के रुपय के राजस्व का नुकसान हो रहा है। लाइसेंसधारी स्थानीय बालू तस्करों से सांठ गांठ कर अवैध बालू घाटों से बालू खनन कर तस्करी करने में लगे हुए है। सूत्रों की मानो तो खनन विभाग व जिला प्रशासन के साठ-गांठ से जिले हर के लाइसेंसधारी बालू डंप यार्ड संचालक बचे हुए ई चालान के आढ़ में अवैध बालू खनन कर इसकी तस्करी करने में लगे हुए है । वही इस संबंध में खनन पदाधिकारी अकलाख हुसैन से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि हम अपने इंस्पेक्टर से जांच करवा कर कार्रवाई करते हैं।

अग्रवन्ति कर्मी को दिया गया आद्रभूमि संरक्षण एवम प्रबंधन सम्बंधित प्रशिक्षण

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] प्रशिक्षण में आद्रभूमि से सम्बंधित वन विभाग के अग्रवन्ति कर्मी को रामसर स्थल में आश्रयणी केंद्र को घोषित होने के बाद यहां पर होने वाले विभिन्न कार्यशाला के बारे में आद्रभूमि के विशेषज्ञ डॉक्टर एस कुमार, डॉक्टर जय कुमार ने कई तरह की महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले वनकर्मी को बताया कि यह स्थल एक अलग पहचान स्थापित किया है इसलिए अब सभी लोगों पर जिम्मेवारी बढ़ चुकी है। नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र को रामसर स्थल में घोषित किये जाने पर नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र पर एक दिवसीय आद्रभूमि संरक्षण एवम प्रबंधन सम्बंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वही आद्रभूमि को लेकर प्रशिक्षण देने पहुंचे लोगों ने नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र के चारो तरफ घूमघूम कर कई तरह की अहम जानकारियां भी जुटाए। इस आश्रयणी केंद्र को आगे बढाने में आपका योगदान ही सर्वश्रेष्ठ होगा। प्रशिक्षकों ने बताया कि आर्द्रभूमि के महत्व के बारे में लोगों को संवेदनशील बनाना, आर्द्रभूमि मित्र के कार्यक्षेत्र को बढ़ाना और आर्द्रभूमि संरक्षण के लिए नागरिक भागीदारी का निर्माण करना शामिल होगा। मौके पर रेंजर रवि कुमार सहित वनपाल अनीश कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

हरिमोहन सिंह बनें जूनियर नेशनल में बिहार बालिका खो- खो टीम कोच

सभी खेल एवं खिलाड़ियों को बढ़ावा देना है, हमारी पहली प्राथमिकता : हरिमोहन सिंह

- **पूर्व हरिमोहन सिंह कई सारे खेलों में नेशनल ऑफिशियल, टेक्निकल, स्टेट कोच , सेलेक्टर बन चुके हैं**
- **मुंगेर के चार दर्जन से अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय, राज्य एवं प्रमंडल लेवल पर मेडल जीत कर जिला व प्रदेश का नाम रौशन कर चुके हैं**

प्रात: किरण, संवाददाता

मुंगेर : विभिन्न खेलों को राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर बढ़ावा देने के लिए मुंगेर पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सह मुंगेर जिला खो- खो संघ सेक्रेट्री एवं जनकल्याण शिव शक्ति हरिमोहन फाउंडेशन के फाउंडर मुंगेर जिले के लोकप्रिय स्पोर्ट्स प्रमोटर अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त खिलाड़ी हरिमोहन सिंह को खो- खो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 25 नवंबर से 29 नवंबर अहिल्याबाई होलकर स्टेडियम , अलीगढ़ उत्तर प्रदेश में आयोजित 43 वीं जूनियर नेशनल बालक एवं बालिका चैंपियनशिप -2024 में भाग लेने वाली बिहार स्टेट जूनियर जूनियर बालिका खो - खो टीम के कोच बनाएं गए। मुंगेर पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट जिले के लोकप्रिय स्पोर्ट्स प्रमोटर अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी हरिमोहन सिंह ने कहा कि विगत 12 सालों से मैं निस्वार्थ भाव से जिले में खेल व खिलाड़ी को बढ़ावा देने का कार्य करता आ रहा हूं , जिले के दर्जनों विभिन्न श्रेणियों जैसे शारीरिक , मानसिक , श्रवणबाधित , मूकबधिर , ब्लाइंड , डीफ एंड दम के दर्जनों पुरुष एवं महिला दिव्यांग खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय , राज्य , प्रमंडल एवं जिला स्तर पर पैरा एथलेटिक्स , क्रिकेट , फुटबॉल , वॉलीबॉल , स्विमिंग , ताईकमांडो , वॉची आदि खेलों में मेडल जीत कर अपने गांव, समाज, जिला का नाम रौशन कर चुके हैं। मुंगेर में प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों की कमी नहीं है । कई सारे खेलों में जिला के दिव्यांग महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा के बलबूते कई सारे खेलों में मेडल जीत कर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवाई । उन्हें आगे बढ़ाने में हर संभव सहयोग किया जाएगा । जो भी दिव्यांग खिलाड़ी स्पोर्ट्स में जुड़ना चाहते हैं वो अविलंब 9123142461 पर संपर्क कर सकते हैं। सरकार भी विजेता खिलाड़ियों को लाखों लाख कैश प्राइज एवं विभिन्न विभागों में नौकरी देकर सम्मानित कर रही है । समाजसेवा के लिए हरिमोहन सिंह बिहार के मुख्यमंत्री , उप मुख्यमंत्री , खेलमंत्री , समाज कल्याण मंत्री , ग्रामीण कार्य मंत्री , पथ निर्माण मंत्री , विधि कानून मंत्री आदि के हाथों सम्मानित हो चुके हैं। हरिमोहन सिंह को 43 वीं जूनियर नेशनल खो- खो चैंपियनशिप में बिहार बालिका खो- खो टीम कोच बनाएं जाने पर मुंगेर जिला के प्रशासनिक अधिकारियों , समाजसेवियों , राजनेताओं, खेलप्रेमियों , मुंगेर जिला खो- खो संघ , मुंगेर योगासना स्पोर्ट्स एसोसिएशन , जनकल्याण शिव शक्ति हरिमोहन फाउंडेशन , मुंगेर कराटे एसोसिएशन के गणमान्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी।

डीएफओ नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र पहुंचा और बर्ड म्यूजियम के लिए चयनित 12 एकड़ जमीन का किया निरीक्षण

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] नागीपक्षी आश्रयणी केंद्र पर 12 एकड़ जमीन में बिहार का पहला बर्ड म्यूजियम बनने वाला है। इसको लेकर लगातार इस क्षेत्र में पहल भी किया जा रहा। इसी संदर्भ में बुधवार को जमुई डीएफओ तेजस जायसवाल नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र पहुंचा और बर्ड म्यूजियम के लिए चयनित 12 एकड़ जमीन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वन विभाग को हस्तांतरित हुए जमीन को जगह जगह हर छोटी बड़ी स्थलों को देखा गया। डीएफओ ने हस्तांतरित जमीन निरीक्षण को लेकर बताया रिपोर्ट बनाकर विभाग को सौंपा जाएगा। पटना से भी टीम आएगा और जमीन का बारीकी से निरीक्षण किया जाएगा। बर्ड म्यूजियम में तितली गार्डन, ग्रासलैंड, पार्क भी बनेगा इसके लिए एक नक्शा भी बनेगा। नागी पक्षी आश्रयणी केंद्र पर बर्ड म्यूजियम की एक अलग ही खूबसूरती लोगों के सामने आएगा जिससे यहां पर सैलानियों के आगमन में भी बढ़ोतरी होगा और यह क्षेत्र और भी विकसित होगा। मौके पर वनपाल अनीश कुमार सहित वन विभाग के कई लोग मौजूद थे।

खैरा प्रखंड में जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई खैरा प्रखंड के पंचायत भवन में बुधवार 27 नवम्बर को खैरा प्रखंड जदयू कार्यकताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता खैरा प्रखंड जदयू अध्यक्ष रामानंद सिंह ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जदयू जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र महतो ने कहा कि जदयू के कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा चलाई गई योजनाओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना कार्यकताओं की जिम्मेदारी है। आगामी 7 दिसंबर को जमुई में होने वाले जदयू कार्यकर्ता के महाकुंभ में सभी कार्यकताओं को भाग लेने का न्योता दिया गया। वहीं इंजीनियर शंभूशरण सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विकास कार्य चारों ओर दिख रहा है। अब हमें बूथ स्तर पर जनता को जागरूक करना है और बूथ कमिटी के गठन पर विशेष ध्यान देना है। सम्मेलन में प्रमुख नेताओं में जमुई विधानसभा प्रभारी अवधेश कुशवाहा, सिकंदरा विधानसभा प्रभारी विनोद पासवान, जदयू जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र महतो, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शंभूशरण सिंह, खैरा प्रखंड प्रभारी अरुण भारती, जिला उपाध्यक्ष सुनील बरनवाल पुर्व जिलाध्यक्ष शिवशंकर चौधरी, शिक्षा प्रकोष्ठ अध्यक्ष नीतीश कुमार, चिकित्सा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दयानंद यादवजे, पी सेनानी शिवनंदन सिंह आदि उपस्थित थे। इस सम्मेलन में सैकड़ों कार्यकताओं ने भाग लिया और जदयू के संगठन को मजबूत करने के लिए अपने संकल्प को दोहराया।

बिहार में 3 करोड़ असंगठित क्षेत्र में मजदूर मजदूरी कर रहे हैं : सूत्र

श्रम विभाग बिहार के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के लगभग तीन करोड़ लोग असंगठित क्षेत्र में रोजी रोजगार कर रहे हैं राज्य में सबसे अधिक कृषि क्षेत्र में लगभग डेढ़ करोड़ लोग हैं देश में और संगठित क्षेत्र में मजदूरों का निबंध 24 अगस्त 21 से हो रहा है जो अब भी जारी है ई-श्रम पोर्टल पर हुए अब तक के निबंध के अनुसार देश में अब तक 30 करोड़ 40 लाख से अधिक मजदूरों ने इस पोर्टल पर निबंध कराया है इसमें बिहार के 2 करोड़ 95 लाख से अधिक कामगार ने अपना निबंधन कराया है जिसमें महिलाओं की संख्या 96% 75 फीसदी है वहीं पुरुषों की संख्या 43% 25 फीसदी मजदूर हैं इसमें युवाओं की संख्या सबसे अधिक है 18 से 40 वर्ष तक के उम्र वाले मजदूरों की संख्या 64 पॉइंट 75 फीसदी है 40 से 50 वर्ष वाले कामगारों की संख्या 21.06 है वहीं 50 साल से अधिक उम्र वाले मजदूरों की संख्या 13.43 साड़ी है निबंध के अनुसार राज्य में सबसे अधिक पूर्वी चंपारण के लोग और संगठित क्षेत्र में काम कर रहे हैं जिले के 14 लाख 11 हजार से अधिक लोग रोजी रोजगार कर रहे हैं वहीं मुजफ्फरपुर के 13 लाख 19 हजार समस्तीपुर के 12 लाख 80 हजार मधुबनी के 12 लाख 26 हजार पटना के 11 लाख 95 हजार गया के 1193000 लोग रोजी रोजगार में लगे हैं।

बरमसिया फॉर्म धरहरा में सूष्क बागवानी फसलों का डीएम ने निरीक्षण किया और एक पीपल का पौधा रोपण कार्य किए

प्रात: किरण, संवाददाता

मुंगेर। धरहरा प्रखंड के बरमसिया में बुधवार को उद्यान निदेशालय के चतुर्थ कृषि रोड मैप अंतर्गत डीपीआर के तहत राज्य स्कीम मद से बरमसिया फार्म धरहरा, में शुष्क बागवानी फसलों के प्रदर्शन क्षेत्र का जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने जहां फार्म के 20 हेक्टेयर में लगे हजारों विभिन्न पौधों का अवलोकन भी किया वहीं स्वयं भी एक पीपल का पौधारोपण किया। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी ब्रज किशोर, सहायक निदेशक उद्यान सुपर्णा सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। डीएम ने बताया कि कृषि विभाग उद्यान निदेशालय द्वारा चतुर्थ वर्गीय कृषि रोड मैप अंतर्गत डीपीआर के तहत राज्य स्कीम मद से बरमसिया फार्म, धरहरा में शुष्क बागवानी फसलों के प्रदर्शन हेतु 20 हेक्टेयर भूमि में विभिन्न प्रजातियों के हजारों पौधों का रोपण कार्य विगत 22 नवंबर 2024 को प्रारंभ किया गया है। इस फार्म में आंवला के 556 पौधों, नींबू के 1976, एप्पल बेर के 834, अमरूद के 556, कटहल के 250, अंजीर के 222, जामुन के 156, शरीफा के 165 तथा बेल के 556 कुल 5574 पौधों का रोपण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बागवानी को बढ़ावा देना तथा अधिग्रहित भूमि को हरियाली प्रदान करना है। उन्होंने उपस्थित सभी पदाधिकारियों से सही तरीके से सभी पौधों के रोपन कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पौधों के संरक्षण एवं देख भाल करने के लिए लगातार स्थल का निरीक्षण करें तथा शत प्रतिशत पौधों के संरक्षण के लिए सिंचाई सहित अन्य चीजों का भी विशेष ध्यान रखें। फसलों के उत्पादन के पश्चात इससे काफी लाभ मिलेंगे तथा संबंधित किसान इसकी उपज अथवा पैदावार से जो आमदनी प्राप्त करेंगे उससे वो आर्थिक रूप से भी सबल होंगे।

मोटरसाइकिल लूट काण्ड का 15 मिनट में हुआ सफल उद्भेदन, एक लूटेरे गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई थाना पुलिस ने दिन मंगलवार 26 नवंबर को हुई मोटरसाइकिल लूट और नकदी छिनतई की घटना का मात्र 15 मिनट में सफल उद्भेदन कर लूटी गई मोटरसाइकिल को बरामद करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर किया। पुलिस की इस तत्परता ने अपराधियों के मंसूबों को नाकाम कर दिया और जिले की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उक्त घटना दिन मंगलवार, 26 नवंबर रात्रि 11:50 बजे स्थान खैरमा पुल जमुई की है जिसमें वादी प्रभात कुमार पांडेय (पुत्र नित्यानंद पांडेय), निवासी कटौना, थाना मलयपुर, जिला जमुई द्वारा पुलिस को जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि मैं अपनी मोटरसाइकिल से कहीं जा रहा था। जैसे ही खैरमा पुल के पास पहुंचा तो हथियारबंद अपराधियों ने उन्हें रोका, मारपीट की और उनकी मोटरसाइकिल (नंबर: इइअ60-8072) और 20,000 नकद छीन लिए। घटना की सूचना पर जमुई थाना के गश्ती दल ने त्वरित कार्रवाई की और 15 मिनट के भीतर लूटी गई मोटरसाइकिल बरामद कर एक अपराधी को धर दबोचा। गिरफ्तार अभियुक्त फाल्गुनी यादव (उम्र 28 वर्ष) पिता बिजली यादव सा०- हारुडीह, थाना व जिला जमुई है। वहीं अपराधिक इतिहास में गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामलों में संलिप्तता पाई गई है। पुलिस रिकार्ड में उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। मामले में दर्ज प्राथमिकी में घटना को लेकर जमुई थाना में कांड संख्या-762/24 दिनांक 27 नवंबर 2024 को धारा 300(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। अन्य अभियुक्तों की पहचान कर ली गई है, और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस टीम की कार्रवाई में छापेमारी दल में शामिल पुलिसकर्मी में पु.नि. सह-थानाध्यक्षः अरुण कुमार सिंह, पु.आ.नि. रूबी कुमारी, सशस्त्र बल जमुई थाना रहे। गश्ती दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डौरमा बाजार से लूटी गई मोटरसाइकिल बरामद की। अभियुक्त को घटना स्थल के समीप से गिरफ्तार किया गया। जमुई पुलिस अधीक्षक चंद्र प्रकाश ने कहा कि, जिले में अपराध पर नियंत्रण बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। इस घटना का शीघ्र उद्भेदन यह साबित करता है कि जमुई पुलिस अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हमारी टीम प्रयासरत है। पुलिस जनता से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत स्थानीय थाना को दें। सहयोग से अपराधमुक्त समाज का निर्माण संभव है।

लड़की से प्रेम के चक्कर में मिला मौत

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। पुलिस सूत्रों के अनुसार मंगलवार की रात 17 वर्षी उज्जवल कुमार के हत्या हुई है या आत्महत्या हवेली खड़गपुर पुलिस असामंजस में पड़ी हुई है। खड़गपुर थाना अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया की हत्या है या आत्महत्या यह अनुसंधान का विषय है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कहा जा सकता है की हत्या है या आत्महत्या ग्रामीण सूत्रों के अनुसार उज्जवल कुमार ने महादेवपुर गांव की एक लड़की से प्रेम विवाह किया था जो घर बार छोड़कर दोनों पति-पत्नी के रूप में शिवपुर गांव में एक भाड़े के मकान में रह रहा था मंगलवार की रात में उसकी मौत हो गई मृतक के गले पर फांसी का निशान लगा हुआ था और बदन पर चोट के निशान भी पाए गए हैं ऐसा प्रतीत होता है की किसी ने मृतक को पहले मारपीट किया फिर उसे फांसी पर लटका दिया हो जो अनुसंधान का विषय बनता है।

धन्यवाद दिवस

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

अमेरिका में धन्यवाद दिवस का अपना ही महत्त्व है। यह दिन यूरोप और दूसरे देशों से आए लोगों ने अमेरिका के लोगों को सहायता देने के उपलक्ष्य में शुरू किया था, परंतु समय के साथ-साथ यह दिन ह्यधन्यवाद दिवसह्ल के रूप में प्रचलित हो गया। कई बार जब हमें किसी से कोई भी चीज मिलती है तो हम उन्हें धन्यवाद कहते हैं। चाहे यह हमारे परिवार, मित्रों, शिक्षकों, समाज और देश से मिले। इसके अलावा हम प्रभु से मिले सभी उपहारों के लिए भी उनका धन्यवाद करते हैं। हमें अपने जीवन में सबसे पहले पिता-परमेश्वर का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि उन्होंने हमें ये मानव शरीर दिया है। चौरासी लाख जियाजून में केवल इस शरीर में ही हम अपने आपको जान सकते हैं और पिता-परमेश्वर को पा सकते हैं। इसके अलावा हमारे जीवन में प्रभु ने हमें अनेक बरकतें दी हैं। यदि हम एक स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं तो हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जो किसी गंभीर बीमार से पीड़ित हैं। यदि हमें प्रत्येक दिन भोजन मिल रहा है तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि बहुत से लोगों को दो वक्त का भी भरपेट भोजन नसीब नहीं है। यदि हम देख, सुन और बोल पा रहे हैं तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि इस दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं जो न तो देख पाते हैं, न ही सुन पाते हैं और न ही बोल पाते हैं। यदि हम आर्थिक रूप से संपन्न है तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि हम यह देखते हैं कि गरीबी के कारण जीवन में अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। यदि हम अपने परिवार के साथ रह रहे हैं तो इसके लिए भी हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जोकि अनाथ हैं। इस तरह हम देखते हैं कि हमारे जीवन में प्रभु की अपार दयामेहर है तो इसलिए न सिर्फ धन्यवाद दिवस पर बल्कि हर रोज हमें प्रभु का धन्यवाद करना चाहिए। धन्यवाद दिवस पर हम केवल प्रभु का धन्यवाद करने तक ही सीमित न रहें बल्कि इस दिन हम यह भी प्रण करें कि प्रभु से मिली इन खुशियों को हम सबके साथ बाटेंगे और दूसरों की सेवा करेंगे। हम कई तरह से अपना सहयोग दे सकते हैं जैसे कि शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप में। हमें दूसरों की सहायता निस्वार्थ भाव से करनी चाहिये। यदि कोई बीमार है तो हम उसकी शारीरिक रूप से मदद कर सकते हैं। अगर किसी को मानसिक रूप से परेशानी है तो हम उसे समझाकर उसकी मदद कर सकते हैं और यदि कोई आर्थिक संकट का सामना कर रहा है तो हम अपनी क्षमता के अनुसार उसकी मदद कर सकते हैं। आध्यात्मिक रूप से किसी की मदद केवल संत और गुरु ही कर सकते हैं क्योंकि वे लोगों को ध्यान-अभ्यास के द्वारा प्रभु की ज्योति और श्रुति से जोड़ते हैं। वे उनकी आत्मा को प्रभु से मिलाने में मदद करते हैं। ऐसे जिज्ञासु जो सच्चाई और प्रभु को पाने की इच्छा रखते हैं, वे उन्हें अनुभव कराते हैं कि इस भौतिक संसार के अलावा भी कुछ है। प्रभु मिलन में उनकी तरक्की तेज हो सके इसके लिए वे शिष्य को ध्यान-अभ्यास में बैठने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि वे उनकी आत्मा को इस भौतिक संसार से निकाल कर सच्चे घर सचखंड पहुँचा सकें। तो आईये ! धन्यवाद दिवस पर हम यह संकल्प लें कि हम न सिर्फ प्रभु से मिली बरकतों का धन्यवाद करेंगे बल्कि दूसरों की भी मदद करेंगे। यदि हम ऐसा करते हैं तो हम देखेंगे कि इस दुनिया में कोई भी व्यक्ति किसी भी चीज से वंचित नहीं रहेगा। ऐसा करके हम एक ऐसे संसार के निर्माण में सहायता करेंगे जिसमें प्यार, दूसरों को देना, और एक-दूसरे का ख्याल रखना महत्त्वपूर्ण होगा। यदि हर व्यक्ति ऐसा जीवन जीने का प्रण ले तो हम देखेंगे कि वह दिन दूर नहीं जब इस धरती पर प्रभु के राज्य की स्थापना होगी।

इमरजेंसी लाइट की तरह रोशनी दिखाता संविधान

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद-ब-खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है। भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था। इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निमार्ता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। मद्रास और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़े राव 1910 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुने गए। साल 1939 में राव को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 1944 में उन्हें अपना प्रधानमंत्री बनाया। भारत सरकार के संविधान सलाहकार के नाते उन्होंने वर्ष 1945 से 1946 तक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि की यात्रा की और तमाम देशों के संविधानों का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 395 अनुच्छेद वाले संविधान का पहला प्रारूप तैयार करके संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर को सौंप दिया। 29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति की बैठक में कहा गया कि संविधान सलाहकार बीएन राव द्वारा तैयार प्रारूप पर विचार कर उसे संविधान सभा में पारित करने हेतु प्रेषित किया जाए। संविधान सभा में संविधान का अंतिम प्रारूप प्रस्तुत करते हुए 26 नवंबर 1949 को भीमराव आंबेडकर ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने संविधान निर्माण का श्रेय बीएन राव को भी दिया है। भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। मूल अधिकारों की व्यवस्था के साथ ही कानून के सामने सभी नागरिकों के बराबर होने की बात भारतीय संविधान की ताकत है। भारतीय संविधान कठोर भी है तो लचीला भी है। आजादी के बाद से लेकर अब तक संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं।

तो यह है विश्व गुरु भारत में इंसानी जान की कीमत?

इन्हीं आवारा पशुओं के कारण अनेक दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कभी कभी तो ट्रेन हादसों की भी झड़ी सी लग जाती है। कभी 30 अक्टूबर 2022 की गुजरात के मोरबी नामक शहर के मच्छु नदी में बने मोरबी पुल टूटने जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित होती है जिसमें 141 लोगों की नदी मन बह जाने से मौत हो जाती है। तो कभी अस्पतालों में यहाँ तक कि बच्चों के अस्पतालों में आग लग जाती है जिसमें जीवित शिशु झुलस कर मर जाते हैं। ऑक्सीजन की कमी या अभाव से भी लोगों के मरने की खबरें आती ही रही हैं।

निर्मल रानी
लेखक

सत्ता, गोदी मीडिया व अंधभक्तों की जमाअत संयुक्त रूप से भारत को विश्वगुरु साबित करने के लिये एड़ी चोटी का जोर लगाये हुये है। 7 नवंबर 2024 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ह्यज्ञानह्ल व उसकी विचारधारा को भारतीय शिक्षा से जोड़ने का अथक प्रयास करने वाले, शिक्षा बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक दीनानाथ बत्रा का 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे एक राष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था विद्या भारती के महासचिव भी थे। बत्रा ने अपना सारा जीवन इसी तरह की बातों को सही साबित करने की कोशिशों में खपा दिया कि हवाई जहाज का अविष्कार राइट ब्रदर्स ने नहीं किया बल्कि यह भारतीय पौराणिक काल की उपलब्धि थी। इसी तरह टेलीविजन के अविष्कार को वे वर्तमान आधुनिक विज्ञान की देन नहीं मानते थे बल्कि इसे महाभारतकाल के पहले की भारतीय खोज बताते थे। ऐसे सैकड़ों विज्ञान सम्मत बातों पर उनके निजी विचार भले ही विश्व स्वीकार्य हों या न हों परन्तु भारत को कथित तौर से ह्यविश्वगुरुह्ल साबित करने के दिशा में ही एक उठाये गये कदम थे। परन्तु भारत को पुनः विश्वगुरु के रूप में विश्व में स्थापित करने की इन्हीं कोशिशों के बीच शायद हम यह भूल जाते हैं कि विश्व का नेतृत्व करने की आकांक्षा रखने वाले हमारे देश के अपने नागरिकों की जान माल आखिर कितनी सुरक्षित है? और दशकों से इंसानी जान से खिलवाड़ करने वाली ऐसी कमजोर कड़ियों से निपटने का हमने अब तक क्या उपाय किया है? कोई उपाय किया भी है या नहीं? या सत्ता इस बात को ही अंगीकार कर चुकी है कि बिना सुरक्षित उपायों के ही जब जनता को आसानी से मूर्ख बनाया जा सके तो ऐसे किसी उपायों की जरुरत ही क्या है? मिसाल के तौर पर बोरवेल में बच्चों के गिरने की देश में कितनी घटनाएं हो चुकीं। कहीं जांबाज सहायता कर्मियों ने अपने अथक प्रयासों से बच्चे को बोरवेल से बाहर निकाल कर उन्हें बचाया तो कई जगह बच्चों को बचा पाना संभव नहीं हो सका। परन्तु ऐसे खबरों का सिलसिला आज भी थमा नहीं है। कहीं मेन होल टूटने या उसका ढक्कन न होने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं के कारण लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है तो कभी इसी मेन होल की सफाई करते समय कोई सफाई कर्मचारी जहरीली गैस के कारण अपनी जान से हाथ धो बैठता है। जगह जगह सड़कों पर बने गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। सांड़, गाय व आवारा कुत्ते तो देश के किसी न किसी भाग में रोजाना राहगीरों की जान लेते ही रहते हैं। इन्हीं आवारा पशुओं के कारण अनेक दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कभी कभी तो ट्रेन हादसों की भी झड़ी सी लग जाती है। कभी 30 अक्टूबर 2022 की गुजरात के मोरबी नामक शहर के मच्छु नदी में बने मोरबी पुल टूटने जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित होती है जिसमें 141 लोगों की नदी मन बह जाने से मौत हो जाती है। तो कभी अस्पतालों में यहाँ तक कि बच्चों के अस्पतालों में आग लग जाती है जिसमें जीवित शिशु झुलस कर मर जाते हैं। ऑक्सीजन की कमी या अभाव से भी लोगों के मरने की खबरें आती ही रही हैं। ऐसे और भी अनेक कारणों से ह्यविश्वगुरुह्ल देश के वासी स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करते। इंसान की जान से खिलवाड़ करने वाली सरकारी लापरवाही की ऐसी ही एक दिल दहलाने वाली घटना पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के बरेली के निकट फरीदपुर - बदायूं मार्ग पर स्थित राम गंगा नदी पर निमार्णाधीन एक पुल पर हुई। इस निमार्णाधीन पुल का रास्ता किसी अवरोध या संकेत के माध्यम से बंद नहीं किया गया था। उधर गूगल मैप ने भी इसी आधे अधूरे पुल का मार्ग बताया। उसी मार्ग पर शादी से लौट रहे तीन दोस्त अपनी बुलेरो गाड़ी से पूरी रफ़्तार से इसी विश्वास से चल पड़े कि चूँकि पुल का मार्ग खुला है और गूगल मैप भी यह रास्ता सुझा रहा है लिहाजा मार्ग चालू ही होगा। परन्तु वह अर्धनिर्मित पुल हवा में लटका हुआ था। नतीजतन तेज रफ़्तार बुलैरो नदी में जा गिरी जिससे तीनों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गयी और वाहन के भी चीथड़े उड़ गये। इस हादसे के बाद अब जानकारी मिल रही है कि रामगंगा नदी पर पिछले साल सितंबर में संपर्क मार्ग बह जाने के बाद से ही यह पुल अर्धनिर्मित अवस्था में ही पड़ा हुआ है। अब यह भी बताया जा रहा है कि लोक निर्माण विभाग ने रामगंगा नदी पर निमार्णाधीन पुल से पहले किसी तरह का बैरियर या अवरोध नहीं लगाया था। इस हादसे का जिम्मेदार पुल निर्माण करने वाली कंपनी, इसके ठेकेदार व प्रशासन की लापरवाही को भी बताया जा रहा है। वाहनों को पुल पर आने से रोकने के लिए लोगों को सावधान करने की गरज से यहां कोई बोर्ड, संकेत या सूचना नहीं लगाई गई है अथवा किसी तरह का अवरोध नहीं लगाया गया था। यहाँ तक कि संबंधित विभाग ने गूगल मैप पर रूट में बदलाव भी नहीं करवाया था। अर्थात यह पुल अर्धनिर्मित है इस बात की जानकारी गूगल पर अपडेट नहीं थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मामले में लोक निर्माण विभाग के चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस को दी गई तहरीर में गूगल मैप्स के क्षेत्रीय प्रबंधक को भी जिम्मेदार माना गया है। इसी तहरीर में आरोप है कि -लोक निर्माण विभाग के इन अधिकारियों ने जानबूझकर पुल के दोनों किनारों पर मजबूत बैरिकेडिंग, बैरियर या रिफ़्लेक्टर बोर्ड नहीं लगवाए, न ही रोड के कटे होने की सूचना के बोर्ड आदि लगवाए गए। बरेली में हुये इस हादसे के बाद जब खोजी पत्रकारों ने दूर दराज के ही नहीं बल्कि राजधानी दिल्ली के कई ऐसे पुल व फ़्लाई ओवर व एक्सप्रेस वे ढूंढ निकाले जो इसी तरह के हादसों को न्यौता देते हैं। इनमें भी कई जगह वाहनों को रोकने के लिये कोई संकेत या अवरोध नहीं है, कहीं पुलों पर गड्ढे हैं। आजादपुर, पंजाबी बाग, रजौरी गार्डन, मयूर विहार जैसे भीड़ भरे और जाम लगने वाले ऐसे इलाकों में भी प्रशासनिक लापरवाहियां सर चढ़ कर बोल रही हैं। सच पूछिये तो इन लपवाहियों के पीछे भी भ्रष्टाचार और प्रशासनिक गैर जवाबदेही ही मुख्य कारण है। इसलिये भले ही हम गगन चुंबी धार्मिक नारों की आवाजों में डूबकर स्वयं को कितना ही महान क्यों न समझने लगें और धर्म रुपी अफीम की चाशनी में डूबकर विश्व गुरु बनने के सपने लेते रहें परन्तु हकीकत में तो यही है विश्व गुरु भारत में इंसानी जान की कीमत?

राष्ट्रपति के अपमान से आहत भाजपा

मोदी जी खुशनसीब हैं कि उनका पाला राजेंद्र प्रसाद, राधाकृष्णन या जाकिर हुसैन जैसे महनुभवों से नहीं पड़ा। उनके हिस्से में वीवी गिरी, फखरुद्दीन अली अहमद या नीलम संजीव रेड्डी जैसे विद्वान राष्ट्रपति नहीं आये। काश कि मोदी जी का सामना ज्ञानी जेल सिंह, आर वैंकट रमन, डॉ शंकर दयाल शर्मा या के आर नारायण से पड़ा होता। उनके हिस्से में प्रणब मुखर्जी, रामनाथ कोविद और श्रीमती मुर्मू आये। खैर। भगवान न करे की कोई हमारी राष्ट्रपति का अपमान करे, फिर चाहे वे राहुल गांधी हों या नरेंद्र दामोदर दास मोदी। इस बारे में और ज्यादा तर्क -कुतर्क की गुंजाईश है नहीं।

राकेश अचल
लेखक

राष्ट्रपति महोदया का अपमान कोई भी करे तो हर कोई आहत हो सकता है। भाजपा भी इसमें शामिल है, लेकिन मै भाजपा को इसके लायक नहीं मानता कि वो राष्ट्रपति के कथित अपमान को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुलगांधी पर निशाना साधे। ये तो ठीक वैसा ही मामला है कि पहला पत्थर वो ही मार सकता है जिसने पाप न किया हो, जो पापी न हो। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर समारोह का वीडियो क्लिप शेयर करते हुए बीजेपी नेता अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि राष्ट्रगान के दौरान कांग्रेस नेता का ध्यान कहीं और था। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मंगलवार को संसद में संविधान दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिवादन न करके उनका अपमान करने का आरोप लगाया। जाहिर है कि खुद अमित मालवीय का ध्यान राष्ट्रगान के दौरान राहुल गांधी पर था राष्ट्रगान पर नहीं। अमित मालवीय ने कार्यक्रम के दो वीडियो साझा किए, जिनमें से एक में राष्ट्रगान बजते समय राहुल गांधी को बगल में देखते हुए दिखाया गया है, जबकि अन्य नेता या तो सीधा या नीचे की ओर देखते हुए सावधान की मुद्रा में खड़े थे. एक अन्य वीडियो में राहुल गांधी कुर्सी पर बैठे हुए दिख रहे हैं, जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और अन्य नेता मंच पर खड़े हैं. वीडियो में राहुल गांधी को राष्ट्रपति मुर्मू का अभिवादन किए बिना मंच से उतरते हुए भी दिखाया गया है। भाजपा यदि मानती है कि राहुल गांधी ने राष्ट्रपति का अपमान किया है तो हम भी राहुल गांधी की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन उसे भाजपा नेताओं और खुद प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी द्वारा किये गए राष्ट्रपति के अपमान के लिए मोदी जी की आलोचना करना होगी। क्योंकि मोदी जी शुरू से अंत तक राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू का अपमान करते आये हैं। मोदी जी द्वारा राष्ट्रपति के अपमान की कोई एक घटना हो तो उसकी अनदेखी भी की जा सकती है लेकिन दुर्भाग्य से मोदी जी ये अपराध बार-बार करते आये हैं। आइये आपको मोदी जी द्वारा राष्ट्रपति के अपमान की कुछ चुनिंदा घटनाओं से रूबरू कराता हूँ। आपको याद होगा कि इस देश में जब नया संसद भवन बना तो उसके भूमि पूजन से लेकर लोकार्पण के समारोह तक में राष्ट्रपति महोदया को आमंत्रित नहीं किया गया, उनसे लोकार्पण करना तो दूर की बात है, जबकि वे संसद के दोनों सदनों की नेता मानी जाती हैं, लेकिन मोदी जी शायद ऐसा नहीं मानते। उनकी सरकार है, वे जो चाहे करने के लिए स्वतन्त्र हैं। भाजपा की राजनीति का केंद्र रहे अयोध्या के राम मंदिर के शिलान्यास और प्राण -प्रतिष्ठा समारोह में भी माननीय राष्ट्रपति को नहीं पूछा गया, क्योंकि इन दोनों ही अवसरों पार मोदी जी ही अपने आपको राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मान बैठे। या वे किसी आदिवासी के हाथों से ये महान कार्य करना नहीं चाहते थे। वे आदिवासियों को हमेशा जूठन परोसते आये है। इसकी ताजा मिसाल है आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा को सराय काले खान देकर लुभाने की कोशिश। ये तो गनीमत हैकिमुंडा कि वंशजों ने झारखण्ड में इस चल को कामयाब नहीं होने दिया। राष्ट्रपति का सबसे बड़ा अपमान तो तब हुआ जब भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेता माननीय लालकृष्ण आडवाणी साहब को भारत रत्न दिया जा रहा था तब माननीय प्रधानमंत्री कुर्सी पर विराजे थे और राष्ट्रपति महोदया खड़ी हुई थीं। सारे देश ने ये अपमानजनक तस्वीरें देखीं , लेकिन किसी भाजपाई ने मोदी जी को नहीं टोका। किसी की हिम्मत ही नहीं है जो मोदी जी को टोक सके। मोदी जी ने तो राष्ट्रपति महोदया को केवल दही -शक्कर चखने के लिए ही पात्र माना है। हमारे देश में एक पुरानी रिवायत रही है कि प्रधानमंत्री जब भी कोई विदेश यात्रा करते हैं तब जाने से पहले और आने के बाद राष्ट्रपति से सौजन्य भेंट कर उन्हें अपनी विदेश यात्रा के बारे में रिपोर्ट करते हैं, लेकिन माननीय मोदी जी ने ये परम्परा जान-बूझकर तोड़ दी। ठीक वैसे ही जैसे की विदेश यात्राओं पर प्रेस को ले जाने की परम्परा तोड़ी गयी। मोदी जी प्रेस से डरते हैं और राष्ट्रपति से भी। उन्हें लगता है कि कहीं राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू में पूर्व राष्ट्रपति राधाकृष्णन या जेल सिंह की आत्मा प्रवेश न कर जाये। आपको याद होगा कि तत्कालीन राष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक बार तत्कालीन रक्षा मंत्री मेनन को हटाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को विवश कर दिया था और जेल सिंह ने राजीव गांधी सरकार को एक विधेयक पर तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गाँधी सरकार के पसीने छुटा दिए थे। मेरे दीर्घकालिक अनुभव में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ जब किसी प्रधानमंत्री ने किसी राष्ट्रपति का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए किया हो, लेकिन माननीय मोदी जी ने ऐसा किय। उन्होंने मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले माननीय राष्ट्रपति को दो बार मध्यप्रदेश के आदिवासियों के बीच भेजा क्योंकि वे आदिवासियों को लुभाना चाहते थे। भाजपा ने बार-बार राष्ट्रपति के आदिवासी होने को भुनाने की कोशिश की है , क्या इसे राष्ट्रपति का अपमान नहीं माना जाना चाहिए? किसी राष्ट्रपति के साथ अतीत में ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस के जमाने में भी नहीं। दरअसल हमारे यहां राष्ट्रपति का पद एक रिवायती पद है, हमारे यहां ये धारणा बना दी गयी है कि राष्ट्रपति की हैसियत किसी रबर स्टाम्प से ज्यादा नहीं होती। लेकिन याद कीजिये कि क्या आजादी के बाद जितने भी राष्ट्रपति हुए वे सब रबर स्टाम्प थे? तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के युग में भी राष्ट्रपति की गरिमा थी, भले ही वे सचमुच रबर स्टाम्प बना दिए गए थे। मैंने देश के 15 में से 12 राष्ट्रपतियों को देखा है। अनेक से रूबरू मिला भी हूँ लेकिन जैसी दुर्गति मौजूदा राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू की मोदी युग में हुई है किसी और की नहीं हुई या की गयी। इसके लिए मुर्मू जी दोषी नहीं हैं। वे सीधी-सादी महिला हैं। वे सियासत नहीं करतीं।

विट्ठल मंदिर के स्तंभ से निकलती है संगीत के स्वर

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

हम्पी कर्नाटक के तुंगभद्रा नदी के तट पर आंध्र प्रदेश के साथ राज्य की सीमा के पास स्थित है। हम्पी को पारंपरिक रूप से पंपा क्षेत्र, किष्किंधा क्षेत्र और भास्कर क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। हम्पी में विट्ठल मंदिर दक्षिण भारत के प्रसिद्ध स्थानों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण राजा कृष्णदेव राय ने करवाया था। यह मंदिर विष्णु भगवान के वाहन गरूड़ को समर्पित है । हम्पी दुनिया के सबसे बेहतरीन और प्रसिद्ध विश्व धरोहर स्थलों में से एक है।

यह मंदिर भगवान विष्णु के अवतार विट्ठल के रूप में जाना जाता है और यह अद्भुत पत्थर की विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है। हम्पी कभी विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हुआ करता था। इसलिए इसे श्री विजय विट्ठल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। विट्ठल मंदिर का निर्माण 15वीं और 16वीं शताब्दी के आसपास हुआ था। उस समय राजा कृष्णदेव राय का शासनकाल था। विट्ठल मंदिर विशाल रंग मंडप के साथ-साथ 56 विभिन्न संगीतमय स्तंभ और पास ही में बना पत्थर का रथ शामिल है।

उन 56 स्तंभों में से एक स्तम्भ सा-रे गा-मा स्तंभ के रूप में प्रसिद्ध है और ऐसा माना जाता है कि स्तंभ संगीत के सभी सात स्वरों को उत्पन्न करता है। यह समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थापत्य स्मारकों के साथ कई खंडहरों और शानदार नक्काशी के लिए भी जाना जाता है। विट्ठल मंदिर का 56 स्तंभ मंडप की छत को सहारा प्रदान तो करता ही, साथ ही, यह स्तंभ अलग अलग स्वर उत्पन्न करता है, क्योंकि अन्य वाद्य यंत्र की ध्वनियों की तरह प्रतिध्वनित होता है। जब स्तंभ को थपथपाया जाता है तो संगीत का स्पष्ट स्वर सुनाई देता है। स्तंभों का नाम संगीत के नाम से संबोधित किया जाता है। यथा मृदंग, जलतरंग, तबला, डमरू, वीणा रखा गया है। स्तंभ पतले और कमल के आकार के मुकुट के साथ अधूरे दिखते हैं।

ये छोटे स्तंभ संगीत स्तंभों के तारों की तरह काम करता हैं। उन स्तंभों को अंगूठे या चंदन की लकड़ी से थपथपाने पर उनसे निकलने वाली संगीत सभी को आश्चर्य चकित करता है। कोई नहीं जानता कि स्तंभ से ध्वनि कैसे निकलती है। विठ्ठल मंदिर मूल दक्षिण भारतीय का द्रविड़ (वास्तुकला) मंदिरों की स्थापत्य शैली का प्रतिनिधित्व करता है। मंदिर आयताकार घेरे में 164 मीटर गुणा 94.5 मीटर में बना हुआ है।

इसमें 56 स्तंभ हैं। प्रत्येक स्तंभ 3.6 मीटर ऊंचा है और ठोस ग्रेनाइट से बना हुआ है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलूरु के सदस्य आर्किटेक्ट का मानना है कि कोई भी ध्वनि केवल एक खोखली चीज से ही उत्पन्न नहीं होगी, बल्कि उन्होंने जोर देकर कहा है कि एक ठोस चीज से भी ध्वनि उत्पन्न हो सकती है। तीन हजार ईसा पूर्व से पाषाण युग के अंत में, बजने वाले या घंटी बजाने वाले पंत्बर या लिथोफोन थे। पत्थरों में संगीतमय ध्वनियां होती थी।

जब उन पर थपथपाया या उस पर मारा जाता था तो उससे घंटी की तरह आवाज निकलती थी। वास्तुकला की भव्यता विट्ठल मंदिर में एक विशाल परिसर, लंबे हॉल और मंदिरों के लिए सुंदर मंडप हैं। ऐसा माना जाता है कि महामण्डप हॉल का एक हिस्सा 1565 में आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया गया था, जबकि शेष भाग में दक्षिणी, उत्तरी और पूर्वी हॉल अच्छी तरह से संरक्षित है, जबकि केंद्रीय पश्चिमी हॉल आशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

उत्पन्ना एकादशी पर किया श्रीहरि नाम संकीर्तन

अमरोहा।उत्पन्ना एकादशी पर श्रीगिरिराज सेवा समिति के संयोजन में श्रीहरि नाम का संकीर्तन किया गया। स्थानीय वंशीधर मंदिर में समिति अध्यक्ष वेद प्रकाश भार्गव ने दीप प्रज्ज्वलित कर सभी देवी-देवताओ का आह्वान किया। उत्पन्ना एकादशी व्रत के महत्व की जानकारी दी। वेद प्रकाश भार्गव, पंकज वर्मा बाबी, प्रदीप भटनागर, रवि रस्तौगी, अंकित गोयल, नीरज प्रजापति, सिम्मी सेठ, निष्ठा माहेश्वरी, कुसुम भार्गव, नीतू रस्तौगी आदि श्रद्धालुओं ने भजनों का गायन कर वातावरण भक्तिमयी बना दिया। समापन पर आरती कर प्रसाद का वितरित किया गया। इस दौरान यजमान देवदत्त शर्मा, पिंकी शर्मा, अनिल माहेश्वरी, नवनीत माहेश्वरी, नीरज माहेश्वरी, सन्नी शर्मा, शैली शर्मा, दर्श शर्मा, सुबोध रस्तौगी, अनुज माहेश्वरी, दलीप भार्गव, संजय रस्तौगी आदि समिति पदाधिकारी मौजूद रहे।

265 विद्यार्थियों को साक्षात्कार के बाद मिला रोजगार

धनौरा।वाईएमएस पीजी कॉलेज में बुधवार को वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। शुभारंभ पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित किया। यहां 432 साक्षात्कार के सापेक्ष 265 छात्र-छात्राओं को रोजगार के लिए चयनित किया गया। इस दौरान प्रबंधक रियाज अहमद, प्राचार्य डा.एके सिंह, शीबा फरीदी, नाहिदा परवीन, सोहन सिंह आदि रहे।

मुख्य मार्ग पर पसरी गंदगी, ग्रामीण परेशान

हसनपुर।ब्लाक क्षेत्र के गांव करनखाल में मुख्य मार्ग पर लंबे समय से गंदगी व कीचड़ पसरी है।ग्रामीणों संग राहगीरों का आवागमन दुश्वार बना है। चीनी मिल की ओर जाने वाली गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रालियों को भी निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने समस्या के समाधान की मांग की है। गौरतलब है कि करनखाल से शाहपुर कलां और गंगाचोली के अलावा दयावली खालसा गंगा तटबंध तक करीब दर्जनभर से ज्यादा गांवों को जोड़ने वाले इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीणों का आवागमन रहता है। पूर्व में जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों से शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों के बीच रोष बना है। प्रेम, हरपाल सिंह, गोविंद सिंह, भगीरथ आदि ग्रामीणों ने जल्द समस्या के समाधान कराने की मांग की है।

दहेज में बुलेट और नकदी मांगने में पति समेत पांच पर केस

अमरोहा।ससुराल में विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। विरोध जताने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट की। मांग पूरी न होने पर घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। शहर के मोहल्ला सराय कोहना निवासी स्व. तुफैल अहमद की बेटी रिजवाना की शादी तीन फरवरी 2020 को बुलंदशहर के अहमदगढ़ अड्डा निवासी नदीम से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल में रिजवाना को दहेज प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा। कम दहेज लाने के तानों का विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाने लगी। बीती 16 अक्तूबर को ससुराल पक्ष के लोगों ने रिजवाना को दो बच्चों के साथ घर से निकाल दिया। दहेज में बुलेट और एक लाख की मांग की। विवाहिता तभी से मायके में पिता के घर में रहती है। आरोप है कि 20 अक्तूबर की दोपहर रिजवाना घर में मौजूद थी, तभी ससुराल वाले घर में घुस आए और दहेज की मांग दोहराने लगे। विरोध जताने पर मारपीट की। शोर मचाने पर लोगों की भीड़ जमा होती देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। आरोपियों ने तीन तलाक देने की धमकी भी दी। पीड़िता ने शिकायत एसपी से की। प्रभारी निरीक्षक पंकज तोमर ने मामले में आरोपी पति नदीम, ससुर इश्हाक, सास शहनाज, ननद निशा व नाहिद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही।

बाल विवाह रोकने गांव पहुची बाल संरक्षण इकाई एवं पुलिस टीम

अमरोहा। जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि 25 नवम्बर अज्ञात व्यक्ति द्वारा प्रार्थना पत्र के माध्यम से प्राप्त बाल विवाह सम्बन्धी शिकायत के कम में ग्राम सुबरा थाना आदमपुर तहसील हसनपुर जनपद अमरोहा में होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिए जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार महिला कल्याण विभाग की टीम जिला प्रोबेशन अधिकारी बाल कल्याण समिति, बाल सरंक्षण इकाई एव पुलिस विभाग की टीम द्वारा ग्राम में होने वाले विवाह को रूकवाया गया। टीम द्वारा ग्राम में पहुँच कर पाया गया कि ग्राम सुबरा में विवाह की तैयारी चल रही थी बारात आने की तैयारी हो रही थी। टीम ने विवाह को रोक कर बालिका तथा परिवार को बाल कल्याण समिति के सामने विकास भवन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जहाँ बालिका के परिवार को बाल विवाह से सम्बन्धित नियमो से अवगत कराते हुये पूर्ण कार्यवाही की गयी। परिवार को बाल विवाह न करने हेतु चेतावनी देते हुये बाल विवाह न करने हेतु निर्देश दिये गये। महिला कल्याण की टीम द्वारा बाल विवाह रोक कर जनपद मे सराहनीय कार्य किया एवं सन्देश दिया गया कि बाल विवाह एक अपराध है। 18 वर्ष से कम आयु की बालिका एवं 21 वर्ष के बालका का विवाह करना दण्डनीय अपराध है।

2027 तक योगी सरकार तिलहन के मामले में यूपी को आत्मनिर्भर बनाने को प्रतिबद्ध

प्रात : किरण, संवाददाता

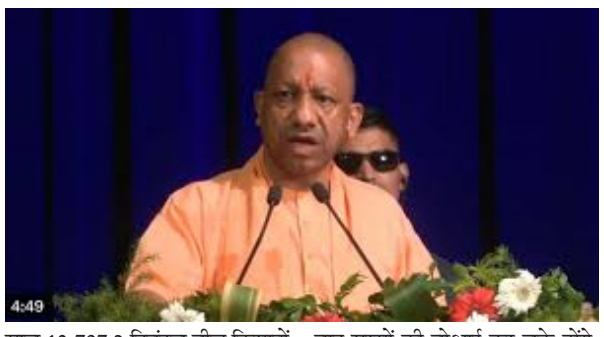

लखनऊ,। योगी सरकार के लगातार प्रोत्साहन से सात साल में तिलहन की उपज में दोगुने से अधिक की वृद्धि हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017-2018 में तिलहन की उपज 13.62 मिट्रिक टन थी, जो 2023-2024 में बढ़कर 28.15 मिट्रिक टन हो गई। इस साल (2024-205) के आंकड़े आने पर इसमें और बढ़त संभव है। यह सब मुमकिन हुआ योगी सरकार के तिलहन के उत्पादन में वृद्धि की प्रतिबद्धता के चलते। साथ ही इसमें केंद्र सरकार का भी लगातार सहयोग रहा। तिलहन के मामले में 2026-2027 तक उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर हो जाए, यह योगी सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर इन फसलों की खरीद के साथ सरकार हर साल मिनी किट के रूप में किसानों को बेहतर उपज वाले उन्नत किस्म के निःशुल्क बीज भी मुहैया करवा रही है। इस क्रम में पिछले साल 10,797.2 क्विंटल बीज किसानों को दिए गए थे। इस साल 1,11,315.6 क्विंटल बीज मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रगतिशील किसानों के यहां इन बीजों का खेतों में प्रदर्शन और किसान पाठशालाओं के जरिए विशेषज्ञों द्वारा खेती के उन्नत तौर-तरीकों की जानकारी भी सरकार लगातार मुहैया करा रही है। किसानों को यह भी बताया जा रहा है कि इसमें परंपरागत खेती की तुलना में लागत कम, लाभ अधिक है। यही नहीं, रबी के सीजन में जो किसान दशहरे के बाद सरसों की बोआई कर चुके होंगे, उनको मार्च में फसल की कटाई के बाद रबी और खरीफ के बीच जायद की एक अतिरिक्त फसल लेने का भी मौका मिल जाता है। खासकर उड़द और मूंग की। इससे अतिरिक्त आय तो होती ही है, दलहनी फसल होने के कारण जमीन में प्राकृतिक रूप से नाइट्रोजन फिक्सेशन का लाभ खरीफ की फसल में अलग से होता है। किसान देखकर तिलहन की फसलों की उन्नत खेती के बाबत सीखें, इसके लिए प्रगतिशील किसानों के फील्ड में प्रदर्शन भी हो रहे हैं। साथ ही किसान पाठशाला में भी एक्सपर्ट किसानों को रोग एवं कीट प्रतिरोधी उन्नत प्रजाति, खेत की तैयारी से लेकर बोआई के तरीके, फसल संरक्षण के उपाय एवं भंडारण के बारे में बताएंगे, ताकि रकबे के साथ उसी अनुपात में उत्पादन भी बढ़े। इस पूरे कार्यक्रम पर सरकार चार साल में तिलहन का रकबा और उत्पादन बढ़ाने पर 114.58 करोड़ रुपये खर्च करेगी। सरकार को उम्मीद है कि इससे तिलहनी फसलों का आच्छादन 20.51 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 22.63 लाख हेक्टेयर हो जाएगा। अपने दूसरे कार्यकाल के तुरंत बाद (अप्रैल 2022) सीएम योगी ने एक समीक्षा बैठक में निर्देश दिया था कि अगले पांच साल में प्रदेश को दलहन और तिलहन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुकम्मल योजना तैयार करें। तभी से इस पर काम भी शुरू हो गया था। इसके लिए प्रमाणित एवं आधारीय बीजों का आवंटन बढ़ा दिया गया था।

कार ने मारी मोटरसाइकिलों को टक्कर दंपति समेत तीन लोगों की मौत

प्रात : किरण, संवाददाता

बाराबंकी,। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के लोनीकटरा क्षेत्र में मंगलवार रात एक तेज रफ्तार कार सामने से आ रही दो मोटरसाइकिलों को जोरदार टक्कर मारते हुए पलट गई। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार लखनऊ के एक दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि लोनीकटरा थाना क्षेत्र में खैराबीरू गांव के पास एक तेज रफ्तार कार सामने से आ रही दो मोटरसाइकिलों को टक्कर मारकर खड्डु में पलट गई। उन्होंने बताया कि टक्कर इतनी तेज थी कि एक मोटरसाइकिल पर सवार लखनऊ के हरदोईया निवासी पवन वर्मा (39) और उसकी पत्नी सीमा वर्मा (35) सूखी नहर में जा गिरे। वहीं दूसरा मोटरसाइकिल सवार सुरेश कुमार (48) खड्डु में जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। काफी मशक्कत के बाद पति-पत्नी को नहर से बाहर निकाला गया। सूत्रों ने बताया कि हादसे में पवन वर्मा और सुरेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस बीच कार सवार लोग वाहन से निकलकर मौके से फरार हो गए। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने महिला को गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र त्रिवेदीगंज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महिला को भी मृत घोषित कर दिया। सूत्रों के अनुसार पवन वर्मा अपनी पत्नी के साथ लोनीकटरा थाना क्षेत्र के गुरुदत्तखेड़ा गांव में किसी धार्मिक समारोह में शामिल होने आए थे। लौटते समय उनका वाहन हादसे का शिकार हो गया। सुरेश कुमार भी उनके साथ अपनी बाइक से समारोह से लौट रहे थे। वह पवन के रिश्तेदार थे। थाना प्रभारी दोमित्र सेन रावत ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं और फरार कार सवार लोगों का पता लगाया जा रहा है।

सीसामऊ से नवनिर्वाचित विधायक नसीम सोलंकी ने ली शपथ

प्रात : किरण, संवाददाता

लखनऊ,। कानपुर की सीसामऊ सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) की नवनिर्वाचित विधायक नसीम सोलंकी ने बुधवार को विधानसभा की सदस्यता की शपथ ली। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक गत 23 नवंबर को सीसामऊ सीट से सपा के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुई नसीम सोलंकी को विधानभवन में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सदन की सदस्यता की शपथ दिलायी। नसीम ने शपथ लेने के बाद जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह पूरे समर्पण से अवाम की सेवा करेंगी। उन्होंने कहा,क्षेत्र का विकास करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। पिछले दो सालों से विकास कार्य रुके हुए हैं। मैं चुनाव जीतने के बाद घर पर नहीं बैठूंगी बल्कि लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याएं हल करने के लिये काम करूंगी। नसीम ने सीसामऊ विधानसभा सीट के लिये गत 20 नवंबर को हुए उपचुनावों में जीत हासिल की थी। यह सीट उनके पति इरफान सोलंकी को एक आपराधिक मामले में सात साल कैद की सजा सुनाये जाने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द किये जाने के चलते खाली हुई थी। राज्य की नौ विधानसभा सीट पर हाल में सम्पन्न उपचुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली के सपा के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर नसीम ने कहा, ह्मतदान के दिन पुलिस प्रशासन ने मतदाताओं को वोट डालने से रोका। उपचुनाव में सपा प्रत्याशी नसीम को 69 हजार 714 वोट मिले थे, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के सुरेश अवस्थी को 61 हजार 150 मत प्राप्त हुए थे।

संभल घटना पर बोले भूपेंद्र चौधरी, दो परिवारों के वर्चस्व की लड़ाई, सपा कर रही है भड़काने का काम

प्रात : किरण, संवाददाता

लखनऊ,। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने संभल में हुए बवाल पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह दो परिवारों के राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले में समाजवादी पार्टी भड़काने का काम कर रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि न्यायालय के आदेश पर एक टीम सर्वे करने गई थी। इस पर सपा के नेताओं द्वारा वहां के लोगों को भड़काकर टीम पर पथराव किया गया। इससे माहौल खराब हुआ है। यह दो परिवारों के वर्चस्व की लड़ाई है। उन्होंने कहा, गहनता से इस पर जांच हो रही है और दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। जिन्होंने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। उस पर विधि सम्मत कार्यवाही होगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज संगठन महापर्व 2024 की दूसरी कार्यशाला है। हम सब अपनी स्थानीय समिति के बूथों को गठन करने के अंतिम चरण के काम में पहुंचे है। उन्होंने कहा कि सक्रिय सदस्यता अभियान को भी हमने पूरा किया। इस चरण में मंडल स्थल के गठन और जिले स्थल की गठन की प्रक्रिया का गठन किस प्रकार करना है, उसकी चर्चा हम करेंगे। दिसंबर माह में मंडल गठन की प्रक्रिया पूरा करेंगे। अगले माह में प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया पूरी करेंगे। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश के संभल जिले में बीते दिनों शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण के दौरान हुए बवाल के बाद पत्थरबाजों और उपद्रवियों की तलाश जोरों पर हो रही है। इसके साथ ही हिंसा करने वालों पर यूपी सरकार ने सख्ती बरतने की बात कही है। पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर सार्वजनिक रूप से लगाए जा सकते हैं। इसके साथ ही नुकसान की उपद्रवियों से वसूली की जा सकती है। जरूरी हुआ तो उपद्रवियों पर इनाम भी घोषित हो सकता है।

कर्ज चुकाने के लिये पड़ोस के बच्चे का किया अपहरण, फिरौती न मिलने पर की हत्या

प्रातः किरण संवाददाता

सुलतानपुर,। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में फिरौती के लिये पड़ोसी द्वारा 11 साल के एक लड़के की कथित तौर पर अपहरण कर उसकी हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि पड़ोसी ने अपना कर्ज चुकाने के लिये लड़के का अपहरण कर पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी थी और राशि नहीं मिलने पर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। शहर कोतवाल नारदमुनि सिंह ने बुधवार को बताया कि यह घटना गांधी नगर इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि मोहम्मद शकील नामक व्यक्ति ने शिकायत की कि उसका 11 वर्षीय बेटा ओसामा सोमवार की रात एक शादी समारोह में शामिल होने के लिये गया था लेकिन वापस नहीं लौटा। बाद में किसी ने फोन कर उसे छोड़ने के एवज में पांच लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता के मुताबिक सुबह ओसामा का शव उसके घर के सामने रहने वाले आसिफ के घर में मिला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सिंह ने बताया कि आसिफ पर पांच लाख रुपये का कर्ज था जिसे चुकाने के लिये उसने ओसामा का अपहरण कर फिरौती मांगी थी और राशि नहीं मिलने पर उसने बच्चे की गला घोंटकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

संभल हिंसा पीड़ित से कोरे कागज पर दस्तखत लेने के मामले पर संज्ञान ले उच्चतम न्यायालय : अखिलेश

प्रातः किरण संवाददाता

लखनऊ,। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उच्चतम न्यायालय से संभल हिंसा में मारे गये एक व्यक्ति के भाई को पुलिस द्वारा मीडिया में बयान नहीं देने की धमकी देते हुए उससे कोरे कागज पर दस्तखत कराने के आरोपों पर संज्ञान लेने का अनुरोध किया। यादव ने एक्सपर एक पोस्ट के जरिये उच्चतम न्यायालय से मामले में हस्तक्षेप का अनुरोध करते हुए एक खबर की प्रति भी संलग्न की। खबर के मुताबिक, संभल हिंसा के दौरान मारे गये नईम नाम के व्यक्ति के भाई तस्लीम ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मीडिया में बयान नहीं देने की धमकी देते हुए उससे कोरे कागज पर अंगूठे का निशान लिया। तस्लीम ने आरोप लगाया कि वह अनपढ़ है और उसे नहीं पता था कि पुलिस उस कोरे कागज पर क्या लिखेगी, जिस पर उससे अंगूठा लगवाया गया है। यादव ने कहा, किसी को धमकाकर कोरे कागज पर अंगूठा लगवाना भी गुनाह है। माननीय उच्चतम न्यायालय तत्काल संज्ञान ले और दोषी शासन-प्रशासन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई कर इस घटना के लिए जिम्मेदार सभी को सजा दे। उन्होंने कहा, न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा।ह्व पुलिस ने यादव के आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। संभल नगर के कोट पूर्वी मुहल्ले में रविवार को जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसक झड़प में नईम, बिलाल, नोमान और कैफ नामक युवकों की मौत हो गई थी। हिंसा में मारा गया नईम मिठाई की दुकान करता था तो वहीं हयातनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला बिलाल स्थानीय सुपरमार्केट में कपड़े की दुकान में काम करता था और नखासा थाना क्षेत्र का रहने वाला कैफ साप्ताहिक बाजार में सौंदर्य प्रसाधन का सामान बेचता था। नईम के भाई तसलीम ने बताया, जब यह घटना हुई तब वह (नईम) किराने का सामान लेने गया था। उसे घटना के बारे में पता भी नहीं चला। पुलिस ने उसे मार डाला।ह्व नईम के दो बेटे और दो बेटियां हैं। संभल में अदालत के आदेश पर 19 नवंबर को जामा मस्जिद का पहली बार सर्वे होने के बाद से ही संभल में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। अदालत ने जिस याचिका पर सर्वे का आदेश दिया उसमें दावा किया गया था कि जिस जगह जामा मस्जिद है, उसी स्थान पर पहले कभी हरिहर मंदिर था। रविवार को सर्वेक्षण दल के दोबारा काम पर लौटने पर बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के पास एकत्र हुए और नारेबाजी करने लगे, जिसके बाद हिंसा भड़क उठी। भीड़ ने वाहनों में आग लगा दी और पथराव किया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई जबकि सुरक्षाकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों समेत करीब 25 लोग घायल हुए। पुलिस ने इस मामले में अब तक सात मुकदमे दर्ज कर 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क और पार्टी के क्षेत्रीय विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

संभल हिंसा में शामिल उपद्रवियों की तस्वीरें वायरल

प्रातः किरण संवाददाता

संभल,। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुए बवाल के बाद पत्थरबाजों और उपद्रवियों की तलाश जोरों पर हो रही है। बवाल में शामिल लोगों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। प्रशासन की तरफ से पहले ही इनके पोस्टर लगाने की बात कही जा चुकी है। संभल बवाल में उपद्रवियों की वायरल तस्वीरों में सबके चेहरे ढके हुए हैं। इन्होंने किसी रुमाल या किसी मफलर से अपना मुंह ढक रखा है। प्रशासन की तरफ से पहले ही हिंसा करने वालों पर यूपी सरकार ने सख्ती बरतने की बात कही है। पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर सार्वजनिक रूप से लगाए जा सकते हैं। इसके साथ ही उपद्रवियों से नुकसान की वसूली की जा सकती है। जरूरी हुआ तो उपद्रवियों पर इनाम भी घोषित हो सकता है। संभल हिंसा के गुनहगार किसी भी सूरत में बच नहीं पाएंगे। ज्ञात हो कि यूपी की योगी सरकार पहले ही उपद्रव करने वालों के खिलाफ नुकसान की वसूली और पोस्टर का अध्यादेश जारी कर चुकी है। डीआईजी मुनिराज ने कहा कि अब संभल की स्थित सामान्य हो रही है। लोग अपनी दुकानें खोल रहे हैं। दैनिक कार्य हो रहे हैं। पुलिस किसी निर्दोष को परेशान नहीं करेगी। दोषियों के खिलाफ ही कार्रवाई होगी। यह बार बार अपील की जा रही है। जनजीवन सामान्य हो रहा है। बाजारों में लोगों से संवाद किया जा रहा है। ज्यादातर दुकानें खोली जा रही हैं। इसके बाद जो नहीं खुली वो लोग बाहर शादी विवाह में गए हैं। वो लोग भी अपनी दुकानें खोलने जा रहे हैं। यहां स्थिति ठीक हो रही है। संभल हिंसा मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने बुधवार को तीन महिलाओं को भी गिरफ्तार किया है। इन महिलाओं पर उपद्रव में शामिल होने का आरोप है। ज्ञात हो कि संभल में मस्जिद पर सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद बुधवार को जनजीवन सामान्य होने लगा है। स्कूल खुल गए हैं और जरूरी सामान बेचने वाली कई दुकानें भी खुल गई हैं, हालांकि जिले में इंटरनेट सेवाएं अभी भी निलंबित हैं। प्रशासन ने हिंसा के बाद संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी है। पुलिस ने मुख्य चौराहों पर बल तैनात किया है और रैपिड एक्शन फोर्स को भी तैनात किया गया है।

हिंडन नदी में ट्रक गिरने से दो लोगों की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरनगर,। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना इलाके में बुधवार को एक ट्रक के हिंडन नदी में जा गिरने से ट्रक चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि लुधियाना से मिट्टी लेकर आ रहा एक ट्रक असंतुलित होकर नदी में गिर गया। इस हादसे में ट्रक चालक छोटे लाल और व्यापारी नील की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि ट्रक के मालिक जावेद और अजय नामक दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। दो घायल व्यक्तियों को बचा लिया गया और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। मृतकों के शव बरामद कर लिए गए हैं और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मंडल मुरादाबाद रेल प्रबंधक राज कुमार सिंह ने किया डासना, लाखन एवं खरखौदा स्टेशन का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुरादाबाद।मंडल मुरादाबाद रेल प्रबंधक राज कुमार सिंह ने मंडल के डासना, लाखन एवं खरखौदा स्टेशन का निरीक्षण किया और किये जा रहे। विकास कार्यों को गहनता से परखा। डासना स्टेशन पर स्टेशन का निरीक्षण कर यहाँ यात्री सुविधाओं को परखा तथा डासना में आटोमेटिक ब्लॉक सिंग्लिंग व्यवस्था (एबीएस) को शीघ्र स्थापित किया जाना है। ताकि परिचालन को आधुनिक रूप प्रदान कर रेल संचालन को और बेहतर बनाया जा सके क मंडल रेल प्रबंधक ने इस सम्बन्ध में सम्बंधित अधिकारियों से कार्य योजना के बारें में गहन चर्चा करते हुए जानकारी प्राप्त की तथा डासना एवं लाखन स्टेशन के मध्य लेबल क्रासिंग संख्या 90 सी का निरीक्षण किया।

लाखन स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग का निरीक्षण कर किये जा रहे कार्यों की गुणवत्ता एवं कार्य प्रगति की समीक्षा की तथा लाखन स्टेशन पर दो लूप रेल लाइन का कार्य की भी योजना है।

जिसके विषय में सम्बंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए कार्य योजना की जानकारी प्राप्त की कमंडल के खरखौदा स्टेशन का निरीक्षण कर यहाँ यात्री सुविधाओं को परखा तथा नई स्टेशन बिल्डिंग का निरीक्षण किया तथा हापुड़ स्टेशन के नजदीक बन रहे अंडर पास का भी निरीक्षण कर कार्य की समीक्षा की।

मंडल रेल प्रबंधक के निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (प्रथम) सुनील कुमार, वरिष्ठ मंडल अभियंता (चतुर्थ) रवि विक्रम सिंह, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी प्रशांत शर्मा, वरिष्ठ मंडल विधुत अभियंता (सामान्य)सचिन कुमार तथा मंडल के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड प्राचार्य हटाए गये, तीन कर्मी निलंबित

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ,। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की नवजात सघन देखभाल इकाई (एनआईसीयू) में हाल में लगी आग में 10 बच्चों की मौत के मामले में सरकार ने कार्रवाई करते हुए तीन कर्मियों को निलंबित कर दिया और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को हटा दिया। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक यह कार्रवाई प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर गठित चार सदस्यीय समिति की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गयी है। बयान के मुताबिक कार्रवाई के तहत जांच रिपोर्ट के आधार पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य नरेंद्र सिंह सेंगर को पद से हटाकर उन्हें चिकित्सा शिक्षा विभाग के महानिदेशालय से संबद्ध किया गया है। इसके साथ ही कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सचिन माहुर को आरोपपत्र देकर जवाब मांगा गया है। इसके अलावा कॉलेज के अवर अभियन्ता (विद्युत) संजीत कुमार, एनआईसीयू वार्ड की नर्सिंग प्रभारी सिस्टर संध्या राय एवं प्रमुख अधीक्षक सुनीता राठौर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बयान के अनुसार कॉलेज में बाल रोग विभागाध्यक्ष ओम शंकर चौरसिया, सर्जरी विभाग के सह-आचार्य कुलदीप चंदेल व विद्युत प्रभारी अधिकारी को आरोप पत्र देकर झांसी के मण्डलायुक्त को उनकी भूमिका की जांच सौंपी गयी है। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू वार्ड में 15 नवंबर को आग लगने से 10 बच्चों की मृत्यु हो गई थी। मामले की जांच के लिये उप-मुख्यमंत्री पाठक ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को महानिदेशक की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी गठित करने के आदेश दिए थे। पाठक ने कहा कि झांसी मेडिकल कॉलेज में हुई हृदय विदायक घटना को लेकर सरकार बेहद संवेदनशील है और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराई गई है।

संक्षिप्त खबरें

तीन दिसम्बर को होगा 76वीं पेंशन अदालत आयोजन

अमरोहा।अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन मुरादाबाद मंडल मुरादाबाद नाम जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार के सरकारी सेवकों की सेवानिवृत्ति पर उनकी पेंशन, पारिवारिक पेंशन, ग्रेच्युटी, राशिकरण, बीमा आदि के भुगतान में हो रहे विलम्ब एवं समस्याओं के निस्तारण के लिए 03 दिसम्बर पूर्वान्ह 11:30 बजे स्थान आयुक्त सभागार कक्ष में आयुक्त की अध्यक्षता में 76वीं पेंशन अदालत आयोजन किया जा रहा है। अतः ऐसे सभी पेंशनरों से अपेक्षित है कि निर्धारित प्रारूप अपने जनपद से सम्बन्धित कोषागार से प्राप्त कर तथा उसे पूर्ण कर राम्बन्धित कोषागार अथवा कार्यालय अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद में 28 नवम्बर तक तीन प्रतियों में प्राप्त करा दें। वाद प्रस्तुत करने वाले व्यक्तियों से यह भी अपेक्षित है कि वाद की एक-एक प्रति अपने सेवानिवृत्ति कार्यालय व विभागाध्यक्ष को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें। ऐसे पेंशनर जिन्होंने पूर्व में ही पेंशन अदालत में अपना वाद योजित कर रखा है उन्हें पुनः वाद योजित करने की आवश्यकता नहीं है उनके वाद पत्रों पर अलग से कार्यवाही की जा रही है।

कच्ची शराब बनाकर सप्लाई करने वाला आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, । कच्ची शराब बनाकर सप्लाई करने वाले आरोपी को पुलिस चौकी नवीन नगर की टीम ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बीस लीटर कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि पुलिस चौकी नवीन नगर की टीम गस्त के लिए चौकी क्षेत्र में मौजूद थी जो टीम को अपने गुप्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि ललन मुखिया कच्ची शराब बनाता है और.शराब को सप्लाई करने के लिए आए गा। जिसपर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने कच्चा चुंगी रोड़ फरीदाबाद पर नाका बंदी की जहां पर आरोपी गोबिन्दा काबू 20 लीटर कच्ची शराब बरामद की गई है। जिस पर आरोपी के खिलाफ थाना पल्ला में शराब तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी मजदूरी का काम करता है। आरोपी के साथ पूछताछ के बाद नियमानुसार कार्रवाई की गई।

कार की टक्कर से युवक की मौत, चार आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में नशे में धुत कार चालक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक कार में फंस गई और कार चालक 100 मीटर तक उसे घसीटता गया। जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने कार सवार 4 लोगों को पकडकर पुलिस के हवाले कर दिया। हादसा खेड़ी पुल के पास बाइपास रोड पर मंगलवार देर रात हुआ। मृतक की पहचान बंटी(26) के नाम से हुई। उसकी पत्नी की 2 साल पहले ही मौत हो चुकी है। बंटी का एक दो साल का बेटा है। बंटी बड़े भाई भोला ने बताया कि वह दोनों सेक्टर-14 की तरफ से आ रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक खेड़ी पुल के पास बाइपास रोड पर पहुंची।इसी दौरान बदरपुर बॉर्डर की तरफ आई तेज रफ्तार कार को देखकर उन्होंने अपनी बाइक को पहले ही रोक लिया। लेकिन कार सवार युवक ने खड़ी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बंटी और बाइक को कार चाल घसीटता गया। जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं कार सवार घटना के बाद कार को छोड़ कर भगाने लगे। लेकिन आसपास के लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। पास में ही खेड़ी पुल थाना है, लोगों ने उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने कार सवार चार युवाओं को हिरासत में लेकर कार को कब्जे में ले लिया है।

सुषमा स्वराज पुरस्कार के लिए पात्र महिलाएं करें 2 दिसंबर तक आवेदन : डीसी

फरीदाबाद, । डीसी विक्रम सिंह के बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए अनेक योजनायें चलायी जा रही हैं। इसी कड़ी में विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सुषमा स्वराज पुरुस्कार देने के लिए 2 दिसम्बर 2024 तक आवेदन मांगे हैं। ये पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2025 को दिया जायेगा। डीसी ने बताया कि राज्य द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली व महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिलाओं को सुषमा स्वराज पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 5 लाख रुपए नकद, एक प्रशस्ति पत्र और एक शाल शामिल है। जिला कार्यक्रम अधिकारी मीनाक्षी चौधरी ने बताया कि आवेदक का जन्म हरियाणा में हुआ हो और महिलाओं के हित के लिए काम करती हो। नामांकन करने के दौरान नामांकित व्यक्ति जीवित होना चाहिए।

संविधान का गला घोंटने वाले संविधान बचाने का ढिंढोरा पीट रहे: योगी आदित्यनाथ

प्रात: किरण, संवाददाता

प्रयागराज, । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के अगले दिन परोक्ष रूप से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने का काम किया था, आज वे लोग संविधान बचाने का ठेका लेकर ढिंढोरा पीट रहे हैं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने यहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 136वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा, संविधान की मूल प्रति में कहीं भी पंथ निरपेक्ष और समाजवादी शब्द नहीं है। कहीं भी ये दो शब्द नहीं हैं। ये शब्द तब जोड़े गए जब संसद भंग थी, न्यायपालिका के अधिकार शून्य कर दिए गए थे। लोकतंत्र पर कुठाराघात हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने कहा, जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने का काम किया था, आज वे लोग ढिंढोरा पीट रहे हैं कि संविधान खतरे में है, लोकतंत्र खतरे में है। प्रश्न उठता है कि समाज इन लोगों को मूल्यांकन कब करेगा जो स्वयं लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा,इन्होंने संविधान में छेड़छाड़ करने का कुत्सित प्रयास ही नहीं किया, बल्कि लोकतंत्र को पूरी तरह से पंगु बनाने का प्रयास किया। भारतीय मनीषियों ने धर्म को उपासना का पर्याय कभी नहीं बनाया था। धर्म की बहुत विराट परिभाषा है। मुख्यमंत्री ने कहा, भारत का संविधान कर्तव्य, सदाचार और नैतिक मूल्यों का प्रवाह है जिस पर व्यक्ति और समाज का जीवन टिका है, वही धर्म है। भारतीय मनीषियों ने धर्म को संकीर्ण करके किसी दायरे में कभी नहीं रखा। उन्होंने कहा, आज इन युवाओं के आदर्श कौन हों.. समाजवाद के नाम पर परिवारवाद की चाटुकारिता करने वाले? आखिर क्या कहा था राम मनोहर लोहिया ने? सच्चा समाजवादी वह है जो संपत्ति के मोह से दूर हटकर काम कर सके। क्या ये लोग (सपा के लोग) संपत्ति के बगैर रह पा रहे हैं या एक परिवार का गुलाम बनकर उनकी चाटुकारिता कर रहे हैं? योगी आदित्यनाथ ने कहा, आखिर जय प्रकाश नारायण, नरेंद्र देव आचार्य, डाक्टर राम मनोहर लोहिया का आदर्श कहां चला गया। देश के अंदर रामायण मेलों की शुरूआत डाक्टर राम मनोहर लोहिया ने की थी। आज युवाओं को सुभाष चंद्र बोस जैसे महान लोगों के उद्घोष के बारे में सोचना होगा। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत समारोह में प्रसिद्ध साहित्यकार, कवि और इस विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्र कुमार विश्वास को मानद उपाधि से सम्मानित किया। उन्होंने साथ ही आठ विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें सात छात्राएं शामिल थीं। दीक्षांत समारोह में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आशीष कुमार चौहान विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इनके अलावा, कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल, महापौर गणेश केसरवानी सहित कई विधायक, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 में उत्तीर्ण हुए कुल 144 छात्र छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं।

नोएडा : आग लगने से तीन लोगों की मौत के मामले में फैक्ट्री मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । थाना बीटा- दो क्षेत्र में सोफा बनाने वाली एक फैक्ट्री में मंगलवार की सुबह आग लगने से तीन लोगों की जल कर मौत होने के बाद मृतकों के परिजन ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि थाना बीटा- दो क्षेत्र के साइट- 4 में स्थित सोफा बनाने वाली फैक्ट्री में मंगलवार की सुबह आग लग गई। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची दमकल विभाग की पांच गाड़ियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर तीन लोग मृत मिले जिनके नाम गुलफाम (23 वर्ष), मजहर आलम (29 वर्ष) तथा दिलशाद (24 वर्ष) हैं। सिंह के अनुसार, जांच के दौरान पता चला कि यह फैक्ट्री कोरोना काल से बंद थी और फैक्ट्री के मालिक ने गुलफाम, मजहर आलम तथा दिलशाद को एक कोने में सोफा रिपेयरिंग के लिए जगह दे रखी थी। अपर उपायुक्त ने बताया कि इस मामले में गुलफाम के बहनोई जमाल ने थाना बीटा- दो में मुकदमा दर्ज करवाया है जिसमें उसने आरोप लगाया है कि यह घटना फैक्ट्री मालिक की लापरवाही के चलते हुई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसका साला गुलफाम अपने साथी दिलशाद और मजहर आलम के साथ सोफा बनाने वाली फैक्ट्री में काम करता था। पीड़ित का आरोप है कि 26 नवंबर को सुबह फैक्ट्री में शार्ट सर्किट की वजह से आग लग गई। उसने फैक्ट्री के मालिक पर आरोप लगाया कि उन्होंने समुचित सुरक्षा व्यवस्था नहीं की थी, जिसके चलते यह घटना हुई। सिंह ने बताया कि इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 289 और 106 के तहत मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

मोबाइल चोरी कर खाते से उड़ाए एक लाख,आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

पलवल, । पलवल में मोबाइल फोन चोरी कर खाते से एक लाख 15 हजार रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी करने के आरोप में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है, ताकि उससे मोबाइल व नकदी बरामद की जा सके। साइबर क्राइम थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि कानूनगो मोहल्ला पलवल निवासी मोहित मंगला ने दी आपनी शिकायत में कहा कि वह पलवल से दिल्ली बार्डर (बदरपुर बार्डर) किसी निजी कार्य से जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया। जिसके बाद उसके खाते से तीन ट्रांजेक्शन में 1 लाख 15 हजार रुपए कट गए। जिसके संबंध में साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक देवी सिंह को सौंपी गई। साइबर तकनीकी एवं बैंक रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस ने जिला फरीदाबाद के खोरी जमालपुर गांव निवासी तोहिद को गिरफ्तार किया है। आरोपी से ठगी की गई राशि एवं वारदात में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद करने के लिए रिमांड पर लिया गया है।

संभल हिंसा: पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर लगवाएगी उप्र सरकार

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश सरकार संभल में हाल ही में हुई हिंसा के दौरान सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान की भरपाई उपद्रवी तत्वों से करेगी। इन तत्वों की पहचान के लिए जगह-जगह उनके पोस्टर लगवाए जाएंगे। संभल शहर के मोहल्ला कोट पूर्वी में स्थित जामा मस्जिद के पिछले रविवार को हो रहे सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी थी जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। इस दौरान हुए पथराव में सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान हुआ था। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बुधवार को बताया, प्रदेश सरकार संभल में हुई हिंसा में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त रुख अपना रही है। पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर जगह-जगह लगाए जाएंगे और उनसे नुकसान की वसूली की जाएगी। उनकी गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को इनाम भी दिया जा सकता है। सरकार ने वर्ष 2020 में भी इसी तरह की एक पहल में संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में हुई हिंसा के आरोपियों के पोस्टर सार्वजनिक स्थानों पर लगवाए थे। ये पोस्टर राज्य की राजधानी सहित कई स्थानों पर लगाए गए थे, लेकिन बाद में अदालत के आदेश पर उन्हें हटा दिया गया था। संभल शहर के मोहल्ला कोट पूर्वी स्थित मुगल कालीन जामा मस्जिद में पिछले रविवार को अदालत के आदेश पर सर्वे का काम शुरू किया गया था। इसके विरोध में भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी तथा एक उप जिलाधिकारी समेत कम से कम 25 लोग घायल हो गए थे। इस दौरान हुए पथराव और आगजनी में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। पुलिस ने हिंसा के मामले में कुल सात मुकदमे दर्ज किये हैं। उनमें से एक मुकदमा संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क और संभल सदर सीट से सपा के विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल के खिलाफ भी दर्ज है।

दलित लड़की से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद

प्रात: किरण, संवाददाता

बहराइच। बहराइच जिले की एक अदालत ने 13 वर्षीय दलित बालिका से दुष्कर्म के आरोपी एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए 20 साल के सश्रम कारावास और एक लाख 10 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई है। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने बुधवार को बताया कि जिले के मुर्तिहा थाने में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसमें उसने आरोप लगाया था कि छह मई 2022 की रात उसकी 13 वर्षीय बेटी शौच के लिए खेत की तरफ गयी थी, तभी उसे अकेला देखकर पप्पू नामक व्यक्ति ने उससे दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जातिसूचक गाली दी। बालिका के शोर करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए पप्पू अपनी मोटरसाइकिल वहीं छोड़कर भाग गया था। उन्होंने बताया कि इस सम्बन्ध में पीड़िता की मां की तहरीर पर सात मई 2022 को पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड विधान, पॉक्सो तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश (पाक्सो) दीपकान्त मणि ने मंगलवार को अभियुक्त पप्पू को दोषी करार देते हुए उसे 20 वर्ष के सश्रम कारावास और एक लाख 10 हजार रूपए जुमार्ने की सजा सुनायी।

भाजपा के शासन में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे के प्रति सौतेला व्यवहार : अखिलेश

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ, । समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कन्नौज में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे पर एक सड़क दुर्घटना में चार चिकित्सकों समेत पांच लोगों की मौत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में एक्सप्रेस-वे के प्रति सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दुर्घटना के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हुए जानमाल के नुकसान को एक दुखद हादसा बताया। उन्होंने कहा, हर एक जान अनमोल होती है, लेकिन जान बचाने वाले डॉक्टरों की जान जाना और भी अधिक दुखद घटना है। श्रद्धांजलि! सपा प्रमुख ने इसी संदेश में आगे कहा, उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को ये सोचना चाहिए कि एक्सप्रेस-वे पर अचानक हादसों की संख्या क्यों बढ़ गयी है। क्या भाजपा सरकार सपा के समय में बने इस विश्वस्तरीय एक्सप्रेस-वे की देखरेख करने की योग्यता और क्षमता नहीं रखती है या फिर जानबूझकर ऐसा किया जा रहा है। उन्होंने तंज करते हुए कहा, क्या हाइवे की पुलिसिंग कोने में गाड़ी लगाकर मोबाइल देखने के लिए ही रह गयी है? जब मोबाइल से सिर उठाएंगे तब तो देखेंगे कि कौन गलत-सही गाड़ी चला रहा है। क्या स्पीड पर निगाह रखने वाली सीसीटीवी टेक्नोलॉजी केवल चालान काटकर पैसा कमाने के लिए है या चेतावनी देकर जान बचाने के लिए भी है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, क्या जानवरों की आवाजाही के नियंत्रण का कोई भी उपाय सरकार के पास नहीं है, जो सैकड़ों बार हादसों का कारण बन रहे हैं। भाजपा राज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे के प्रति द्वेष भरा सौतेला व्यवहार किया जा रहा है जिसकी कीमत जनता अपनी जान गंवाकर चुका रही है। उन्होंने पूछा, सपा के लिए एक्सप्रेस-वे एक बड़ी सोच का ठोस रूप था, जिसका लक्ष्य सुरक्षा के साथ आवागमन-परिवहन को गतिमान बनाकर, बीच के सभी क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था, कृषि और कारोबार को प्रगति और विकास के मार्ग से जोड़ना रहा लेकिन भाजपा के लिए ये केवल करोड़ों का टोल कमाने का जरिया भर बनकर रह गया है। ये टोल कलेक्शन का काम भी प्राइवेट कंपनी को ही दिया गया है, और क्यों दिया गया है, ये समझाने की जरूरत जनता को नहीं है। यादव ने कहा, अगर सरकार में कोई भी एक जिम्मेदार हो तो जवाब भले न दे पर जनता के जीवन को बचाने के उपाय जरूर करे।

कृपालु महाराज की बेटी की हादसे में हुई मौत के मामले में वांछित ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

ग्रेटर नोएडा, । भक्तिधाम मनगढ़ और प्रेम मंदिर वृंदावन के संस्थापक जगतगुरु कृपालु महाराज की बेटियों की कार को यमुना एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक चालक ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में उनकी एक बेटी की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य बेटियों का इलाज दिल्ली के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। इस मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। ग्रेटर नोएडा के थाना दनकौर पुलिस ने ये गिरफ्तारी की है। पुलिस ने बताया है कि 24 नवंबर को दी गई एक शिकायत में बताया गया था कि जगद्गुरु कृपालु महाराज की तीनों बेटियां अन्य सत्संगियों के साथ तीन अलग-अलग गाड़ियों से सुबह वृन्दावन से यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते गोलोक धाम द्वारका नई दिल्ली जा रहे थे। बीच में एक जगह जब गाड़ियां खड़ी थी तब एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने एक्सप्रेसवे पर साइड में खड़ी गाडियों में टक्कर मार दी थी। जिससे तीन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गयी थीं और संत्संगी और गुरु पुत्रियां गंभीर रूप से घायल हो गयी थीं। जिनको घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां पर गुरु पुत्री विशाखा त्रिपाठी की इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी थी। इस हाई प्रोफाइल एक्सीडेंट मामले में पुलिस ने कई टीमें लगाकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस के मुताबिक 26 नवंबर को थाना दनकौर पुलिस ने ट्रक नंबर यूपी 80 एफटी 5477 के चालक आरोपी हरेंद्र, थाना टूंडला जनपद फिरोजाबाद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी चालक से पूछताछ कर रही है। शुरूआती जांच में पता चला है कि एक बस को ओवरटेक करते समय कैंटर का संतुलन बिगड़ गया और उसने गाड़ियों को टक्कर मार दी थी। गौरतलब है कि लगातार इस हादसे को साजिश बताया जा रहा था। इस पूरे मामले में पुलिस लगातार कई सीसीटीवी फुटेज खंगाला रही थी। घटना के बाद से आरोपी चालक फरार हो गया था जबकि पुलिस ने ट्रक के हेल्पर को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

हनीट्रैप में फंसाकर पैसे ऐंठने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । हनीट्रैप में फंसाकर लोगों से पैसे ऐंठने वाले गिरोह के दो सदस्यों को अपराध शाखा सेक्टर 56 टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि शिकायतकर्ता आरिफ वासी गांव खरकजलालपुर तावडू नूंह मेवात के द्वारा दी गई शिकायत पर धोज थाने में साजिश, एक्सटॉर्शन, स्नैचिंग, अपहरण इत्यादि धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपियों ने आरिफ निवासी नूंह के साथ इस प्रकार की वारदात को अंजाम दिया। सानिया ने फरवरी 2024 में आरिफ को फोन करके अपने प्यार के जाल में फंसा लिया। 23 फरवरी 2024 को सानिया ने आरिफ को बताया कि उसका पति उसके साथ मारपीट करता है इसलिए उसने आरिफ को अपनी जान बचाने के लिए बुलाया। आरिफ ने यह बात अपने दोस्त काले उर्फ मुबारिक को बताई तो वह सानिया को बचाने के लिए आरिफ के साथ चल दिया। रात नौ बजे आरिफ गाड़ी लेकर बल्लभगढ़ तेवतिया फार्म के पास पहुंचा जहां उसे सानिया मिली और वह उसे लेकर नेकपुर गांव पहुंचे। नेकपुर गांव में पहुंचते ही सानिया ने आरिफ को बातों में फसा लिया और उसे शारीरिक संबंध बनाने के लिए उकसाने लगी। योजना के अनुसार इतनी देर में ही सानिया का पति सलीम व अन्य साथी मौके पर पहुंच गए। सानिया के साथी आरिफ को धमकाने लगे कि वह सानिया के साथ गलत काम करने की कोशिश कर रहा था और उसे ब्लैकमेल करने लगे। आरोपियों ने आरिफ से 10 लाख रुपए मांगे। आरिफ ने बेज्जती के डर से इधर-उधर से पैसे इक्कठे करके कुल 3.51 लाख रुपए उनको दे दिए। आरिफ को बाद में पता चला कि उसका दोस्त काले उर्फ मुबारिक इसी गैंग का सदस्य है और उसी ने सानिया को उसका नंबर दिया था। पीड़ित ने बताया कि सानिया और उसके साथियों ने पहले भी इस प्रकार की वारदातों को अंजाम दिया है और इन्होंने थाना मुजेसर, एनआईटी, राजस्थान के कोर्ट काशिम तथा उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में बलात्कार के मुकदमे दर्ज करा रखे हैं और मुकदमा की सुनवाई में मुकरने के लिए पैसे लेते हैं जिनकी पुलिस द्वारा पड़ताल की जा रही है। अपराध शाखा टीम ने कार्रवाई करते हुए सलीम और गौरव को शामिल तफ्तीश किया है। दोनों आरोपी फतेहपुर तगा के रहने वाले है। पूछताछ में आरोपी सलीम से वारदात में शामिल मोटरसाइकिल व पांच हजार रुपये नगद बरामद किए गए है तथा आरोपी गौरव से निशानदेही कराई गई है। दोनों आरोपी हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत पर है। मामले में आरोपी सलीम और गौरव सहित 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इंटरनेशनल ट्रेड शो के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था में गड़बड़ी पर डीसीपी लाइन हाजिर, कई और पुलिसकर्मियों पर भी गिरी गाज

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट में बुधवार को कई बड़े पुलिस अधिकारियों और अन्य पुलिस कर्मियों पर कार्य में लापरवाही बरतने पर गाज गिरी है। इनमें डीसीपी और एसीपी रैंक के अधिकारियों के साथ थाना प्रभारी और अन्य अफसर शामिल हैं। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने इनके खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। जानकारी के मुताबिक 25 नवंबर से 29 नवंबर तक एक्सपो मार्ट में सीपीएचआई और पीएमईसी-24 चल रहा है। 27 नवंबर को इंटरनेशनल ट्रेड शो के कारण एक्सप्रेसवे से एक्सपो मार्ट तक जाम की समस्या को सही ढंग से निस्तारण नहीं करने और जाम के निस्तारण की ड्रिल के प्रोटोकॉल पर अमल नहीं करने के साथ इस ट्रेड शो में यातायात प्रबंधन में लापरवाही रखने के कारण पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने तत्काल प्रभाव से पुलिस उपायुक्त यातायात यमुना प्रसाद को कार्यों से हटाते हुए पुलिस उपायुक्त पुलिस लाइंस नियुक्त किया है। इसके साथ ही तत्काल प्रभाव से पुलिस उपायुक्त पुलिस लाइन लखन सिंह यादव को पुलिस उपायुक्त यातायात नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में एसीपी संजीव कुमार बिश्नोई को रिजर्व पुलिस लाइन से एसीपी यातायात के पद पर नियुक्त किया गया है। इसके अलावा अपने काम को जिम्मेदारीपूर्वक नहीं निभाने पर एसीपी 1 ग्रेटर नोएडा पवन कुमार, ट्रैफिक निरीक्षक प्रफुल्ल श्रीवास्तव और थाना प्रभारी नॉलेज पार्क को परिनिंदा प्रविष्टि (मिस कंडक्ट) दी गई है। वहीं, बीते दिनों एक कंटेनर से प्रतिबंधित पशु के मांस को लाने और ले जाने की घटना सामने आई थी। इस मामले की जांच कर भी कड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि डीजीपी मुख्यालय और पुलिस आयुक्त द्वारा लगातार दिए गए निदेशों एवं आदेशों का पालन नहीं करने और अनियमितता पाए जाने पर थाना प्रभारी दादरी सुजीत उपाध्याय को निलंबित किया गया है और एसीपी दादरी अमित प्रताप सिंह को लाइन हाजिर किया गया है।

इसके अलावा एक्सप्रेसवे में लगातार ड्यूटी लगाने एवं चेकिंग करने के निर्देश जारी करते हुए संयुक्त टीम बनाकर कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के सभी कोल्ड स्टोरेज की जांच के लिए भी निर्देश दिया गया है।

इसके साथ-साथ पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने सभी पुलिस अधिकारियों के लिए कड़े दिशा निर्देश जारी किए हैं।

जिसके मुताबिक किसी भी दशा में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस में इस प्रकार के व्यापार, अपराध, परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि इसी दृष्टिकोण से जनपद के सभी पुलिस उपायुक्त, पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को कड़े निर्देश निर्गत किए गए हैं। साथ ही प्रतिबंधित मांस मिलने के मामले में पूरी घटना की जांच अपर पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक को दी गई है।

मोहिनी डे ने एआर रहमान के साथ लिंक-अप पर अपनी प्रतिक्रिया दी, बोलीं- मेरे लिए पिता समान हैं

एआर रहमान ने 29 साल की शादी के बाद अपनी पत्नी सायरा बानो से अलग होने की घोषणा की, जिससे उनके शुभचिंतकों का दिल टूट गया। तलाक के बाद, इंटरनेट पर एआर रहमान और उनकी बेसिस्ट मोहिनी डे के बीच कथित रिश्ते के बारे में कई जानकारियां सामने आईं, लेकिन इन सभी बातों का खंडन करते हुए मोहिनी ने एआर रहमान को अपने पिता जैसा बताया है। मोहिनी ने अपने पति मार्क हार्टसच से भी तलाक ले लिया, जिसकी वजह से इस तरह की अफवाहें फैली, लेकिन मेहिनी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि एआर रहमान उनके लिए पिता समान हैं। मोहिनी के इस वीडियो ने उन ट्रोलर्स को मुंह बंद करा दिया गया, जो गलत सूचना फैला रहे थे और निराधार धारणाएं बना रहे थे।

इंस्टाग्राम वीडियो में मोहिनी डे ने ऑस्कर विजेता संगीतकार के साथ लिंक-अप की अफवाहों को संबोधित किया। उन्होंने उन्हें अपना आदर्श और पिता जैसा बताया। उन्होंने यह भी बताया कि एआर रहमान की एक बेटी भी डे की ही उम्र की है और उनके साथ साढ़े आठ साल तक बेसिस्ट के तौर पर काम करने से उनके करियर को काफी आकार मिला है। उन्होंने आगे कहा कि वे एक-दूसरे के लिए परस्पर सम्मान और प्यार साझा करते हैं। मोहिनी ने लोगों से दयालु होने और उनकी निजता का सम्मान करने को कहा, क्योंकि उनका तलाक व्यक्तिगत और दर्दनाक दोनों था। वीडियो के साथ, उन्होंने अपने प्रशंसकों के लिए एक लंबा नोट लिखा, मेरे और एआर रहमान के खिलाफ इतनी सारी गलत और निराधार जानकारियां गलत हैं। यह गलत है। मैं एआर रहमान के साथ उनके साथ फिल्मों और टूर में काम करने के दौरान एक बच्चे के रूप में अपने समय का सम्मान करती हूं। यह देखना निराशाजनक है कि लोगों में इस तरह के भावनात्मक मामलों के लिए कोई सम्मान, सहानुभूति या सहानुभूति नहीं है। लोगों की सोच देखकर मुझे दुख होता है। एआर रहमान एक लीजेंड हैं, और वह मेरे लिए एक पिता की तरह हैं।

मोआना 2 तोड़ देगी डिज्नी की अन्य फिल्मों के रिकॉर्ड

डिज्नी की फिल्म मोआना 2 रिलीज के बाद फिल्म ने 225 मिलिनय डॉलर से ज्यादा कमाई कर ली है। इस फिल्म ने थैंक्सगिविंग से पहले की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। फिल्म की कमाई को लेकर मेकर्स ने ही आंकड़े जारी किए हैं।

डिज्नी की इस फिल्म की कमाई पहले 295 मिलियन से थोड़ा कम है। फिल्म इनसाइड आउट 2 को लेकर चर्चा हो रही है। इस फिल्म के एनिमेशन को लेकर चर्चा हो रही है। दर्शकों ने इसे बहुत पसंद किया। फिल्म 2024 की सबसे बेहतरीन फिल्म है। मेकर्स ने मोआना को इससे भी अच्छे प्रदर्शन को लेकर बात की है। इस फिल्म के कुछ हिस्से प्रेस इवेंट में दिखाए गए, जो काफी उत्साहित करने वाले हैं।

साल 2016 में आई फिल्म मोआना के सीक्वल को शुरू से वेब सीरीज के रूप में बनाया गया। मोआना अपने मिशन पर है। अपनी छोटी बहन को बताती है, हमारे पूर्वजों ने शुरू किया, वो मुझे पूरा करना है। माउई अपनी बहन की मदद करती है। मोआना और माउई जहां कुछ बेहतर करने निकली हैं वहां बाधाएं न आएं ऐसा कैसे हो सकता है? बाधाएं आती हैं। कई मॉन्स्टर मिलते हैं। कुल मिलाकर ट्रेलर काफी रोमांचक है। फिल्म के ट्रेलर का हर कोई इंतजार कर रहा है।

रैपर बादशाह ने सोशल मीडिया पर मांगी माफी

रैपर बादशाह ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए माफी मांगी। दरअसल, हाल ही में बादशाह ने 'एमटीवी हसल 4' में बतौर गेस्ट शिरकत की। इस दौरान उन्होंने रैपर डिवाइन और मुंबई हिप-हॉप को लेकर कमेंट किया। बाद में अपनी टिप्पणी के लिए बादशाह ने एक्स पर एक माफी मांगी है।

'एमटीवी हसल 4' में बतौर गेस्ट बादशाह ने '99 साइड' की तारीफ करते हुए उनकी तुलना डिवाइन से की। उन्होंने कहा कि 99 साइड में मुंबई में डिवाइन की जगह लेने की क्षमता है। बादशाह ने यह भी कहा कि डिवाइन ही वह शख्स हैं जिन्होंने मुंबई हिप-हॉप को लोकप्रिय बनाया। हालांकि, सोशल मीडिया यूजर्स को उनकी यह टिप्पणी पसंद नहीं आई।

अब मांगी माफी

बादशाह को जब अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए माफी मांगी और मुंबई हिप-हॉप को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाने के लिए अन्य रैपर्स को भी श्रेय दिया है। वहीं, जब एक यूजर ने एक्स पर लिखा, चलो बादशाह भई अकेले तो नहीं हुआ है बॉम्बे हिप-हॉप बड़ा, तो बादशाह ने जवाब दिया, सॉरी यार, फ्लो में निकल गया था। बेशक नैजी, एमीवे, कामभारी, डी इविल और उन सभी ने इसमें अहम भूमिका निभाई है।

नयनतारा ने बॉडी शेमिंग को लेकर तोड़ी चुप्पी

अपनी डॉक्यूमेंट्री नयनताराः बियॉन्ड द फेयरीटेल के एक वीडियो क्लिप में अभिनेत्री ने याद किया कि कैसे 2005 में उनकी फिल्म गजनी रिलीज होने पर उन्हें किस तरह भद्दी टिप्पणियों से गहरा असर पड़ा था। डॉक्यूमेंट्री का एक वीडियो क्लिप अब निर्माताओं द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है, जिसमें नयनतारा को अपने करियर के सबसे बुरे दौर के बारे में बात करते हुए देखा जा सकता है।

गजनी के दौरान नयनतारा को किया गया था ट्रोलः नयनतारा ने 2005 में एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म गजनी की शूटिंग के दौरान की बात को लेकर खुलासा किया। तमिल फिल्म गजनी में नयनतारा के अलावा सूर्या और असिन ने भी अभिनय किया था। नयनतारा ने कहा, उनके करियर की सबसे खराब फिल्म गजनी थी। वीडियो क्लिप में नयनतारा को लेकर कई खबरे दिखाई गईं, जिसमें उन्हें मोटापे के लिए शर्मिंदा किया गया और उन्हें अधिक वजन वाला कहा गया।

कीर्ति ने की हिसाब बराबर की बात

हिसाब बराबर फिल्म की कास्ट इफ्फी गोवा में फिल्म के प्रीमियर पर पहुंची। पिछले साल शूट हुई फिल्म हिसाब बराबर की कास्ट इफ्फी गोवा में पहुंची। इस दौरान कीर्ति कुलकर्णी ने मीडिया से बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने आर माधवन की तारीफ की। इस दौरान फिल्म की कास्ट भी मौजूद रही।

55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में 26 नवंबर को आर माधवन की फिल्म का प्रीमियर हुआ। अश्विनी धीर द्वारा निर्देशित, ये फिल्म हास्य, व्यंग्य और भावनाओं का मिश्रण है। कॉरपोरेट बैंक के अरबों डॉलर के घोटाले को उजागर करने की साहसी लड़ाई के बाद वित्तीय धोखाधड़ी जैसे मुद्दों का बहादुरी से सामना करता है।

कीर्ति कुलकर्णी ने हिसाब बराबर को लेकर बात की

हिसाब बराबर फिल्म को लेकर कीर्ति कुलकर्णी ने कुछ बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने फिल्म नहीं देखी है अभी तक। वे फिल्म देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ये कॉमेडी फिल्म है, उन्होंने कहा लोगों को लगता है कि लोगों को लगता है कि उन्हें कॉमेडी नहीं आती है। ये बहुत अच्छी कहानी है। मैं इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

आर माधवन को लेकर बोलीं कीर्ति कुलकर्णी

उन्होंने कहा कि ये फिल्म पिछले साल शूट की गई थी, इस फिल्म की यादें उनके लिए धुंधली हो गई है।

उन्होंने कहा कि आर माधवन का काम बहुत ही अच्छा है। वे बहुत उत्साहित करते हैं। वे अपनी लाइनें बहुत अच्छे से याद रखते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहली बार माधवन के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि वे काम एक साथ और अच्छे से करते हैं। स्क्रीन पर काम करना उनके साथ अच्छा रहा।

कानूनी पचड़े में फंसा पुष्पा 2 का एक और कलाकार

पुष्पा 2: द रूल फिल्म किसी ना किसी वजह से चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में खबर आई कि फिल्म में संगीत देने वाले संगीतकार देवी श्री प्रसाद की छुट्टी कर दी गई है। वहीं, अब टीम के एक और अभिनेता के कानूनी संकट में फंसने की जानकारी सामने आई है। अल्लू अर्जुन की फिल्म के कलाकार श्री तेज के खिलाफ एक महिला ने लिव-इन' में रहने के दौरान 'शादी का झूठा वादा' कर धोखा देने का आरोप लगाया है। तेलुगु अभिनेता के खिलाफ 34 वर्षीय महिला ने लिव इन में रहने के बावजूद शादी के दावों से मुकरने का आरोप लगाया है। उन्होंने थाने में मामला दर्ज कराया है। इसकी जानकारी पुलिस ने मंगलवार को साझा की। पुलिस के मुताबिक, श्री तेज और 34 वर्षीय महिला 2-3 महीने से लिव-इन रिलेशनशिप में थे।

अजय देवगन की स्टारडम पर मंडराया खतरा, बजट निकालने से कोसों दूर सिंघम अगेन

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन दर्शकों को लुभाने में असफल नजर आई है। यूं तो इस फिल्म ने शुरुआती दौर में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन फिल्म की लागत के हिसाब से वह बेहद कम रहा। अजय देवगन, रणवीर सिंह, अर्जुन कपूर, टाइगर श्रॉफ, अक्षय कुमार और दीपिका पादुकोण जैसे सितारों से सजी इस मूवी का बजट तकरीबन 350 करोड़ रुपये है। फिल्म ने अपनी रिलीज के 26 दिन पूरे कर लिए हैं। आइए इसके लेटेस्ट कलेक्शन पर गौर फरमा लेते हैं-

सिंघम अगेन ने उम्मीदों पर फेरा पानी

350 करोड़ के आस-पास के बजट में बनकर तैयार हुई फिल्म सिंघम अगेन से उम्मीदें थीं कि यह रिलीज के पहले हफ्ते में ही अपना बजट निकालने में सफल रहेगी। हालांकि, ऐसा नहीं हो सका और फिल्म के कारोबार ने निर्माताओं को तगड़ा झटका दिया। फिल्म रिलीज के पहले सप्ताह में महज 173 करोड़ रुपये की ही कमाई कर पाई।

दूसरे हफ्ते में ही बेपटरी हुई फिल्म

एक बड़ी स्टारकास्ट से सजी फिल्म सिंघम अगेन अच्छी कमाई के लिए तरसती नजर आ रही है।

अभिनय की दुनिया में दमदार वापसी को तैयार राखी गुलजार, बोलीं- वरिष्ठों को पसंद आएगी फिल्म

राखी गुलजार ने हाल ही में इफ्फी 2024 में शिकरत की। अपनी फिल्म अमर बॉस के प्रीमियर में भाग लेते हुए अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया में अपनी वापसी को लेकर खुलकर बात की। साथ ही, सिनेमा की दुनिया में हो रहे बदलावों पर अपने विचार साझा किए।

राखी गुलजार ने हाल ही में इफ्फी 2024 में अपनी फिल्म अमर बॉस के प्रीमियर में हिस्सा लिया, जिसे भारतीय पैनोरमा के तहत चुना गया था। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने अभिनय में वापसी के फैसले, निर्देशक के साथ अपने तालमेल और सिनेमा की दुनिया में हो रहे बदलावों पर अपने विचार साझा किए।

बातचीत में राखी ने लंबे समय बाद फिल्म करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि कैसे एक दिलचस्प कहानी ने उन्हें अभिनय में वापसी करने के लिए प्रेरित किया।

लंबे अंतराल के बाद अभिनय में राखी की वापसी

राखी गुलजार ने फिल्म इंडस्ट्री में वापसी पर बात करते हुए कहा, सच में काफी समय हो हो चुका है। मैंने चुपचाप देखा कि मेरे बहुत से समकालीन कलाकार, जिनके साथ मैंने पहले काम किया था, हमें छोड़कर चले गए, लेकिन साथ ही नई पीढ़ी के कलाकार भी उभरकर सामने आए हैं।

एक दिन शिबू (शिबोप्रसाद मुखर्जी) ने कहा कि वह स्क्रिप्ट के साथ उनसे मिलना चाहते हैं। मैंने साफ कहा कि मैं अब फिल्मों में अभिनय नहीं करूंगी। हालांकि, वह मुझे इतनी स्नेह भावना से कहानी सुनाने की इच्छा व्यक्त की कि मैं सहमत हो गई।

वरिष्ठ नागरिकों को पसंद आएगी फिल्म-राखी

उन्होंने आगे कहा, फिल्म का विषय और पात्र बहुत दिलचस्प थे और मैं आत्मविश्वास से कह सकती हूं कि इस फिल्म की कहानी वरिष्ठ नागरिकों और कामकाजी महिलाओं को काफी पसंद आएगी। वे इसे अच्छे से महसूस कर पाएंगे।

कैसा रहा निर्देशक से साथ तालमेल?

राखी ने फिल्म के निर्देशक और अभिनेता शिबोप्रसाद मुखर्जी के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने कहा, वह फिल्म में मेरे बेटे का किरदार निभा रहे हैं और वह किरदार बहुत वास्तविक है, लेकिन मां-बेटे के रिश्ते में एक कड़वाहट भी है। शिबू एक निर्देशक के रूप में बहुत शांत और सलीके से काम करवाते हैं और मुझे लगता है कि यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

वापसी पर कही यह बात

अपनी वापसी को लेकर राखी ने कहा, मैं काफी हद तक यहीं थी, मेरी बेटी फिल्म बना रही है, मैं नए कलाकारों और समकालीनों के संपर्क में हूं, मैं पूरी तरह से इंडस्ट्री में हूं। लेकिन हां, एक अभिनेत्री के रूप में फिल्म का चयन अंदर से आना चाहिए। कोई मुझे फिल्म करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। मुझे स्क्रिप्ट पसंद आई, मैंने इसे करना चाहा और इसलिए मैंने इसे किया। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात फिल्म का विषय और कहानी होती है। मुझे यह फिल्म बहुत पसंद आई।

संक्षिप्त समाचार

अमेजन डाट इन के विंटर वेलनेस स्टोर के साथ इस सर्दी के मौसम में रहिए सेहतमंद

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेजन डाट इन ने ग्राहकों के लिए खासतौर पर विंटर वेलनेस स्टोर पेश किया है। डाबर द्वारा प्रायोजित यह स्टोर आने वाले सर्दी के महीनों की तैयारी करने के लिए ग्राहकों की मदद करेगा। ग्राहक कम कीमत पर विंटर केयर से जुड़े जरूरी प्रोडक्ट के विशाल संग्रह में से अपने पसंदीदा प्रोडक्ट की खरीदारी कर सकते हैं। यहां उपलब्ध कराए गए सभी प्रोडक्ट अमेजन की तेज़ और विश्वसनीय डिलीवरी के साथ ग्राहकों के घर पर उपलब्ध कराए जाएंगे। विंटर वेलनेस स्टोर में इंटरनेशनल और भारतीय दोनों प्रकार के ब्रांडों के किराना, बेबी आइटम, पेट केयर, हेल्थ एवं पर्सनल केयर प्रोडक्ट जैसी कैटेगरी के प्रोडक्ट की विशाल रेंज उपलब्ध कराई गई है। इस स्टोर के प्रायोजक डाबर के साथ, ग्राहक कपिवा, कोफोल, क्विक, बैद्यनाथ असली आयुर्वेद, हॉर्लिक्स और केरल आयुर्वेद सहित टॉप ब्रांडों के विंटर केयर से जुड़े ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं। यहां उपलब्ध ऑफर्स में चुनिंदा विंटर हेल्थ केयर और किराने के सामान पर 45 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। इस बार सर्दी में गुड़ और 40 से अधिक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों से भरपूर डाबर च्यवनप्राश के साथ अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं। 3 गुना ज़्यादा रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करने वाले इस प्रोडक्ट में रिफ़ाइंड शुगर का प्रयोग नहीं किया गया है। यह बेहतर सेहत के लिए मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है। बैद्यनाथ च्यवनप्राश स्पेशल के साथ इस सर्दी के मौसम में रोगों से मुकाबला करने की अपनी क्षमता और ऊर्जा को बढ़ाएं। आंवला और अश्वगंधा सहित 47 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के मिश्रण से बना यह च्यवनप्राश आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है और सर्दी से सुरक्षित रखता है। यह स्वादिष्ट है और सभी उम्र के लोगों के लिए उपयुक्त है। यह आपकी रोजमर्रा की सेहत को बेहतर बनाता है। इस सर्दी के मौसम में, रागी, बाजरा और बादाम जैसे सुपरफूड्स से भरपूर न्यूट्रीमिक्स के साथ अपने बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाएं। यह विटामिन च, ष्ठ और ष्ट से भरपूर है। यह बच्चों की ग्रोथ, हड्डियों की मजबूती और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। प्राकृतिक मिठास के लिए इसे खजूर और गुड़ से तैयार किया गया है। इसमें ग्लूटेन और प्रिजर्वेटिव का उपयोग नहीं किया गया है। यह 7 साल से अधिक के बच्चों के लिए एकदम सही है।

शणगार डेकोर लिमिटेड का रु. 49.35 करोड का राइट्स इश्यू 6 दिसंबर को बंद होगा

SHANGAR
DECOR LTD
pioneering creativity

अहमदाबाद एजेंसी। डेकोर सर्विसीस की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने वाली कंपनी, अहमदाबाद स्थित शणगार डेकोर लिमिटेड (बीएसई-540259) का रु. 49.35 करोड का राइट्स इश्यू 8 नवंबर, 2024 को सदस्यता के लिए खोला गया था। राइट इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताएं, इश्यू के खर्च और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश को निधि देने के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट इश्यू 21 नवंबर, 2024 को रु. 10.08 प्रति शेयर के बंध भाव की तुलना में रु. 5.76 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया है। राइट्स इश्यू 06 दिसंबर, 2024 को बंद होगा। राइट्स एंटाइटेलमेंट के ऑन-मार्केट अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 29 नवंबर, 2024 है। कंपनी के राइट इश्यू में भाग लेने के लिए निवेशक बाजार से राइट्स एंटाइटेलमेंट भी खरीद सकते हैं।

भारत में 5जी और ब्रॉडबैंड विस्तार से 1 लाख नई नौकरियां बनेंगी: टीमलीज

नईदिल्ली, एजेंसी। टीमलीज सर्विसेज के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर, सुब्बुरथिनम पी ने कहा कि भारत में ब्रॉडबैंड और 5जी नेटवर्क के तेज़ी से विस्तार के कारण अगले पांच वर्षों में फाइबर इंस्टॉलेशन, मेंटेनेंस और रिपेयर सेक्टर में लगभग 1 लाख नई नौकरियां उत्पन्न होंगी।

भारत का टेलीकॉम बाजार तेजी से बढ़ेगा

भारत का टेलीकॉम बाजार 2024 में 48.61 बिलियन अमेरिकी डॉलर का होने का अनुमान है और यह 2029 तक बढ़कर 76.16 बिलियन डॉलर तक पहुँच सकता है, जो कि हर साल 9.40 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। 2023 तक, देश भर में करीब 7,00,000 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाए गए हैं, जिससे डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

फाइबर तकनीशियनों की मांग में वृद्धि

सुब्बुरथिनम ने बताया कि भारत में ब्रॉडबैंड और 5जी नेटवर्क के तेजी से विस्तार के कारण फाइबर ऑप्टिक तकनीशियनों की मांग में बड़ी वृद्धि हो रही है। जैसे-जैसे सरकार और टेलीकॉम ऑपरेटर फाइबर इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, इस क्षेत्र में रोजगार की मांग भी बढ़ेगी।

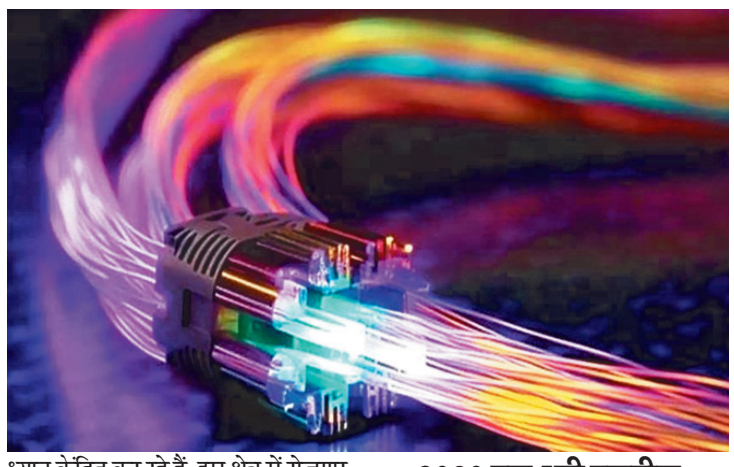

भारत में टेलीकॉम टावरों का फाइबराइजेशन बढ़ने से लगभग 1 लाख नई नौकरी के अवसर पैदा होने की संभावना है। वर्तमान में, भारत में 5 लाख से ज्यादा फाइबर तकनीशियनों का अनुमान है, जो 4त्व, 5जी और ब्रॉडबैंड योजनाओं को सपोर्ट करने के लिए तेजी से बढ़ते फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क के विस्तार में लगे हुए हैं।

2030 तक 5जी तकनीक का बढ़ता प्रभाव

सुब्बुरथिनम ने कहा कि 2030 तक 5जी तकनीक अपने चरम पर पहुंचेगी, जिससे तेज़ इंटरनेट स्पीड, कम लेटेंसी और बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। फाइबर तकनीशियनों की भर्ती विभिन्न क्षेत्रों में हो रही है, जैसे टेलीकम्युनिकेशंस, आईटी, निर्माण और मैन्युफैक्चरिंग, जहां ये पेशेवर नेटवर्क विस्तार और इन्फ्रास्ट्रक्चर सेटअप पर काम कर रहे हैं, विशेषकर शहरी और ग्रामीण इलाकों में।

आकर्षक वेतन की कमी और कर्मचारियों की उच्च टर्नओवर दर

हालांकि, फाइबर तकनीशियनों की टर्नओवर दर काफी अधिक है, जो सालाना 35-40 प्रतिशत तक पहुँचती है। इसके कारणों में लंबी कार्य घंटों के कारण थकावट, वेतन वृद्धि की कमी, और कंपनियों के बीच कर्मचारियों की पोलिंग शामिल हैं। फाइबर इंजीनियर, स्प्लाइसर, फाइबर टर्मिनेशन उपकरण तकनीशियन, इंस्टॉलेशन और रिपेयर, फॉल्ट रेजोल्यूशन टीम, फाइबर सेलसाइट इंजीनियर और फील्ड तकनीशियनों की नौकरियों में तेज़ी से वृद्धि हो रही है, क्योंकि टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और 5जी सेवाओं की तैनाती हो रही है। भारत में डिजिटल और टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के साथ फाइबर तकनीशियनों के लिए नौकरी के अवसरों में इज़ाफा होगा। हालांकि, उच्च टर्नओवर और वेतन वृद्धि की समस्या के कारण कर्मचारियों को बनाए रखना एक चुनौती बन सकता है।

ओला के शेयरों ने पकड़ी रॉकेट की रफ्तार, 39999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उतारा है स्कूटर

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर बुधवार को बीएसई में 15 पर्सेंट के उछाल के साथ 84.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल स्कूटर्स की नई रेंज लॉन्च करने के ठीक एक दिन बाद आई है। ओला इलेक्ट्रिक ने नई रेंज उतारने के साथ ही कमर्शियल सेगमेंट में एंट्री की घोषणा की है। कंपनी के शेयर 22 नवंबर 2024 को 66.60 रुपये पर पहुंच गए थे। इस लेवल से ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में 25 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आ गया है। ओला इलेक्ट्रिक ने त्वद्बद्द और स१ रेंज के स्कूटर्स लॉन्च किए हैं। इन स्कूटर्स की प्राइस रेंज 39,999 से 64,999 रुपये है। साथ ही, कंपनी ने 9999 रुपये पर पावरपॉड पेश किया है, यह एक इनवर्टर है जो कि अपनी पोर्टेबल बैटरीज का इस्तेमाल करते हुए घरों को पावर देता है। त्वद्बद्द रेंज के जरिए कंपनी ने कमर्शियल व्हीकल्स सेगमेंट में एंट्री की है। इस रेंज में कंपनी त्वद्बद्द और वेरियंट लेकर आई है, जिनके इंट्रोडक्टरी प्राइसेज क्रमशः 39,999 रुपये और 49,999 रुपये हैं। ब्रोकरेज हाउस सिटी ने बाय रेटिंग के सात ओला इलेक्ट्रिक का कवरेज शुरू किया है। ब्रोकरेज हाउस ने ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों के लिए 90 रुपये का टारगेट दिया है।

महाराष्ट्र के हाथ से फिसली मेगा ऑयल रिफाइनरी ! केंद्र की दो राज्यों पर नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के हाथ से बड़ी तेल रिफाइनरी लगभग फिसल गई है। यह रिफाइनरी रत्नागिरी में लगाई जानी थी। अब सरकार ने इसे यहां लगाने ने लगभग मना कर दिया है। सरकार की नजर गुजरात और आंध्र प्रदेश पर है। सरकार यहां दो रिफाइनरी लगाने के लिए सऊदी अधिकारियों से बातचीत कर रही है। इनमें से प्रत्येक की सालाना क्षमता 10 से 15 मिलियन टन होगी। साथ ही पेट्रोकेमिकल सुविधाएं भी होंगी। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक गुजरात में रिफाइनरी के लिए सऊदी अरामको के साथ साझेदारी करने के लिए ह्लह्लष्ट को प्रस्तावित किया गया है। वहीं आंध्र में नियोजित एक रिफाइनरी के लिए क्चक्कष्टरु को शामिल किया जाएगा। इन रिफाइनरियों को सऊदी से कच्चा तेल मिलेगा। बता दें कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में खड़ी देशों से तेल की हिस्सेदारी कम की है। सऊदी के साथ यह बातचीत अभी शुरुआती चरण में है। अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात सऊदी के अधिकारियों से होगी। बता दें कि सऊदी अरब ने भारत में 100 बिलियन डॉलर निवेश करने की बात कही है। ऐसे में माना जा रहा है कि सऊदी पहले अपने वादे को पूरा करे। रिफाइनरी का विचार पहली बार आंध्र प्रदेश के विभाजन के दौरान सामने आया था।

महाराष्ट्र के रत्नागिरी में रिफाइनरी सरकार के बड़े प्रोजेक्ट में से एक थी। इस प्रोजेक्ट के सामने आने के बाद यहां स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया। इसके चलते रिफाइनरी के लिए भूमि अधिग्रहण काफी धीमा रहा। इसके अलावा, यह विचार भी बढ़ रहा था कि 60 मिलियन टन की रिफाइनरी बनाना मुश्किल होगा। गुजरात में पहले से ही कई रिफाइनरी हैं। इनमें रिलायंस, न्यारा एनर्जी और इंडियन ऑयल की रिफाइनरी शामिल है। ऐसे में गुजरात को नई रिफाइनरी मिलने का दावा मजबूत है। वहीं आंध्र प्रदेश के विभाजन के समय एक तेल रिफाइनरी का प्रस्ताव रखा गया था। अभी वहां एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार है जो अब एनडीए का हिस्सा है।

एक ही कंपनी दे सकेगी सारे इंश्योरेंस कवर, संसद सत्र में यूनिफाइड लाइसेंस और 100 प्रतिशत एफडीआई को मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार संसद के चालू सत्र में बीमा कानूनों में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की योजना बना रही है। इनमें यूनिफाइड लाइसेंस और बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव शामिल है। यूनिफाइड लाइसेंस एक कम्पोजिट लाइसेंस है, जिससे बीमा कंपनियां एक ही प्लेटफॉर्म पर लाइफ, जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स ऑफर कर सकेंगी। वर्तमान में लाइफ इंश्योरेंस कंपनियां हेल्थ कवर जैसे उत्पाद नहीं बेच सकतीं, जबकि जनरल इंश्योरेंस कंपनियों को हेल्थ और मरीन इंश्योरेंस बेचने की अनुमति है। नए लाइसेंस से इस जटिलता को दूर किया जाएगा।

100 प्रतिशत एफडीआई से बढ़ेगी बीमा की पहुंच

बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा 100 प्रतिशत तक बढ़ाने का उद्देश्य अधिक विदेशी निवेश आकर्षित करना और देश में बीमा उत्पादों की पहुंच को बढ़ाना है। स्विस रे इंस्टीट्यूट के अनुसार, भारत में वर्तमान में बीमा की पहुंच केवल 3.8 प्रतिशत है। इन बदलावों से बीमा उत्पादों को अधिक ग्राहकों तक पहुंचाना संभव हो सकेगा।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में बड़ी पूंजी की जरूरत होती है। सरकार 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति देकर विशाल पूंजी वाली विदेशी कंपनियों को आकर्षित करना चाहती है। इस रणनीति से एसबीआई, एचडीएफसी, आइसीआइसीआइ, टाटा और बिड़ला जैसी घरेलू दिग्गज कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जो अभी इस सेक्टर पर हावी हैं।

एलियांज जैसी कुछ विदेशी कंपनियां, जो कथित तौर पर भारतीय पार्टनर बजाज से अलग होने जा रही हैं, स्वतंत्र रूप से भारतीय बाजार में कदम रख सकती हैं।

घरेलू और विदेशी इंश्योरेंस कंपनियां निवेश बढ़ाने के लिए उत्साहित होंगी क्योंकि उन्हें नए सेगमेंट में भी कदम रखने का मौका मिलेगा।

एक ही कंपनी हर तरह के इंश्योरेंस कवर दे सकेगी। ग्राहकों को अलग-अलग बीमा के लिए अलग-अलग कंपनी के पास जाने की जरूरत नहीं रह जाएगी। लाइफ इंश्योरेंस कंपनियां भी हेल्थ कवर जैसे अन्य प्रोडक्ट बेच सकेंगी। इसके उलट जनरल इंश्योरेंस कंपनियों को जीवन बीमा पॉलिसी भी बेचने की अनुमति होगी।

मजबूत डॉलर के बीच सोना 1,250 रुपये टूटकर 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से पीली धातु की चमक फीकी पड़ गई जिससे राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में भारी गिरावट आई और यह 1,250 रुपये टूटकर 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु सोमवार को 1,000 रुपए की गिरावट के साथ 79,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई।

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव भी 1,250 रुपए टूटकर 77,750 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया, जो सोमवार को 79,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी मंगलवार को 1,100 रुपये घटकर 90,600 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 1,600 रुपये घटकर 91,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रम्प की चीन, मैक्सिको और कनाडा से आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी ने निवेशकों को अमेरिकी मुद्रा की ओर आकर्षित किया, जबकि मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक स्थिति में नरमी के कारण सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की अपील कम हो गई। हालांकि, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार में दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 175 रुपये यानी 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 75,486 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। सोमवार को यह 75,311 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

सोने के भाव पर क्या बोले जानकार?

एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट (कमोडिटी व करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा, सोने का भाव अस्थिर रहा और एमसीएक्स पर यह 74,850-75,500 रुपये के बीच कारोबार कर रहा था, क्योंकि मध्य पूर्व में तनाव कम होने से युद्ध प्रीमियम में कमी आई। त्रिवेदी ने कहा कि बाजार सहभागियों की ओर से वैश्विक घटनाक्रमों का आकलन करने के कारण सर्राफा में उतार-चढ़ाव बने रहने की उम्मीद है।

इस बीच, दिसंबर डिलीवरी वाले चांदी अनुबंध की कीमत 698 रुपये या 0.8 प्रतिशत बढ़कर 88,397 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जो पहले 87,699 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।वैश्विक स्तर पर कॉमेक्स सोना वायदा 13.40 डॉलर प्रति औंस या 0.51 प्रतिशत बढ़कर 2,656 डॉलर प्रति औंस हो गया। सोमवार को बहुमूल्य धातु 100.80 डॉलर प्रति औंस या 3.71 प्रतिशत गिरकर 2,615.10 डॉलर प्रति औंस पर आ गई थी, क्योंकि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने चीनी वस्तुओं पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ और मैक्सिको तथा कनाडा से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही थी, जिससे डॉलर में भारी तेजी आई थी।

एशियाई बाजार में चांदी भी 0.94 प्रतिशत बढ़कर 30.95 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के ईबीजी- कमोडिटी व करेंसी रिसर्च के उपाध्यक्ष प्रणव मेर के अनुसार, व्यापारियों की नजर फेडरल रिजर्व की नवंबर की बैठक के विवरण, अमेरिकी जीडीपी के संशोधित अनुमान और कोर व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) मूल्य सूचकांक आंकड़ों पर रहेगी, जिनसे अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नीतिगत दृष्टिकोण के बारे में जानकारी मिलने की उम्मीद है।

रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीदारी तेजी से बढ़ी

▶▶ बीते दो साल में ही इसमें करीब 35 गुने का इजाफा हुआ है ▶▶ फरवरी 2022 में रूस से कच्चे तेल आयात सिर्फ़ 0.2 प्रतिशत था

अब यह बढ़कर 35 प्रतिशत से भी ज़्यादा हो गया है

नई दिल्ली, एजेंसी। हम और आप समझते हैं कि भारत कच्चे तेल की सबसे ज्यादा खरीददारी खाड़ी देशों से करता है। लेकिन सच्चाई यही है कि इस समय भारत में कुल खपत का 35 फीसदी क्रूड ऑयल रूस से आ रहा है। तभी तो इस समय रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर बन गया है। करीब दो साल पहले अपने उपयोग का आधा प्रतिशत भी कच्चा तेल रूस से नहीं आता था। अब वहां से हम 35 फीसदी खरीदारी कर रहे हैं। यह जानकारी खुद केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दी है।

भारत के क्रड बॉस्केट में हुआ महत्वपूर्ण बदलाव

हरदीप सिंह पुरी ने एफआईपीआई ऑयल एंड गैस अवार्ड्स समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत में बताया कि भारत के क्रूड बॉस्केट में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहा है। उन्होंने बताया कि फरवरी 2022 में रूस से भारत महज 0.2 प्रतिशत क्रूड ऑयल खरीदता था। यह अब बढ़कर 35 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने बताया कि रूस के अलावा भारत सऊदी अरब, यूएई, इराक, कुवैत और अमेरिका से भी तेल खरीदता है।

हर महीने बदलता रहता है

पुरी ने कहा, पिछले कुछ समय से, रूस भारत को कच्चे तेल का सबसे बड़ा सप्लायर रहा है। यह प्रतिशत 35 प्रतिशत से ऊपर है, लेकिन यह हर महीने बदलता रहता है। उन्होंने बताया कि यह बढ़ोतरी वैश्विक कीमतों और उपलब्धता पर निर्भर करती है। भारत लंबी अवधि के अनुबंधों और स्पॉट मार्केट खरीद के बीच संतुलन बनाए रखता है। उन्होंने आगे कहा, फरवरी 2022 में यह केवल 0.2 प्रतिशत था, लेकिन फिर यह बढ़ गया। यह कैसे रहेगा और कहां जाएगा, मैं कहता रहता हूं कि ये फैसले मंत्रालय नहीं लेता है। हमारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां, कच्चे तेल के विशेष ग्रेड के लिए टेंडर निकालती रहती हैं।

भारत में एलपीजी की कीमत दुनिया में सबसे कम

भारत की ऊर्जा क्षेत्र में प्रगति पर बात करते हुए, हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि इस समय भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश बन गया है एलपीजी सिलेंडर काफी सस्ता मिलता है। उन्होंने बताया, भारत में एलपीजी सिलेंडर की कीमतें दुनिया भर में सबसे कम हैं।

केएफसी के फैन फेवरीट्स के साथ ऐपिक स्वाद का आनंद लें

मुंबई, एजेंसी। केएफसी आपकी चिकन क्रेविंग्स को पूरा करने के लिए तीन कैटेगरीज़- चिकन ऑन बोन, बोनलेस चिकन और बर्गर एंड मोर के साथ ऐपिक सिग्नेचर मेनू आइटम लाया है केएफसी = ऐपिक स्वाद। ब्रांड अपने नए कैंपेन - 'टेस्ट द ऐपिक' में सभी को केएफसी के ऐपिक स्वाद का आनंद लेने के लिए आमंत्रित कर रहा है। पिछले तीन दशकों से पूरे देश में केएफसी के फैन फिंगर लिकिंग गुड क्रिस्पी चिकन का स्वाद ले रहे हैं। इस नवंबर केएफसी अपने फैन फेवरीट्स की बेस्ट-सेलिंग रेंज - मशहूर हॉट एंड क्रिस्पी चिकन, हॉट विंग्स चिकन पॉपकॉर्न, पेरी-पेरी बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स, अनेक ज़िंगर बर्गर, रोल आदि लेकर आया है। भारत में ग्राहक 'टेस्ट द ऐपिक' के साथ केएफसी के क्रंची सिग्नेचर मेनू आइटम्स का बेहतरीन स्वाद ले सकते हैं। चिकन लवर्स के लिए केएफसी तीन कैटेगरीज़ में अपनी बेस्ट-सेलिंग रेंज - चिकन ऑन बोन, बोनलेस और बर्गर एंड मोर लाया है।

चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने लेवांडोव्स्की

● दिग्गजों के क्लब में शामिल हुए

रोम (एजेंसी)। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। अर्लिंग हॉलैंड ने भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले खिलाड़ियों के विशिष्ट क्लब में शामिल होने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए।

इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मैनचेस्टर सिटी की तरफ से फेयेनोर्ड के खिलाफ दो गोल किए और इस प्रतियोगिता में अपनी कुल गोल की संख्या 46 पर पहुंचाई। हॉलैंड के इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद मैनचेस्टर सिटी ने फेयेनोर्ड के खिलाफ यह मैच 3-3 से ड्रा खेला। मैनचेस्टर सिटी इस तरह से पिछले छह मैच में जीत हासिल नहीं कर पाया है।

लेवांडोव्स्की ने ब्रेस्ट के खिलाफ बार्सिलोना की 3-0 से जीत में शुरू में ही पेनल्टी को गोल में बदलकर चैंपियंस लीग में अपना 100वां गोल किया। पोलैंड के इस स्टार स्ट्राइकर ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में प्रतियोगिता में अपना 101वाां गोल किया। चैंपियंस लीग में सर्वाधिक 140 गोल रोनाल्डो ने किए हैं। उनके बाद मेसी का नंबर आता है जिनके नाम पर 129 गोल दर्ज हैं।

लेवांडोव्स्की ने मैच के बाद कहा, 'यह बहुत अच्छी संख्या है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चैंपियंस लीग में 100 गोल कर पाऊंगा। मैं क्रिस्टियानो और मेसी के क्लब में शामिल होकर खुश हूं। 36 वर्षीय लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग में अपने 125वें मैच में इस मुकाम पर पहुंचे। मेसी ने 123 और रोनाल्डो ने 137 मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। बार्सिलोना की तरफ से दूसरे हाफ में दानी ओल्मो ने भी गोल किया। बार्सिलोना ने इस तरह से ब्रेस्ट के अजेय अभियान पर रोक लगाई जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

'बड़ी शर्म की बात है'

पृथ्वी शॉ के आईपीएल ऑक्शन में ना बिकने पर पूर्व क्रिकेटर का आया बयान

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में पृथ्वी शॉ को लेकर किसी भी फ्रेंचाइजी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई जिस पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ उन पर बरस पड़े। कैफ ने सोमवार 25 नवंबर को अनसोल्ड होने पर खिलाड़ी की आलोचना की। दूसरे वीरेंद्र सहवाग कहे जाने वाले शॉ ने खुद को 75 लाख रुपए में नीलामी के लिए लिस्ट किया था। जियो सिनेमा पर बोलते हुए कैफ ने उल्लेख किया कि युवा बल्लेबाज को शर्मिंदा होना चाहिए क्योंकि बोली प्रक्रिया में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। कैफ ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार अच्छा प्रदर्शन देखने की उम्मीद के साथ उनका समर्थन किया। उनमें एक ओवर में 6 चौके लगाने की क्षमता है। हमें लगा कि अगर वह रन बनाएंगे, तो दिल्ली कैपिटल्स जीत जाएगी। उन्हें अपनी योग्यता साबित करने के लिए बहुत मौके दिए गए। उन्होंने कहा, टीम मीटिंग के दौरान, निर्णयकर्ताओं ने इस बात पर विचार किया कि पृथ्वी को उनकी असफलताओं के कारण प्लेइंग 11 में रखा जाना चाहिए या नहीं।

बुमराह फिर टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

यशस्वी को हुआ दो स्थान का फायदा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी की जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। बुमराह ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया था और कुल आठ विकेट झटके थे। बुमराह को उनके प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था। बुमराह ने इस मैच में रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में कप्तानी की थी और टीम ने उनके नेतृत्व में जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली थी।

बुमराह ने रबाडा को पीछे छोड़ा – बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा को पीछे छोड़ा और एक कैलेंडर वर्ष में दूसरी बार टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के शुरू होने से पूर्व बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में रबाडा और जोश हेजलवुड के बाद तीसरे स्थान पर थे। पहले टेस्ट मैच में दमदार प्रदर्शन का फायदा बुमराह को मिला और वह एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गए। श्रीलंका के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाजी की अगुआई कर रहे रबाडा दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड तीसरे स्थान पर हैं।

यशस्वी ने भी लगाई छलांग

भारत को ऑस्ट्रेलिया पर मिली 295 रनों की जीत में अहम योगदान देने वाले यशस्वी जायसवाल ने भी रैंकिंग में छलांग लगाई है। यशस्वी बल्लेबाजों की रैंकिंग दो स्थान के सुधार के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। उनसे आगे फिलहाल इंग्लैंड के जो रूट हैं। यशस्वी की रेटिंग अंक 825 है जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 161 रनों की पारी खेली थी। हालांकि, वह पहली पारी में खाता भी नहीं खोल सके थे। यशस्वी ने केएल राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 201 रनों की साझेदारी की थी। यशस्वी इस साथ शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने 2024 में 12 टेस्ट मैचों में 58.18 के औसत से 1280 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से तीन शतक और सात अर्धशतक निकले हैं।

कोहली को हुआ नौ स्थान का फायदा

वहीं, पर्थ टेस्ट में नाबाद शतकीय पारी खेलने वाले स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को भी नौ स्थान का फायदा हुआ है और वह 13वें स्थान पर आ गए हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में नाबाद 100 रन बनाए थे। यह उनका लाल गेंद के प्रारूप में 30वां सैकड़ा था। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन खराब फॉर्म के चलते 14वें स्थान पर खिसक गए हैं। स्टीव स्मिथ और उस्मान ख्वाजा को भी क्रमशः दो और चार स्थान का नुकसान हुआ है।

ग्लेन मैक्सवेल ने की भविष्यवाणी

यशस्वी जायसावल टेस्ट में इतने शतक लगाएंगे

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का मानना ??है कि यशस्वी जायसवाल की विभिन्न परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने की क्षमता और कोई खास कमजोरी नहीं होने के कारण यह सलामी बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 40 से अधिक शतक लगाएगा और उनके नाम पर कई रिकॉर्ड दर्ज होंगे। भारतीय क्रिकेट की प्रतिभाशाली युवा प्रतिभाओं में से एक 22 वर्षीय सलामी बल्लेबाज जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की। उन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके टीम में अपनी जगह पक्की की। मैक्सवेल ने 'द ग्रेड क्रिकेटर' पॉडकास्ट पर कहा, 'वह (जायसवाल) ऐसा खिलाड़ी है जो संभवतः 40 से अधिक टेस्ट शतक लगाएगा और कुछ अलग रिकॉर्ड बनाएगा। उसके पास विभिन्न परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने की अद्भुत क्षमता है।जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 161 रन बनाए थे जिससे भारत ने यह मैच 295 रन से जीत कर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई। जायसवाल ने अभी तक 15 टेस्ट मैच में 58.07 की शानदार औसत से 1568 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक शामिल हैं।

पर्थ में पहली पारी में वह खाता नहीं खोल पाए थे लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने शानदार वापसी की जिससे उनके बल्लेबाजी कौशल का पता चलता है। मैक्सवेल ने कहा, 'उसने कई तरह के शॉट खेले लेकिन बीच में उसने जिस तरह से गेंदें छोड़ी और जिस तरह से वह बैक फुट पर जाकर खेला वह महत्वपूर्ण था। उसका फुटवर्क बहुत अच्छा है। ऐसा नहीं लगता है कि उसमें कोई खास कमजोरी है। वह शॉर्ट पिच गेंद को अच्छी तरह से खेलता है, अच्छी ड्राइव करता है, स्पिन को अविश्वसनीय रूप से अच्छी तरह से खेलता है और दबाव झेल सकता है। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया अगर उसे रोकने का कोई तरीका नहीं ढूंढ पाया तो फिर स्थिति भयावह होगी। मैक्सवेल ने नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभालने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी जमकर तारीफ की जिन्होंने पहले टेस्ट मैच में 72 रन देकर आठ लिए विकेट लिए और भारत को ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी जीत हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुजरात के उर्विल ने तोड़ा पंत का रिकॉर्ड, टी20 में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बने

इंदौर (एजेंसी)। गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज उर्विल पटेल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में त्रिपुरा के खिलाफ दमदार पारी खेली और ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। उर्विल ने महज 28 गेंदों पर शतक लगाया और टी20 प्रारूप में सबसे तेज सैकड़ा लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। उर्विल से पहले यह रिकॉर्ड पंत के नाम था जिन्होंने 2018 में इसी टूर्नामेंट में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों पर शतक लगाया था।

उर्विल ने अपनी पारी में 12 छक्के और सात चौके लगाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए उर्विल ने 35 गेंदों पर नाबाद 113 रन बनाए और गुजरात को आठ विकेट से जीत दिलाई। त्रिपुरा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 155 रन बनाए थे। जवाब में गुजरात ने महज 10.2 ओवर में दो विकेट पर 156 रन बनाकर जीत दर्ज की। उर्विल ने पहले विकेट के लिए आर्यन देसाई के साथ मिलकर 150 रनों की साझेदारी की।

टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज – उर्विल इसके साथ ही टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे आगे सिर्फ एस्टोनिया के साहिल चौहान हैं जिन्होंने साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों पर सैकड़ा जड़ा था। दिलचस्प बात यह है कि उर्विल हाल ही में संपन्न हुई आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी में नहीं बिके थे और उन्हें किसी टीम ने नहीं खरीदा था। इसके दो दिन बाद ही उर्विल ने अपना दम दिखाया।

टी20 इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी

बल्लेबाज	गेंद	टीम	बनाम	वर्ष
साहिल चौहान	27	एस्टोनिया	साइप्रस	2024
उर्विल पटेल	28	गुजरात	त्रिपुरा	2024
क्रिस गेल	30	आरसीबी	पुणे वारियर्स	2013

● पिछले साल इसी दिन लिस्ट ए का दूसरे सबसे तेज सैकड़ा जड़ा था – उर्विल ने इससे पहले पिछले साल 27 नवंबर को ही विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 41 गेंदों पर शतक जड़ा था जो लिस्ट ए क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज शतक था। उनसे आगे इस मामले में युसूफ पठान आगे थे जिन्होंने 2009-10 में 40 गेंदों पर सैकड़ा लगाया था।

आईपीएल नीलामी में क्यों नहीं लिया हिस्सा, बेन स्टोक्स ने खोला राज

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को लंबा खींचने और एशेज जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की हाल में संपन्न मेगा नीलामी से बाहर होने का फैसला किया।

स्टोक्स भविष्य में आईपीएल की मिनी नीलामी में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे क्योंकि इस लीग के नए नियमों के अनुसार जिस खिलाड़ी ने खुद का मेगा नीलामी के लिए पंजीकरण नहीं किया हो वह खिलाड़ी मिनी नीलामी में भी भाग नहीं ले सकता है। हाल में सऊदी अरब के जेद्दा में हुई नीलामी में इंग्लैंड के कुल 52 खिलाड़ियों पर बोली लगी थी।

स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'यह बात किसी से छुपी नहीं है कि मैं अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर हूं। यह इस पर विचार करने का समय है कि मैंने क्या हासिल किया और मुझे ऐसा क्या करना चाहिए ताकि मैं अपने करियर को यथासंभव लंबे समय तक लम्बा खींच सकूं।

उन्होंने कहा, 'अभी बहुत क्रिकेट बची है। मैं जब तक संभव हो इंग्लैंड की तरफ से खेलना चाहता हूं। स्टोक्स अतीत में चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंट की तरफ से आईपीएल में खेल चुके हैं।

श्रीलंका ए टीम ने बीच में छोड़ा पाकिस्तान दौरा, चैंपियंस ट्रॉफी पर होगा असर!

कराची (एजेंसी)। श्रीलंका की 'ए' टीम इस्लामाबाद में राजनीतिक विरोध-प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान शाहीन (ए टीम) के खिलाफ चल रही श्रृंखला के बीच से ही स्वदेश लौट जाएगी।

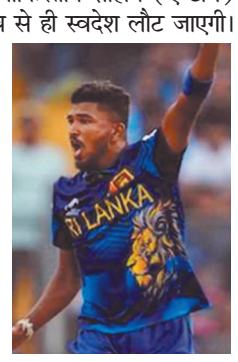

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को पुष्टि की कि श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के साथ सलाह-मशविरे के बाद उसने पाकिस्तान शाहीन और श्रीलंका ए के बीच होने वाले आखिरी दो 50 ओवर के मैच को स्थगित कर दिया है। स्थगित किए गए मैच बुधवार और शुक्रवार को रावलपिंडी में खेले जाने थे। पाकिस्तान शाहीन ने सोमवार को इस्लामाबाद में पहले मैच में मेहमान टीम को 108 रन से हराया था। पीसीबी ने कहा कि दोनों बोर्ड श्रृंखला को पूरा करने के लिए नई तारीखों को अंतिम रूप देने के लिए मिलकर काम करेंगे। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान और प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने रविवार से मुख्य इस्लामाबाद की ओर विरोध मार्च शुरू किया। प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा सुरक्षा बलों के बीच झड़प और हिंसा की घटनाएं हुई हैं। संघीय गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने घोषणा की थी कि स्थिति को शांत करने के लिए सेना को बुलाया गया है। नकवी पीसीबी के अध्यक्ष भी हैं।

वेस्टइंडीज की घरेलू धरती पर दो साल में पहली जीत, बांग्लादेश को पहले टेस्ट में दी करारी शिकस्त

नॉर्थ साउंड (एंटीगा) (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 201 रन से करारी शिकस्त देकर पिछले दो वर्षों से अधिक समय में अपनी घरेलू धरती पर पहली जीत दर्ज की। बांग्लादेश ने खेल के पांचवें दिन सात विकेट पर 109 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसकी पूरी टीम 132 रन पर आउट हो गई।

वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 450 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। बांग्लादेश ने इसके जवाब में अपनी पहली नौ विकेट पर 269 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में 152 रन बनाकर बांग्लादेश के सामने 334 रन का लक्ष्य रखा था। इस जीत से वेस्टइंडीज ने दो मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। दूसरा टेस्ट मैच शनिवार से किंग्सटन जमैका में खेला जाएगा।

तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने पांचवें दिन दोनों विकेट हासिल किए। उन्होंने हसन महमूद (00) को आउट करने के बाद जाकर अली (31) को पवेलियन भेजा। इसके बाद शोरफुल इस्लाम उनके बाउंसर पर चोटिल हो गए और वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। वेस्टइंडीज ने इससे पहले अपनी सरजमीं पर आखिरी टेस्ट मैच जून 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ ही जीता था।

पर्थ टेस्ट में यह सब जादू था

कोहली की शतकीय पारी पर बोले सुनील गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली की 143 गेंदों पर खेली गई नाबाद शतकीय पारी भारत के लिए पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया पर 295 रनों की शानदार जीत में अहम साबित हुई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बताया कि दाएं हाथ का यह बल्लेबाज दूसरी पारी में अपनी शानदार पारी के दौरान पूरी तरह से आराम में था। पर्थ स्टेडियम में मैच के तीसरे दिन कोहली ने थके हुए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी लाइन-अप का सामना करते हुए ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपना सातवां टेस्ट शतक बनाया और जैक हॉब्स के 9 शतकों के साथ लंबे प्रारूप में दौरे पर आए खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले वाल्टर हैमंड की बराबरी कर ली।

कोहली ने नाबाद शतक लगाया, जो टेस्ट में उनका 30वां शतक था और उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के लगाए। गावस्कर ने कहा, जब वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने आया तो उसका शरीर पूरी तरह से आराम में था। पहली पारी में, इस तथ्य के कारण कि भारत ने दो विकेट जल्दी खो दिए थे, वह भी दबाव में था। उस दूसरी पारी में आप महसूस कर सकते हैं कि उस रुख को बदलने के अलावा, मुझे लगता है कि उसने अपने पैरों की मूवमेंट को भी बदला, जो शायद शुरुआत में थोड़े चौड़े थे।

उन्होंने कहा, बस थोड़ा सा, शायद मैं बहुत ज्यादा सोच रहा हूं, लेकिन उस छोटी सी चीज ने उसे वह ऊंचाई दी होगी जो वह चाहता था। खैर, ऑस्ट्रेलिया में उछाल वाली पिचों पर आपको उस किनारे की जरूरत होती है। मुझे वह मिड-विकेट बाउंड्री पसंद आई जो उसने हेजलवुड की गेंद पर मारी। मेरे हिसाब से वह सबसे आसान शॉट नहीं था। एक स्ट्रेट ड्राइव थोड़ा आसान होता है क्योंकि आपका रुख ऐसा होता है, लेकिन बस थोड़ा सा खुल कर खेलना - यह सब जादू था। यह एक जादुई शॉट था। कमेंट्री में, मैं कहता रहा, इसे फिर से दिखाओ। इसे फिर से दिखाओ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने कोहली द्वारा दूसरी पारी में किए गए स्टांस एडजस्टमेंट के बारे में बात की। उन्होंने कहा, यह एक बहुत अच्छी बात है क्योंकि इसका उल्टा भी भारत के दौरे पर आने वाले किसी व्यक्ति के लिए कहा जा सकता है और उसे अपना स्टांस कम करना पड़ता है। मुझे पता है कि मैंने निश्चित रूप से ऐसा किया है। लेकिन थोड़ा और सीधा होने में सक्षम होने का मतलब है कि आपके सिर की स्थिति उछाल के ऊपर बनी रहनी चाहिए ताकि यह आपके पक्ष में काम करना शुरू कर दे।

उन्होंने कहा, मैंने शुरू से ही कहा कि मुझे वास्तव में उनका यह कदम पसंद आया, गेंद के साथ ज्यादा लाइन में बल्लेबाजी करना। मुझे लगा कि यह एक अच्छी रणनीति थी। मुझे लगता है कि उन्हें इस तरह खेलना पसंद है, और हमने कुछ क्लासिक मामले देखे हैं जहां उन्होंने गेंद को मिड-विकेट के पार आसानी से पहुंचाया। लेकिन आप ऑफ स्टंप के बाहर से ऐसा नहीं कर सकते, इसलिए मुझे लगा कि लाइन में आना महत्वपूर्ण था।

उन्होंने कहा, आपने जिस दूसरे छोटे से समायोजन का जिक्र किया, वह थोड़ा और सीधा होना था ताकि वह उछाल के ऊपर रह सके, यह भी वास्तव में महत्वपूर्ण था। अगर आप गेंद के उतने ही करीब पहुंच रहे हैं जितना वह थे - तो मुझे लगता है कि एक और बात यह थी कि शायद गेंद को बाद में खेलना था। जब वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं होते हैं, तो वह गेंद को महसूस करते हुए काफी जोर से खेलते हैं। वह गेंद को बल्ले पर महसूस करना चाहते हैं, खास तौर पर सामने के पैर पर।

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश में पूर्व पुलिसकर्मी गिरफ्तार, कोरोनाकाल में पूर्व सांसद को हिरासत में यातना देने का आरोप

ओंगोल। आंध्र प्रदेश पुलिस ने पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी शासन के दौरान के रघुराम कृष्ण राजू को कथित हिरासत में यातना देने के मामले में मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारी विजय पॉल को गिरफ्तार कर लिया। के रघुराम कृष्ण राजू आंध्र प्रदेश विधानसभा के वर्तमान उपाध्यक्ष हैं। मामला मई 2021 का है कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान के रघुराम कृष्ण राजू को कुछ समय के लिए गिरफ्तार किया गया था। उस दौरान वह नरसापुरम से सांसद थे और उन्होंने मुख्यमंत्री पर विवादित टिप्पणी कर दी थी जिसके बाद उनको हिरासत में लिया गया था। कृष्ण राजू ने बाद में वाईएसआरसीपी छोड़ दी के रघुराम कृष्ण राजू की गिरफ्तारी के दौरान, विजय पॉल ने सीआईडी ??सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के रूप में कार्य किया और कथित तौर पर पूर्व वाईएसआरसीपी सांसद की हिरासत में यातना में भूमिका निभाई। के रघुराम कृष्ण राजू ने बाद में वाईएसआरसीपी छोड़ दी और टीडीपी में शामिल हो गए। जून में नई टीडीपी की सरकार में उनको आंध्र प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष बनाया गया है और वह उंडी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने पुलिस में शिकायत दी है कि अधिकारियों और पूर्व सीएम ने उनको साथ गलत तरीके से कार्रवाई की। पुलिस ने कहा कि उन्होंने उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है और आरोप लगाया कि उन्हें हिरासत में प्रताड़ित और हत्या का प्रयास किया गया था।

पत्नी की हत्या कर सड़ी-गली लाश ले दिल्ली में 1 हफ्ते तक घूमता रहा ट्रक ड्राइवर, अरेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक ट्रक ड्राइवर की हैवानियत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि 34 वर्षीय ट्रक ड्राइवर कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या कर, उसकी सड़ी-गली लाश को ट्रक के कंपार्टमेंट में रखकर दक्षिणी दिल्ली के ओखला इलाके में करीब एक हफ्ते तक घूमता रहा। हैरानी की बात यह कि इस दौरान वह पकड़ में नहीं आया। पुलिस ने उसे कैसे किया अरेस्ट इस रिपोर्ट में जानें। पुलिस ने बताया कि आरोपी प्रदीप सिंह को रविवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने खुद ही अपने गाड़ी मालिक से फोन पर बात करके अपना जुर्म कबूल किया। इसके बाद मुंबई में रहने वाले गाड़ी मालिक ने दिल्ली पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद उसे पकड़ा गया। आरोपी प्रदीप ने अपनी पत्नी 34 वर्षीय नीतू सिंह की 18 या 19 नवंबर को हत्या कर दी थी। पुलिस जांच टीम के सूत्रों ने बताया कि आरोपी प्रदीप सिंह को शक था कि उसकी पत्नी का किसी और से चक्कर है। पत्नी की हत्या करने के बाद लाश को ठिकाने लगाने के लिए जब आरोपी ट्रक ड्राइवर को जगह नहीं मिली तो उसने उसे चादरों से ढक दिया। वह ट्रक में ही लाश का रखकर दिल्ली के ओखला इलाके में करीब एक हफ्ते तक घूमता रहा। जांच टीम के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि आरोपी प्रदीप सिंह 13 नवंबर को ओखला औद्योगिक क्षेत्र में एक विक्रेता को सामान की डिलीवरी करने के लिए मुंबई से दिल्ली ट्रक लेकर पहुंचा था। उसने डिलीवरी की और हरियाणा के हांसी से अपनी पत्नी को दिल्ली बुलाया। उसकी पत्नी 15 से 16 नवंबर के बीच दिल्ली पहुंची थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदीप का कहना है कि 18 या 19 नवंबर को उसकी पत्नी के साथ झगड़ा हुआ था। झगड़ा तब और बढ़ गया जब उसने नीतू पर धोखा देने का आरोप लगाया। इसी झगड़े के दौरान उसने पत्नी की हत्या कर दी। वारदात का पता तब चला जब आरोपी ने ट्रक मालिक को कॉल या मैसेज का जवाब देना बंद कर दिया। इस बीच वह एक हफ्ते तक ओखला इलाके में घूमता रहा। आखिरकार वह थक गया और उसने शनिवार को अपने वाहन मालिक को फोन किया। उसने अपनी पत्नी की हत्या करने की बात कबूली। शुरुआत में ट्रक मालिक को लगा कि ड्राइवर नशे में है। इसके बाद उसने ट्रक ड्राइवर को देखने के लिए एक सहयोगी को भेजा। सहयोगी ने ट्रक में लाश देखी और तेज बदबू महसूस की। गाड़ी मालिक के सहयोगी ने तुरंत उसे घटना की जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि वाहन में कोल्ड स्टोरेज है, लेकिन आरोपी ने अपनी पत्नी की लाश को केबिन में रखने का फैसला किया।

महाराष्ट्र की नई सरकार के आगे बनते ही होगी चुनौती, मराठा आंदोलनकारी मनोज जारांगे पाटिल का बड़ा ऐलान

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में फिलहाल सरकार गठन को लेकर रस्साकशी चल रही है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर दावेदारी का दौर जारी है। जल्दी ही नए मुख्यमंत्री को लेकर फैसला हो सकता है, लेकिन नई सरकार को सत्ता में आते ही एक चुनौती का सामना करना होगा। यह चुनौती है, मराठा आरक्षण की। चुनाव में मराठा आरक्षण आंदोलन का कोई खास असर नहीं दिखा और सत्ताधारी दलों को बड़ी जीत के साथ वापसी का मौका मिला है। इसके बाद भी मराठा आरक्षण की मांग करने वाले नेता मनोज जारांगे पाटिल ने नए सिरे से आंदोलन का फैसला लिया है। उनका कहना है कि वह अब सामूहिक भूख हड़ताल करेंगे।

जालना के अपने गांव अंतरवाली में मनोज जारांगे पाटिल ने यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि बीड़ जिले में इस भूख हड़ताल का आयोजन होगा।

मनोज पाटिल ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, %अब चुनाव खत्म हो गया है। उसकी बात छोड़िए। अब यह सोचिए कि आपके समाज और आपके बच्चों का भविष्य क्या होगा। इसलिए आरक्षण की बात की जाए। सभी मराठाओं को अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। इसलिए सभी मराठा फिर से एकजुट हो जाएं और आमरण अनशन की तैयारी करें।% उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद मैं सामूहिक भूख हड़ताल का ऐलान करूंगा और उसकी तारीख के बारे में भी बताऊंगा।

वहीं चुनाव के नतीजों को लेकर मनोज जारांगे पाटिल ने कहा कि मैंने तो पहले ही कहा था कि आप जिसे मतदान करना चाहें कर दें। लेकिन मेरा समाज मेरे साथ है और मैंने भी अपनी भूमिका में कोई बदलाव नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना होगा कि मराठाओं से झूठे वादे न किए जाएं। पाटिल ने कहा कि भले ही वे सत्ता में वापस आ गए हैं, लेकिन हम फिर से भूख हड़ताल करेंगे। हमें अच्छे से पता है कि सरकार के पास जितनी ताकत है, वह उससे ही काम करेगी। मराठा समाज के लोगों ने विपक्ष और सत्तापक्ष दोनों की ही वोट दिया है। इसलिए दोनों तरफ के लोगों को मराठाओं के साथ खड़ा होना चाहिए।

चेन्नई में 5 घंटे तक रहेगी बिजली आपूर्ति बाधित

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में आज 27 नवंबर को कुछ इलाकों में पांच घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी, कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह व्यवधान निर्धारित रखरखाव कार्य के कारण सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे के बीच होगा। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि अगर काम पूरा हो जाता है तो दोपहर 2 बजे से पहले बिजली कटौती फिर से शुरू हो सकती है।

चेन्नई के इन इलाकों में आज होगी बिजली कटौती गांधी स्ट्रीट, वरदराजन स्ट्रीट, मेट्टू स्ट्रीट, विलेज स्ट्रीट, क्रॉस रोड, सिवन नगर, मंगम्मल थोट्टम, जीवा नगर, एमपीटी क्वार्टर्स, एई कोइल स्ट्रीट को आज पांच घंटे बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, क्षेत्रों में बालाजी गार्डन, पुधु नगर, बाय पास रोड, अररोन उल्लासा सिटी और शांति कॉलोनी शामिल हैं। डीटी नेक्स्ट की रिपोर्ट के अनुसार, आरए पुरम और आरके नगर क्षेत्रों सहित चेन्नई के कुछ स्थानों पर कल यानी 28 नवंबर को पांच घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रहने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, एमआरसी नगर का हिस्सा, फोरशोर एस्टेट का हिस्सा, गांधी नगर का हिस्सा, पीआरओ क्वार्टर, आरके मठ, आरके नगर, रंज मेयियाम्मई टॉवर, साथिया देव एवेन्यू, टू वैल्यू होम्स, एचटी सर्विस, राजा स्ट्रीट, रॉबर्टसन लेन, राजा ग्रामानी गार्डन, केवीबी गार्डन, अप्पा ग्रामनी स्ट्रीट, वेलायुथराज स्ट्रीट, टीपी स्कीम रोड, राजा मुथैया पुरम, साउथ एवेन्यू, शनमुगापुरम, सैंथोम हाई रोड, साथिया नगर, अरिंगार अन्ना नगर, अन्नाई थेरेसा नगर, पेरुमल कोइल स्ट्रीट, साउथ कैनाल बैंक रोड में बिजली कटौती हो सकती है।

सुक्खू सरकार का ऐलान- हिमाचल परिवहन निगम की बसों से दूध सब्जियों की ढुलाई का किराया माफ

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने किसानों और पशुपालकों के लिए बड़ी सौगात दी है। इसके तहत हिमाचल सड़क परिवहन निगम ने राज्य के किसानों के लिए अपनी बसों से दूध और सब्जियों की ढुलाई के लिए किराया माफ करने का फैसला किया है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अग्निहोत्री ने अधिकारियों को एचआरटीसी बसों से गुटखा और शराब के विज्ञापनों को हटाने के भी निर्देश दिए।

दूध और सब्जियों की ढुलाई को किराए से छूट: शिमला में एचआरटीसी के निदेशक मंडल की 158वीं बैठक और बस स्टैंड प्रबंधन एवं विकास प्राधिकरण के निदेशक मंडल की 70वीं बैठक की अध्यक्षता करने के बाद उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने संवाददाताओं से कहा कि एचआरटीसी ने फैसला किया है कि यदि सामान के साथ कोई नहीं जा रहा है तो उसका किराया लिया जाएगा, लेकिन दूध और सब्जियों की ढुलाई को इससे छूट दी जाएगी।

गुटखा और शराब के विज्ञापन हटाने के निर्देश: उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हिमाचल सड़क परिवहन निगम की बसों से गुटखा और शराब के विज्ञापन हटाने का निर्देश देते हुए कहा- इसका ठेका हमारे सत्ता

में आने से पहले दिया गया था, लेकिन अब हम ऐसी किसी भी चीज का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं जो जनहित में ना हो। डिप्टी सीएम ने यह भी बताया कि हिमाचल प्रदेश में 148 बस रूट निजी कंपनियों को दिए गए हैं।

खरीदी जाएंगी 327 नई इलेक्ट्रिक बसें: उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि हिमाचल सड़क परिवहन निगम बेड़े के लिए 327 नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। हिमाचल सड़क परिवहन निगम के लिए 100 मिनी बसें/टेंपो ट्रैवलर भी पेश किए जाएंगे। इस साल के अंत तक 1,000 वाहनों को बदल दिया जाएगा। जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के 177 पदों और कंप्यूटर ऑपरेटर के 12 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया फिर से शुरू की जाएगी। यह पेपर लीक के कारण 2022 से रुकी हुई थी।

छत्तीसगढ़ में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप, सरकारी स्कूल के 3 शिक्षकों समेत चार आरोपियों ने की वारदात

मनेंद्रगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 17 साल की एक स्कूली छात्रा के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात तो यह है कि वारदात का आरोप सरकारी स्कूल के 3 शिक्षकों सहित चार लोगों पर लगा है। जिसके बाद मंगलवार को पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। नाबालिग पीड़िता का कहना है कि उसके साथ कथित तौर पर दो बार 15 और 22 नवंबर को जनकपुर थाना क्षेत्र में आने वाले एक इलाके में गैंगरेप किया गया।

वारदात की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि इस संबंध में पीड़िता की शिकायत के आधार पर मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवगढ़ के सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल के दो शिक्षकों अशोक कुमार कुशवाहा और कुशल सिंह परिहार के अलावा सरकारी

प्राथमिक विद्यालय देवगढ़ के प्रधानाध्यापक रवेंद्र सिंह कुशवाहा और वन विभाग के एक कर्मचारी बनवारी सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, पीड़िता जो कि एक अन्य सरकारी स्कूल में कक्षा 11वीं की छात्रा है, पढ़ाई में उसकी मदद करने के बहाने आरोपी रवेंद्र उसे अपनी कार में बैठाकर 15 नवंबर को उसे एक अन्य आरोपी कुशल के घर ले गया। जहां पहले से ही तीसरा आरोपी अशोक भी मौजूद था। इसके बाद उन तीनों ने बारी-बारी से लड़की के साथ बलात्कार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने अपने मोबाइल से इस घटना का वीडियो भी बना लिया और पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को भी बताया तो वे इसे वायरल कर देंगे। इसके बाद तीनों आरोपियों ने उसी वीडियो के दम पर लड़की को ब्लैकमेल करते हुए 22 नवंबर को उसे बनवारी के किराए के मकान पर बुलाया, जहां उसके साथ फिर से बलात्कार किया गया। इस दौरान बनवारी ने भी अपराध में उनका साथ दिया।

पुलिस के मुताबिक बाद में लड़की ने हिम्मत जुटाई और अपने माता-पिता को पूरी वारदात के बारे में बता दिया। जिसके बाद मंगलवार को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई। अधिकारी ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 70 (2) (सामूहिक बलात्कार), 49 (उकसाने की सजा) और 351 (2) (आपराधिक धमकी) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है। मामले के सामने आने के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तीनों आरोपी शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है।

जयशंकर बोले- यूक्रेन जंग का हल बातचीत से निकले

इटैलियन अखबार से कहा- यूरोप को सिद्धांतों की इतनी परवाह तो रूस से रिश्ते खत्म करे

रोम, एजेंसी।

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की मीटिंग अटेंड इटली पहुंचे हैं। यहां उन्होंने इटैलियन न्यूज पेपर कोरिएरे डेला सेरा से यूक्रेन वॉर और भारत-चीन समेत कई मुद्दों पर बात की। जयशंकर ने यूक्रेन वॉर डिप्लोमैटिक हल पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यूक्रेन युद्ध का कोई सैन्य समाधान नहीं है। इसके लिए नए सिरे से डायलॉग शुरू किया जाना चाहिए। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि, हर क्षेत्र को अर्थव्यवस्था की हकीकत के बारे में सोचना चाहिए। अगर यूरोप पर अपने सिद्धांतों की इतनी ही परवाह है तो उसे खुद रूस के साथ अपने सभी व्यापार खत्म कर देने चाहिए।

यूरोपियन यूनियन भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर:

जयशंकर ने मॉस्को और कीव के साथ-साथ इस युद्ध से जुड़े सभी पक्षों को बातचीत में शामिल करने के लिए डिप्लोमैटिक कोशिशों को बढ़ावा देने की वकालत की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सहयोग, खास तौर पर भारत और यूरोपियन

यूनियन के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा- यूरोपियन यूनियन भारत का सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर और इन्वेस्टर है। हम पिछले कुछ सालों से लगातार बड़े समझौते कर रहे हैं। मैं दोनों के बीच पिछले कुछ सालों में लगातार बढ़ते स्ट्रैटेजिक समझौतों को देख रहा हूं। उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों के लिए फायदेमंद समझौता आर्थिक सहयोग को बढ़ा सकता है।

देश बाहरी मामलों से ज्यादा अपने फायदे पर जोर दें: जियो पॉलिटिकल प्रेशर, खास तौर पर चीन के साथ तनाव को लेकर उन्होंने कहा कि देशों को बाहरी मामलों से ज्यादा अपने देश के हितों पर जोर देना चाहिए। मेरा जीवन किसी दूसरे देश के इर्द-गिर्द नहीं घूमता। मेरा दिलचस्पी एक शांत, समृद्ध और सहयोगी क्षेत्र देखने में है। जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की आउटरीच बैठक का में शामिल होने पहुंचे एस जयशंकर तीन दिवसीय दौरे के लिए इटली पहुंचे हैं। यहां वो 24 से 26 नवंबर तक चलने वाले जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की आउटरीच बैठक का हिस्सा होंगे। इटली ने इस बैठक के लिए भारत को गेस्ट कंट्री (मेहमान देश) के तौर पर न्योता भेजा है। विदेश मंत्रियों की ये बैठक इटली के फिउग्गी में चल रही है। अपनी यात्रा के दौरान वे रोम में भारतीय दूतावास के नए परिसर का उद्घाटन भी किया। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित मेडिटेरेनियन डायलॉग के 10वें संस्करण में भी हिस्सा लिया।

अमेरिकी फर्म में बम विस्फोट का आरोपी 21 साल बाद यूके से गिरफ्तार, पशुओं के खिलाफ क्रूरता से था नाराज

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में साल 2003 में कैलिफोर्निया की एक बायोटेक फर्म में हुए बम धमाके का आरोपी 21 साल बाद यूके से गिरफ्तार किया गया है। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान डेनियल आंद्रेस सैन डिएगो के रूप में हुई है। सैन डिएगो एक पशु अधिकार चरमपंथी है, जिसने पशुओं के खिलाफ क्रूरता से नाराज होकर बम विस्फोट को अंजाम दिया। यूके के वेल्स से किया गया गिरफ्तार एफबीआई ने एक बयान में कहा कि संदिग्ध डेनियल आंद्रेस सैन डिएगो को ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी, आतंकवाद निरोधक पुलिस और उत्तरी वेल्स पुलिस द्वारा एफबीआई के साथ समन्वय में किए गए एक ऑपरेशन के तहत सोमवार को वेल्स में गिरफ्तार किया गया। सैन डिएगो पर अगस्त 2003 में ओकलैंड, कैलिफोर्निया के पास बायोटेक्नोलॉजी फर्म चिरोन इंक में हुए बम विस्फोट के सिलसिले में आरोपी है। साल 2009 में डिएगो को वांछित घोषित किया गया था। डिएगो ने बायोटेक फर्म में दो बम लगाए थे, लेकिन दूसरे बम को जांच अधिकारियों द्वारा निष्क्रिय कर दिया गया था। आरोप है कि सैन डिएगो ने बम विस्फोट के एक महीने बाद फिर से कैलिफोर्निया की एक अन्य कंपनी में भी तीसरा बम लगाया था। हालांकि इन बम धमाकों में कोई घायल नहीं हुआ था। रिवोल्यूशनरी सेल्स नामक पशु अधिकार समर्थक संगठन ने इन बम धमाकों की जिम्मेदारी ली थी। सैन डिएगो भी इसका सदस्य था। दरअसल ये संगठन बायोटेक कंपनी के हटिंगडन लाइफ साइंसेज नामक कंपनी के साथ संबंधों से नाराज थे। क्योंकि हटिंगडन लाइफ साइंसेज पर पशुओं के खिलाफ क्रूरता करने के गंभीर आरोप लगे थे। कंपनी द्वारा पशुओं पर दवाओं के परीक्षण किए गए, जिससे पशु अधिकार संगठन के लोग नाराज थे। दावा किया जा रहा है कि इसी नाराजगी के चलते बम विस्फोटों को अंजाम दिया गया। एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने कहा कि इस गिरफ्तारी से पता चलता है कि कोई भी संदिग्ध चाहे कितने भी लंबे समय तक भागता रहे, लेकिन जांच एजेंसी उसका पीछा करना बंद नहीं करेगी।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों को सोशल मीडिया के जाल से बचाने वाला बिल पास; उल्लंघन करने वालों की खैर नहीं

कैनबेरा, एजेंसी। आजकल बड़े ही नहीं बल्कि बच्चे भी स्मार्टफोन के आदी हो चुके हैं। सोशल मीडिया सभी की जिंदगी का एक सक्रिय हिस्सा बन गया है, जिसे चाहते हुए भी नजरअंदाज नहीं कर पाते हैं। लोग अपने काम छोड़कर घंटों सोशल मीडिया पर समय गुजारने लगे हैं। जीवन के हर क्षेत्र में इसके बढ़ते प्रभाव के कारण विशेषज्ञ शारीरिक और मानसिक सेहत को लेकर चिंता जाहिर करने लगे हैं। खासकर बच्चों और किशोरों की मानसिक हालत पर इसका खतरनाक असर पड़ रहा है। ऐसे में अब ऑस्ट्रेलिया ने एक बड़ा फैसला लिया है। उसने एक ऐसा विधेयक पारित किया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया पर प्रतिबंधित किया जा सकता है।

कई प्रमुख दलों ने निचले सदन में पेश हुए विधेयक का समर्थन किया है। अब इसके तहत टिकटॉक, फेसबुक, स्नैपचैट, रेडिट, एक्स और इंस्टाग्राम जैसे मंचों पर छोटे बच्चों के खातों पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही अगर ये मंच ऐसा करने में नाकाम रहे तो पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (3.3 करोड़ डॉलर) तक का

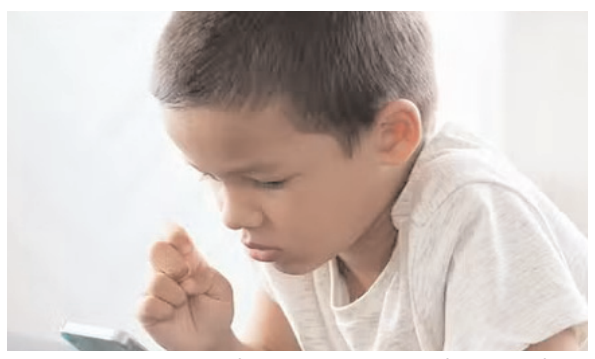

जुर्माना लगाया जाएगा। विधेयक के विपक्ष में 13, जबकि पक्ष में 102 वोट पड़े। अधिक वोट पक्ष में आने पर कानून को पारित कर दिया गया। बता दें, अगर विधेयक इस सप्ताह कानून बन जाता है, तो प्लेटफार्मों को आयु प्रतिबंध करने के तरीके पर काम करने के लिए एक साल दिया जाएगा। इस दौरान जुर्माना नहीं लगया जाएगा। विपक्षी सांसद डैन तेहान ने संसद को बताया कि सरकार सीनेट में संशोधनों को स्वीकार करने के लिए सहमत हो गई है जो गोपनीयता की सुरक्षा को मजबूत करेगा। प्लेटफार्मों को उपयोगकर्ताओं को पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस सहित सरकार द्वारा जारी पहचान दस्तावेज देने के लिए मजबूर करने की अनुमति नहीं होगी। प्लेटफॉर्म सरकारी प्रणाली के माध्यम से डिजिटल पहचान की मांग भी नहीं कर सकते।

ट्रंप कैबिनेट में कोलकाता में जन्मे जय भट्टाचार्य की एंट्री, कोरोनाकाल में लॉकडाउन के रहे विरोधी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिक जय भट्टाचार्य को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के निदेशक के रूप में चुना है। एनआईएच देश के शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान और वित्त पोषण संस्थानों में से एक है। इसके साथ ही ट्रंप 2.0 कैबिनेट में भट्टाचार्य शीर्ष प्रशासनिक पद के लिए नामित होने वाले पहले भारतवंशी हैं।

इससे पहले ट्रंप ने टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क के साथ डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिशिएंसी (डोज) का नेतृत्व करने के लिए भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी को चुना था। हालांकि, यह एक स्वैच्छिक पद है और इसके लिए अमेरिकी सीनेट से पुष्टि की आवश्यकता नहीं है। यानी यह विभाग सीधे तौर पर ट्रंप के कैबिनेट से नहीं जुड़ा है और यह सरकार के बाहर रहकर काम करेगा। ट्रंप ने कैबिनेट में शीर्ष पद के लिए भारतवंशी के नाम का एलान करते हुए कहा, ''मुझे जय भट्टाचार्य, एमडी, पीएचडी. को एनआईएच के निदेशक के रूप में नामित करके काफी खुशी हो रही है। डॉ. भट्टाचार्य रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के साथ मिलकर राष्ट्र के चिकित्सा अनुसंधान की दिशा में मार्गदर्शन करेंगे और स्वास्थ्य में सुधार लाने और लोगों की जिंदगी बचाने वाली अहम खोज को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम करेंगे।'' जय भट्टाचार्य का जन्म पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुआ। वह उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चले गए थे। उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में 1990 के दौर में यहां बैचलर ऑफ आर्ट्स और फिर मास्टर ऑफ आर्ट्स किया। इसके बाद उन्होंने डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एमडी) की डिग्री हासिल की और साल 2000 में अर्थशास्त्र में पीएचडी किया।

ट्रंप ने कहा कि जय भट्टाचार्य मौजूदा समय में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में स्वास्थ्य नीति के प्रोफेसर हैं और नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च में रिसर्च एसोसिएट के तौर पर काम कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129